सूर्योदय दि. 17-12-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1° | न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ओपन सर्च

RNI No.DELHIN/2015/66886

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in Website | www.opensearch.co.in

संजीदा शेख ने हॉट ब्रालेट में कराया...पृष्ठ-8

वर्ष : 06 अंक : 258 | नई दिल्ली, शुक्रवार 17 दिसंबर-2021 | नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित | ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

यूपी को देश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का मिलेगा उपहार

उत्तर प्रदेश के मेरठ से शुरू होने वाला गंगा एक्सप्रेस-वे देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेस-वे होगा

ओपन सर्च. संवाददाता

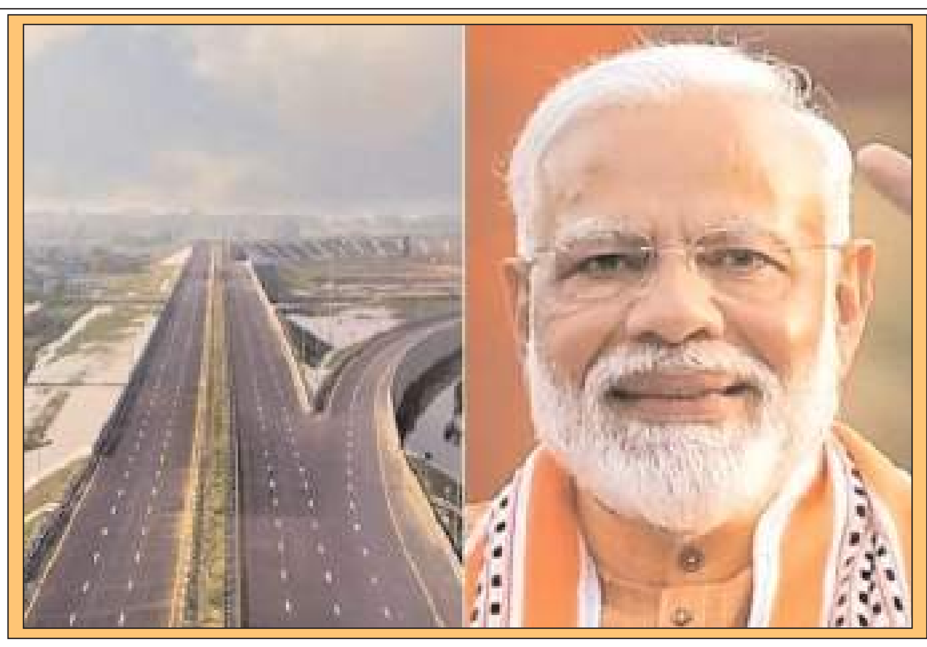

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश को एक और एक्सप्रेस-वे का उपहार मिलने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18 दिसंबर को शाहजहांपुर जिले में गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना का शिलान्यास करेंगे। इस दौरान वह रेलवे ग्राउंड पर जनसभा को भी संबोधित करेंगे। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने 36,230 करोड़ रुपये की लागत से 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना की स्वीकृति पिछले साल 26 नवंबर को दी थी।

उत्तर प्रदेश के मेरठ से शुरू होने वाला गंगा एक्सप्रेस-वे देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेस-वे होगा। इस एक्सप्रेस-वे पर भी वायुसेना के विमानों के आपातकालीन टेक-ऑफ और लैंडिंग में सहायता के लिए साढ़े तीन किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी बनाई जाएगी। यह हवाई पट्टी शाहजहांपुर जिले में बनाई जानी है। गंगा एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में मील का पत्थर साबित होने वाला है। पूर्वी उत्तर प्रदेश से पश्चिमी उत्तर प्रदेश को एक सूत्र में पिरोने वाला गंगा एक्सप्रेस-वे सीधे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) से जुड़ेगा। खास बात यह है कि गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए जब भूमि खरीदी जा रही थी, उस समय पूरे देश में कोरोना की लहर पीक पर थी। इसके बावजूद महज एक साल में गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए 83 हजार किसानों से 94 प्रतिशत भूमि खरीदी गई है।

परियोजना के लिए करीब 7386 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है, जिसमें पिछले चार माह में 71,621 किसानों से भूमि खरीदी गई है। अब तक कुल 82,750 किसानों से भूमि की खरीद हुई है। पर्यावरण संरक्षण के लिए एक्सप्रेस वे के किनारे करीब 18,55,000 पौधे लगाए जाएंगे। साथ ल, बदायूं , शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और रायबरेली से होकर गुजरेगा। एक्सप्रेस-वे 519 गांवों को भी जोड़ेगा। पर्यटन और उद्योगों की आय को मिलेगा बढ़ावा : गंगा एक्सप्रेस-वे से सामाजिक और आर्थिक विकास के साथ कृषि, वाणिज्य, पर्यटन और उद्योगों की आय को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा विभिन्न उत्पादन इकाइयों, विकास केंद्रों और कृषि उत्पादन क्षेत्रों को राष्ट्रीय राजधानी से जोड़ने के लिए एक औद्योगिक कारिडोर के रूप में सहायक होगा।

एक्सप्रेस-वे खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, भंडार गृह, मंडी और दुग्ध आधारित उद्योगों की स्थापना के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा। शाहजहांपुर जिले में बनाई जाएगी हवाई पट्टी : गंगा एक्सप्रेस-वे पर आपातकाल में वायु सेना के विमानों की लैंडिंग और टेक ऑफ के लिए शाहजहांपुर जिले में एक हवाई पट्टी भी बनाई जानी है। साथ ही लोगों की सुविधाओं के लिए नौ जनसुविधा केंद्र, सात रेलवे ओवर ब्रिज, 14 दीर्घ सेतु, 126 लघु सेतु और 381 अंडरपास बनाया जाएगा। एक्सप्रेस-वे पर प्रवेश और निकासी के लिए 17 स्थानों पर इंटरचेंज सुविधा भी दी जाएगी।

शहीद वरुण सिंह के परिवार को एक करोड़ सम्मान राशि देने की घोषणा

सीएम शिवराज सिंह ने दी श्रद्धांजलि,कल होगा अंतिम संस्कार

भोपाल (एजेंसी)

ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का पार्थिव शरीर गुरुवार को भोपाल लाया गया। बीती 8 दिसंबर को तमिलनाडु के कुन्नूर में हुए हेलीकाप्टर क्रैश में वो अकेले जीवित बचे थे। हादसे के बाद से उनका इलाज बेंगलुरु के कमांड अस्पताल में चल रहा था, जहां बुधवार को उनकी मौत हो गई। शहीद का पार्थिव शव विशेष विमान से दोपहर करीब तीन बजे शहर के राजा भोज एयरपोर्ट पर पहुंचा, जहां उन्हें गार्ड आफ आनर दिया गया। जिसके बाद मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत सेना के अधिकारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम शिवराज सिंह ने ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी है। मुख्यमंत्री ने शहीद के परिजनों को एक करोड़ रुपये की सम्मान निधि देने की घोषणा की है। शुक्रवार सुबह 11 से 12 बजे के बीच बैरागढ़ विश्राम घाट पर उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार होगा। गुरुवार रात में पार्थिव शरीर को मिलिट्री अस्पताल में रखा जाएगा। ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के परिवार से मिलने पहुंचे सीएम शिवराज सिंह ने बताया कि, राज्य सरकार शहीद के परिवार को एक करोड़ रुपये सम्मान निधि देगी और परिजनों से सलाह लेने के बाद एक प्रतिमा भी स्थापित करेंगे। साथ ही एक संस्था का नाम शहीद वरुण सिंह के नाम पर रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार के किसी एक सदस्य को प्रदेश सरकार में नौकरी देने की भी बात कही है। मीडिया से बातचीत में सीएम शिवराज सिंह ने कहा, ग्रुप कैप्टन एक अद्भुत योद्धा थे उन्होंने पहले भी मौत को हराया था, लेकिन अब वह हमारे साथ नहीं है। उनका अंतिम संस्कार पूरे सैन्य और राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। मैंने उनके पिता से भी बात की है जो भी बहुत बहादुर हैं । यह परिवार अब देश और राज्य का परिवार है। ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह को इसी साल अगस्त में अनुकरणीय संयम और कौशल प्रदर्शित करने के लिए देश के तीसरे सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया था। वरुण सिंह अपने पीछे एक 11 वर्षीय पुत्र, आठ वर्षीय बेटी और पत्नी को छोड़ गए हैं। वहीं उनके छोटे भाई तनुज सिंह भी भारतीय नौसेना में लेफ्टिनेंट कमांडर के पद पर तैनात हैं।

> **मुख्यमंत्री ने शहीद के परिजनों को एक करोड़ रुपये की सम्मान निधि देने की घोषणा की है। शुक्रवार सुबह 11 से 12 बजे के बीच बैरागढ़ विश्राम घाट पर उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार होगा। गुरुवार रात में पार्थिव शरीर को मिलिट्री अस्पताल में रखा जाएगा।**

एक नज़र

कुलगाम में सुरक्षा बलों और आंतकवादियों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर (एजेंसी) जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिला में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार गिराया है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने संयुक्त रूप से बुधवार देर रात रेडवानी बाला में घेराबंदी तथा तलाश अभियान शुरू किया। पुलिस ने कहा, तलाश अभियान के दौरान वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाई। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों के जवानों ने गोलियां चलाई और मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़ में दो अज्ञात आतंकवादी मारे गए हैं। पुलिस के मुताबिक इलाके में सुरक्षा बलों का अभियान अभी भी जारी है। उल्लेखनीय है कि पड़ोसी जिला पुलवामा में कल ही आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिद्दीन का एक कमांडर मुठभेड़ में मारा गया था।

दिल्ली में ओमिक्रॉन के चार नए मामलों की पुष्टि

नई दिल्ली (एजेंसी) राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार को कोरोना वायरस से नए स्वरूप ओमिक्रॉन से संक्रमित चार और नए मामले सामने आए। इसके साथ ही राजधानी में ओमिक्रॉन से संक्रमित मामलों की संख्या बढ़कर 10 हो गयी है। अधिकारियों ने आज यह जानकारी दी। लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल के मेडिकल निदेशक डॉ. सुनील कुमार ने यूनीवार्ता को बताया कि संक्रमितों को पिछले हफ्ते इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कोविड-19 जांच में संक्रमित पाए जाने के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया था। जिसके बाद उनके नमूने को जिनोम सीक्रेंसिंग के लिए भेजा गया था, जिसमें आज चार लोग ओमिक्रॉन से संक्रमित पाये गये। डॉ कुमार ने कहा, दो पुरुष और दो महिला मरीज जिन्हें हमारे अस्पताल में भर्ती कराया गया था, अब उनमें ओमिक्रॉन की पुष्टि हुई है। सभी मरीज युवा है और पूर्ण रूप से टीकाकरण करवा चुके हैं। सभी संक्रमितों में इस रोग का अभी तक कोई लक्षण नहीं दिखा है। उन्होंने कहा कि सभी ओमिक्रॉन प्रभावित देशों से यहां आए हैं।

देश में कोरोना सक्रिय घटकर 87245 रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 317 सक्रिय मामले घटने के साथ सक्रिय मामलों की कुल संख्या घटकर 87,245 रह गयी। जबकि कोरोना संक्रमण के 7974 नए मामले सामने आए। जो बुधवार के 6984 से अधिक हैं। इस बीच कल देश में 60 लाख 12 हजार

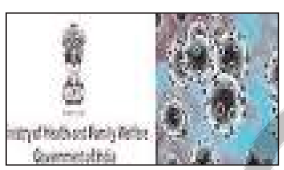

425 कोविड टीके लगाये गये हैं और इसके साथ ही कुल टीकाकरण संख्या एक अरब 35 करोड़ 25 लाख 36 हजार 986 हो गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 7974 नए मामले सामने आया और इस दौरान 7,948 मरीज स्वस्थ होने के साथ इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर तीन करोड़ 41 लाख 54 हजार 879 हो गयी है। उक्त अवधि में 317 सक्रिय मामले घटकर इनकी कुल संख्या 87,245 रह गयी हैं तथा 347 और मरीज जिंदगी की जंग हार गये और इस वायरस के संक्रमण से जान गंवाने वालों का आंकड़ा बढ़कर चार लाख 76 हजार 478 हो गया है। देश में रिकवरी दर 98.38 फीसदी, सक्रिय मामलों की दर 0.25 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.37 फीसदी पर बरकरार है।

वर्तमान में देश में सबसे ज्यादा सक्रिय मामले केरल में हैं। यहां पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामले 174 घटकर 35,897 रह गए हैं। राज्य में 3,898 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 51,24,899 हो गयी है। इसी अवधि में 282 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 43,626 हो गयी है। महाराष्ट्र में 14 सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या 10146 रह गयी है, जबकि 10 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1,41,298 हो गया है।

एचएएल ने बीईएल के साथ 2400 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

बेंगलुरु (एजेंसी)

स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने गुरुवार को यहां एलसीए तेजस एमके1ए कार्यक्रम के

लिए 20 प्रकार की प्रणालियों के विकास और आपूर्ति हेतु भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ 2400 करोड़ रुपए के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। एचएएल और बीईएल के बीच 2023 से 2028 तक यानी पांच साल के लिए 2,400 करोड़ रुपये के अनुबंध पर करार हुआ है और इसमें महत्वपूर्ण एवियोनिक्स लाइन रिप्लेसेबल यूनिट्स (एलआरयू), फ्लाइट कंट्रोल कंप्यूटर और नाइट फ्लाइंग एलआरयू की आपूर्ति शामिल है। यह अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है, जो एचएएल ने 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को बढ़ावा देने वाली भारतीय कंपनी को दिया है।

एचएएल के सीएमडी आर माधवन ने कहा, एलसीए तेजस कार्यक्रम एचएएल, अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और बीईएल जैसे भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों के बीच तालमेल का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। तेजस एमके1ए के लिए 20 तरह के महत्वपूर्ण एवियोनिक्स एलआरयू के विकास और आपूर्ति के लिए मौजूदा ऑर्डर 'मेक इन इंडिया' गतिविधि हेतु 'शॉट-इन-द-आर्म' है। बीईएल के सीएमडी आनंदी रामलिंगम ने कहा, हम प्रतिष्ठित एलसीए तेजस कार्यक्रम के लिए एचएएल से आर्डर मिलने से खुश हैं और एचएएल के साथ निरंतर मजबूत साझेदारी और संयुक्त सफलता की आशा करते हैं। उन्होंने कहा 83 तेजस एमके1ए लड़ाकू बेड़े के लिए इन प्रणालियों की आपूर्ति के आदेश को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के दो डिवीजनों बेंगलुरु और पंचकुला (हरियाणा) द्वारा निष्पादित किया जाएगा।

बीईएल सीएमडी ने कहा भारतीय वायु सेना (आईएएफ) को 83 तेजस एमके1ए की आपूर्ति वित्त वर्ष 2023-24 से शुरू होगी। स्वदेशी लड़ाकू विमान को स्वदेशी उड़ान नियंत्रण कंप्यूटर, एयर डेटा कंप्यूटर से लैस किया जाना है, जिसकी आपूर्ति भी इस अनुबंध के तहत बीईएल द्वारा की जाएगी।

ब्रिटिश अधिकारियों और सैनिकों के नाम पर रखी गईं सड़कों और इमारतों के नाम बदले जाएं : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली में रक्षा संपदा दिवस में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में भी छावनियों में ऐसी कई सड़कें और इमारतें हैं जिनका नाम ब्रिटिश क्राउन के प्रति वफादार ब्रिटिश अधिकारियों और सैनिकों के नाम पर रखा गया है। रक्षा मंत्रालय और डीजीडी इस बात पर विचार करे? कि ऐसी सभी सड़कों और भवनों का नाम हमारे बहादुर सैनिकों और आधुनिक भारत के निर्माताओं के नाम पर रखा जाना चाहिए। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा संकल्प होना चाहिए कि सीडीएस के पद के सृजन, डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स की स्थापना व इस तरह के अन्य रिफार्म के साथ हमारी सरकार ने सशस्त्र बलों को सुदृढ़ और सशक्त बनाने का जो सिलसिला शुरू किया था उसमें पूरा योगदान दें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर स्वर्णिम विजय दिवस के अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। 1971 के युद्ध के उपलक्ष्य में स्वर्णिम विजय वर्ष और बांग्लादेश के गठन में भारत की जीत के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस बीच राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद आज ढाका में विशिष्ट अतिथि के रूप में बांग्लादेश के 50वें विजय दिवस समारोह में भाग लेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1971 के युद्ध के दौरान सशस्त्र बलों के साहस और बलिदान को याद किया और इसे भारत के सैन्य इतिहास का स्वर्णिम अध्याय कहा। रक्षा मंत्री ने ट्विटर पर कहा कि स्वर्णिम विजय दिवस के अवसर पर हम 1971 के युद्ध के दौरान अपने सशस्त्र बलों के साहस और बलिदान को याद करते हैं। 1971 का युद्ध भारत के सैन्य इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है।

विपक्ष के भारी हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

सदन में गतिरोध बढ़ता देख हुए श्री महताब ने कार्यवाही को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)

विपक्षी दलों के सदस्यों ने लोकसभा में गुरुवार को गृह राज्यमंत्री मंत्री अजय मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर भारी हंगामा किया जिसके कारण पीठासीन अधिकारी भर्तिहरि महताब को सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ी।

एक बार के स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही दो बजे जैसे ही शुरू हुई कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कनषम, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, समाजवादी पार्टी समेत कई विपक्षी दलों के सदस्य नारेबाजी करते हुए सदन के बीचों बीच आ गए। शोर शराबा कर रहे सदस्यों ने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं जिसमें 'श्री मिश्रा इस्तीफा दो' और 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्री मिश्रा का इस्तीफा लो' लिखा हुआ था। विपक्ष के शोर शराबे के बीच श्री महताब ने मंत्रालयों और संसदीय समितियों से संबंधित महत्वपूर्ण कागजात सभा पटल में रखवाए। हंगामे के बीच ही पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने जैव विविधता विधेयक 2021 को पेश किया। पीठासीन अधिकारी ने बार-बार विपक्षी सदस्यों से अपनी सीट पर लौट जाने का आग्रह किया लेकिन शोर मचा रहे सदस्यों पर उनके आग्रह का कोई असर नहीं हुआ। सदन में गतिरोध बढ़ता देख हुए श्री महताब ने कार्यवाही को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया। इससे पहले सुबह सदन में कार्यवाही शुरू हुई लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों को ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के निधन की दुखद सूचना दी और सदस्यों ने मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अध्यक्ष ने इसके बाद सदस्यों को बंगलादेश की आजादी की स्वर्ण जयंती की जानकारी दी जिस पर सदन ने वहां के नागरिकों को इस अवसर पर बधाई दी। उसके बाद श्री बिरला ने जैसे ही प्रश्नकाल शुरू किया तो विपक्ष के सदस्य गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर हंगामा करते हुए सदन के बीचोंबीच आ गए। हंगामे के बीच अध्यक्ष ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से प्रश्न पूछने को कहा तो शोर शराबा कुछ कम हुआ। श्री गांधी ने कहा, लखीमपुर खीरी में हत्या हुई है और इसमें केंद्रीय गृह राज्य मंत्री शामिल है। उन्होंने किसानों को मारा है इसलिए उनको इस्तीफा देना चाहिए और उन्हें सजा मिलनी चाहिए। वह अपराधी हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। अध्यक्ष ने श्री गांधी से कहा कि वह प्रश्न पूछें। उन्हें प्रश्न पूछने के लिए समय दिया गया है। श्री गांधी ने कहा कि वह प्रश्न ही पूछ रहे हैं। उन्होंने फिर गृहराज्य मंत्री के इस्तीफे की मांग की तो संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि कांग्रेस के सदस्य आसन के सामने हैं तो श्री गांधी सवाल कैसे पूछ सकते हैं। इसी बीच मंत्री के इस्तीफे की मांग पर हंगामा बढ़ने लगा और लोकसभा अध्यक्ष बिरला सदन की कार्यवाही चलाने की कोशिश करते रहे लेकिन हंगामा नहीं थमा तो उन्होंने सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

विपक्ष और सत्तापक्ष अड़ा, राज्यसभा दिन भर के लिए स्थगित

राज्यसभा में विपक्ष और सत्ता पक्ष के अपने अपने रुख पर अड़े रहने के कारण आज भी कोई कामकाज नहीं हो सका और भोजन अवकाश के बाद कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ी। भोजन अवकाश के बाद जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो उपसभापति हरिवंश ने ओमिक्रॉन पर चर्चा शुरू करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के सैयद जफर इस्लाम का नाम पुकारा। इसी बीच राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता आनंद शर्मा और वरिष्ठ सदस्य श्री जयराम रमेश ने कुछ कहना चाहा। उनके साथ ही कांग्रेस, आम आदमी पार्टी , राष्ट्रीय जनता दल, द्रमुक और तृणमूल कांग्रेस के सदस्य अपनी जगहों से खड़े होकर आसन की तरफ बढ़ने लगे। श्री हरिवंश ने कहा कि ओमिक्रॉन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा का अनुरोध विपक्ष ने ही किया था और उसके बाद यह चर्चा शुरू हुई थी लेकिन अब विपक्ष ही इस पर बहस नहीं होने दे रहा। यह बहुत गंभीर विषय है। उन्होंने सदस्यों से अपनी जगहों पर लौटने की बार अपील की। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्य अन्य सदस्यों के अधिकारों का अतिक्रमण ना करें और इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा होने दे। विपक्षी सदस्यों पर उनकी अपील का असर नहीं हुआ और वे आसन के निकट आकर कुछ कहने लगे। इसी बीच उन्होंने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले भी सुबह जब कार्यवाही शुरू हुई और सभापति ने शून्यकाल शुरू करने का प्रयास किया तो सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे खड़े हो गये और विपक्ष के सदस्य नारेबाजी करते हुए आसन की ओर बढ़ने लगे। स्थिति को देखते हुए सभापति ने 12 मिनट के भीतर सदन की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित कर दी।

देशभर में बैंकों की दो दिवसीय हड़ताल, सेवाएं प्रभावित : एआईबीईए

हैदराबाद (एजेंसी) निजीकरण के खिलाफ यूनियन फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीआइ) के आह्वान पर देशभर में बैंकों का गुरुवार से दो दिवसीय हड़ताल शुरू हो गई है, जिसके कारण बैंकों का कामकाज प्रभावित हुआ है।

बैंक कर्मचारियों, अधिकारियों और प्रबंधकों ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के निजीकरण और बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक पेश करने के केंद्र सरकार के कदम के खिलाफ हड़ताल पर हैं। इस विधेयक को सरकार संसद के मौजूदा सत्र में पेश करने वाली है। अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) के महासचिव सी वेंकटचलम ने बयान जारी कर कहा कि यह विधेयक सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में उनकी इक्विटी पूंजी को 51 प्रतिशत से कम करने में सक्षम बनाएगा और निजी क्षेत्रों को बैंकों का अधिग्रहण करने की अनुमति देगा।

पंचायत प्रतिनिधियों के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ ने लगा दी उपहारों की झड़ी

लखनऊ (एजेंसी)
उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले गांवों में विकास की गंगा बहाने और पंचायत प्रतिनिधियों को खुश करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उपहारों की झड़ी लगा दी। सभी पंचायत प्रतिनिधियों का प्रतिमाह 1500 रुपये तक मानदेय बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने ग्राम प्रधानों को 5,000, ब्लाक प्रमुख को 11300 व जिला पंचायत अध्यक्ष को 15500 रुपये देने का ऐलान किया है। अब सूबे के करीब साढ़े सात लाख ग्राम पंचायत सदस्यों को भी मानदेय मिलेगा। सीएम योगी ने पंचायत प्रतिनिधियों के निधन पर स्वजनों को ग्राम पंचायत कोष से आर्थिक सहायता दिलाने व ग्राम व जिला पंचायतों के प्रशासनिक व वित्तीय अधिकारों में बड़ी बढ़ोतरी करने की भी अहम घोषणा की है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के बाद बनी गांवों की सरकार को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वृंदावन कालोनी में ग्राम उत्कर्ष समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों से कहा कि सही मायनों में विकास का पैमाना गांव ही हैं, उसे विकास की धुरी मानकर कार्य कराए जाने की जरूरत है। 42,478 ग्राम पंचायत भवनों का लोकार्पण किया गया है, शेष गांवों में भी यह कार्य जल्द पूरा होगा। ग्राम सचिवालय का शुभारंभ हो गया है, ताकि आम लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए शहर की ओर भागना नहीं पड़े। हर गांव में प्रधान, पंचायत सचिव, पंचायत सहायक एक छत के नीचे मिलेंगे और वहां पर बीसी सखी व मिशन शक्ति के तहत पुलिस की महिला बीट अधिकारी भी होगी। उन्होंने कहा कि अब बैंक गांवों में आकर समस्याओं का समाधान करेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2020 से अब तक गांवों में 5200 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं होगी और किसी को भी शोषण करने का अधिकार नहीं रहेगा, बल्कि गांवों में विकास की प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। कहा कि देश में यूपी नंबर एक की लड़ाई में आगे रहेगा, पेशेवर अपराधी व कोरोना यहां आने से डरेगा। काशी को नव्य व भव्य बनाया जा चुका है, पूर्वी उत्तर प्रदेश को सिंचाई परियोजना की मिल चुकी है और मेरठ से प्रयागराज तक बनने वाले गंगा एक्सप्रेस वे का

शिलान्यास 18 दिसंबर को होगा। अब बनाइए स्मार्ट गांव : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पंचायत प्रतिनिधियों का आह्वान किया कि जब स्मार्ट शहर बन सकते हैं तो स्मार्ट गांव बनाइए, जहां मूलभूत सारी सुविधाएं हों। शौच मुक्त गांवों में सालिड वेस्ट के निस्तारण की व्यवस्था, सौर ऊर्जा से जगमगाते रास्ते बनें। पब्लिक एड्रेस सिस्टम हो और सुबह शाम लोग भजन सुने। अगली बार जब मिलेंगे तो स्मार्ट गांव को साकार करने वाले सम्मानित होंगे। ट्रिपल इंजन बनाएगा नंबर एक इकोनामी का राज्य : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार गांवों की बेहतरी को प्रयासरत है, अब गांवों की सरकार भी साथ चले तो ट्रिपल इंजन प्रदेश को नंबर एक अर्थव्यवस्था वाला राज्य बना देगी। कोरोना के समय मिलकर इसका अहसास करा चुके हैं। उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव विपरीत स्थिति में कराया अब पंचायत प्रतिनिधि मिलकर विकास कराएं। पांच ग्राम पंचायतें 11-11 लाख रुपये से सम्मानित : मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार से उम्दा कार्य करने वाली पांच ग्राम पंचायतों को 11-11 लाख रुपये से सम्मानित किया गया। इनमें गाजियाबाद जिले की ग्राम पंचायत किल्हौड़ा रघुनाथपुर के प्रधान शैलेंद्र, प्रतापगढ़ जिले के यदुपत्ती ग्राम पंचायत के प्रधान सौरभ सिंह, अयोध्या जिले की सनहा ग्राम पंचायत की प्रधान रीना पांडेय, बाराबंकी जिले की न्यामतपुर ग्राम पंचायत के प्रधान धर्मेंद्र कुमार व मथुरा जिले की ग्राम पंचायत कनेका के ग्राम प्रधान अरविंद कुमार शामिल थे। योजना में कुल 356 ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत किया गया है। 7,44226 ग्राम पंचायत सदस्यों को पहले कोई मानदेय नहीं मिलता था, अब 100 रुपये प्रति बैठक मिलेगा। साल में 12 बैठक अधिकतम हो सकती हैं। 77,788 क्षेत्र पंचायत सदस्यों को अब तक 500 रुपये प्रति बैठक मिल रहा था, अब 1000 रुपये प्रति बैठक मिलेगा। साल में अधिकतम छह बैठक हो सकती हैं। 3121 जिला पंचायत सदस्यों को अब तक 1000 रुपये प्रति बैठक मिल रहा था, अब 1500 रुपये प्रति बैठक मिलेगा। साल में अधिकतम 12 बैठक हो सकती हैं। इनके बढ़े अधिकार : विकास कार्यों के लिए ग्राम पंचायत के वित्तीय अधिकार दो लाख रुपये प्रति कार्य से बढ़ाकर पांच लाख रुपये किया गया। ऐसे ही जिला पंचायतों के लिए प्रति कार्य 10 लाख की सीमा को बढ़ाकर 25 लाख रुपये किया गया। प्रशासनिक व तकनीकी अधिकार : ग्राम पंचायतें अपनी परियोजनाओं का स्टीमेट बनाने व एमबी कराने का कार्य विकास खंड के नामित अभियंता के अलावा जिले में कार्यरत लोक निर्माण विभाग, आवास एवं विकास परिषद, विकास प्राधिकरण, सिंचाई विभाग, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, लघु सिंचाई व मंडी समिति, जिला पंचायत के अवर अभियंता, जल निगम के अवर या सहायक अभियंता से करा सकते हैं।

एक नज़र

रियल एस्टेट कंपनी के निदेशक से करोड़ों की ठगी करने वाला गिरफ्तार, लखनऊ पुलिस ने सुलतानपुर में दबोचा

लखनऊ (एजेंसी) गोमतीनगर पुलिस ने रियल एस्टेट कंपनी निदेशक को जमीन दिलाने के नाम पर 2.84 करोड़ रुपये ठगी करने के आरोप में तान्या डेवलपर्स के निदेशक धर्मेंद्र वर्मा को गोमतीनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। धर्मेंद्र को सुल्तानपुर से दबोचा गया है। एसीपी गोमतीनगर श्वेता श्रीवास्तव के मुताबिक धर्मेंद्र मूल रूप से सुल्तानपुर के जयसिंहपुर का रहने वाला है। धर्मेंद्र तान्या डेवलपर्स के नाम से कंपनी चलाता था। बीते साल छह सितंबर को उसके खिलाफ विपुलखंड में रहने वाले आशीष पटेल ने मुकदमा दर्ज कराया था। आशीष अश्रिचा इंफ्रा के नाम से रियल एस्टेट कंपनी चलाते थें।

उन्हें लखनऊ के अलावा कई अन्य शहरों में टाउनशिप विकसित करनी थी। धर्मेंद्र से आशीष का संपर्क हुआ। धर्मेंद्र ने उन्हें रेरा एप्रूव्ड जमीन दिलाने का दावा किया था। इसके लिए किसानपथ, नगराम, निलमथा, गंगागंज, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और अयोध्या समेत कई शहरों में जमीन दिलाने का दावा किया। कई जगह जमीनें दिखाई भी। धर्मेंद्र ने साथी अतर सिंह के नाम दर्ज जमीन दिखाई। जमीन पसंद आने पर रेरा रजिस्ट्रेशन और जमीन की कीमत समेत कुल 3.87 करोड़ रुपये धर्मेंद्र को आशीष ने दिया। आशीष के मुताबिक धर्मेंद्र ने जल्द ही जमीन की रजिस्ट्री कराने को कहा। इसके बाद टाल मटोल करने लगे। काफी दबाव बनाने पर जमीन की रजिस्ट्री कराई। उसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपये थे।

इसके बाद अन्य अन्य जमीनों की रजिस्ट्री कराने को कहा तो फिर टाल मटोल करने लगे। विरोध पर धमकी दी। कुछ जमीनों के पेपर भी धर्मेंद्र ने दिए। जब उन पेपरों की पड़ताल कराई तो पता चला कि दस्तावेज फर्जी हैं। जानकारी होने पर पुलिस अधिकारियों से शिकायत की। जांच में आरोप सही पाए जाने पर धर्मेंद्र और अतर सिंह के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। इंस्पेक्टर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

योगी सरकार ने महिलाओं को दी बड़ी सौगात, कौशल विकास प्रशिक्षण में 30 फीसदी आरक्षण का फैसला

लखनऊ (एजेंसी) प्रदेश सरकार दीन दयाल अंत्योदय योजना के तहत दिए जाने वाले कौशल प्रशिक्षण में अब महिलाओं को 30 फीसदी आरक्षण देगी। प्रशिक्षण देने के लिए नए सिरे से 51 संस्थाओं का चयन भी किया गया है। बड़े शहरों में 240 और छोटे शहरों में 120 पात्रों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। दरअसल, शहरी क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं को दीन दयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार के लिए तैयार किया जाता है।

राज्य शहरी आजीविका मिशन निदेशालय प्रशिक्षण देने के लिए संस्थाओं से करार करता है। निदेशालय ने नए सिरे से प्रशिक्षण देने के लिए संस्थाओं का चयन कर लिया है। इन्हें वर्ष 2021-22 के लिए नामित किया गया है। शहरी पात्रों को चयनित करते हुए इनके माध्यम से प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। अब प्रशिक्षण के लिए चयनित होने वालों में आरक्षण की व्यवस्था की जा रही है। महिलाओं को इसमें 30 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा।

इसके अलावा अल्पसंख्यकों को 15 प्रतिशत व दिव्यांगों को पांच फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण देने वाली संस्थाओं को इसकी जानकारी मिशन निदेशालय को देनी होगी कि उनके यहां किस वर्ग के कितने लोगों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। निदेशालय स्तर से जरूरत के आधार पर इसका सत्यापन भी कराया जाएगा। मिशन निदेशक यशु रुस्तगी ने आरक्षण के संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं।

मनीष हत्याकांड : जांच से पहले मिटा दिए थे कई साक्ष्य, अब पुलिस वर्दी कब्जे में लेगी सीबीआइ

कानपुर (एजेंसी) बर्रा के प्रापर्टी डीलर मनीष गुप्ता की पुलिस पिटाई से मौत के मामले में सीबीआइ जल्द ही आरोपित पुलिसकर्मियों की वर्दी कब्जे में लेगी। पहले मामले की जांच कर रही एसआइटी वर्दियां कब्जे में नहीं ले पाई थी। मनीष की पत्नी का कहना था कि जब सीबीआइ उनसे पूछताछ करने के लिए आई थी तब इसकी जानकारी दी गई थी। गोरखपुर के रामगढ़ताल के होटल कृष्णा पैलेस में पुलिस की बर्बरता का शिकार हुए बर्रा तीन निवासी प्रापर्टी डीलर मनीष गुप्ता की मौत के मामले में मुख्यमंत्री के आदेश पर एसआइटी गठित की गई थी। जांच से पहले ही वारदात में शामिल पुलिस कर्मियों ने कई साक्ष्य मिटा दिए थे।

मनीष की पत्नी मीनाक्षी ने दोषी पुलिस कर्मियों की वारदात के दिन पहनी हुई वर्दियां कब्जे में न लिए जाने को लेकर सवाल खड़े करते हुए पुलिस आयुक्त से गुहार लगाई थी। कहा था कि आरोपित पुलिस कर्मियों ने मनीष को होटल के कमरे से निकाल कर अस्पताल और फिर वहां से पोस्टमार्टम हाउस पहुंचाया था। इस बीच कहीं न कहीं वर्दी में खून भी लगा होगा, जिसकी फोरेंसिक जांच कराई जानी चाहिए। यह एक अहम साक्ष्य होगा। पुलिस आयुक्त ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि एसआइटी सभी की वर्दियां कब्जे में लेकर बेंजाडीन टेस्ट कराएगी। सीबीआइ जांच शुरू होने से पहले तक एसआइटी की टीम वर्दियां कब्जे में नहीं ले सकी थी।

मीनाक्षी का कहना है कि उसने वर्दियों के बारे में सीबीआइ से उसी दिन बात की थी, जब टीम उनके बयान दर्ज करने आई थी। सीबीआइ जल्द ही आरोपित पुलिस कर्मियों की वर्दियां कब्जे में लेगी। मनीष हत्याकांड में पहले अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय आनंद कुमार तिवारी के निर्देशन में एसआइटी जांच शुरू हुई थी। एडिशनल डीसीपी पश्चिम बृजेश कुमार श्रीवास्तव विवेचक थे। एसआइटी ने करीब 15 दिनों तक गोरखपुर में रहकर पड़ताल की थी।

चलती बाइक पर युवक-युवती में हुई कहासुनी, युवती ने नदी में लगा दी छलांग

गोरखपुर (एजेंसी) सहजनवां के जसवल के पास बाइक से जा रहे युवक-युवती में अचानक विवाद हो गया। चलती गाड़ी से युवती कूद गई और उसने नदी में छलांग लगा दी। इससे उसकी मौत हो गई, जबकि उसको बचाने के लिए कूदे युवक की हालत भी गंभीर बनी हुई है। युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवक की पहचान संतकबीरनगर के बखिरा निवासी 22 वर्षीय प्रभाकर साहनी के रूप में हुई है।

जबकि युवती 20 वर्षीया गुडिया झुंगिया की रहने वाली है। ग्रामीणों के मुताबिक दोनों बाइक से सिसई पुल से जाते दिखे थे। अचानक युवती तेज आवाज में युवक कसे कुछ बोलने लगी और धीमी गति से चल रही बाइक से कूद गई। अभी कोई कुछ समझ पाता कि इससे पहले युवती ने पुल से नीचे नदी में छलांग लगा दी। लोगों ने युवती का डूबते हुए वीडियो भी बना लिया। इस दौरान युवक भी नदी में कूद गया। वह पानी में ना जाकर समतल भूमि पर जा गिरा। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक ने अपने बुआ के बेटे राधेश्याम को फोन पर घटना की जानकारी दी।

सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। वह युवक को इलाज के लिए जंगल कौडिया स्वास्थ्य केंद्र ले गई। वहां चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटनास्थल पीपीगंज व सहजनवां थाने के बीच का होने के कारण दोनों थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई और युवती के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खोराबार की युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद दो दिन पहले पुलिस युवक को पकड़कर थाने लेते आई, लेकिन अभी तक मुकदमा नहीं दर्ज हो सका है। आरोप है कि युवक पक्ष से कुछ लोग थाने में पहुंचकर पंचायत कर रहे हैं और युवती के स्वजन पर दबाव बना रहे हैं।

युवती को शादी का झांसा देकर युवक कई माह से उसके साथ दुष्कर्म कर रहा था। युवती जब युवक पर शादी के लिए दबाव बनाने लगी तो उसने इंकार कर दिया। युवती ने बेलवार चौकी पर इसकी तहरीर दी। चौकी पुलिस पूछताछ करने के बाद युवक व युवती को खोराबार थाने पर भेज दिया।

बैंक कर्मियों की दो दिनी देशव्यापी हड़ताल से लौटे ग्राहक, लटकते रहे शाखाओं में ताल

लखनऊ (एजेंसी)
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको को निजीकरण किए जाने के विरोध में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के बैनर तले बैंक कर्मी आज से दो दिनों की हड़ताल पर चले गए हैं। इस कारण बैंकों में कामकाज पूरी तरह ठप रहा। इसके चलते बैंक ग्राहकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

गुरुवार को बैंक कर्मी सुबह से ही स्टेट बैंक मुख्यालय पहुंच गए और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करने लगे। नेशनल कंफेडरेशन ऑफ बैंक के प्रदेश महामंत्री अखिलेश मोहन ने कहा-'' बैंको का निजीकरण कर पूँजीपतियों के हाथों में सौपने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन बैंककर्मियों के विरोध के चलते वह सफल नहीं हो पाई है। अटल पेन्शन योजना, नोटबन्दी, मनरेगा, आधार कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, बीमा आदि योजनाएं केवल राष्ट्रीयकृत बैंको के बैंककर्मियों की दक्षता की वजह से सफल हो पाई है। बैंक ऑफ इंडिया अधिकारी एसोसिएशन के महामंत्री सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि बैंक निजीकरण का अर्थ बैंकों को कार्पोरेट हाथों में सौंपने से है जो स्वयं बैंक ऋण को नहीं चुका पा रहे हैं। निजी बैंकों में फ्रॉड और एनपीए के बढ़ते मामले यह बताने को काफी है कि बैंकों के निजीकरण से जनता का पैसा पूंजीपति हड़प लेंगे और जिससे केवल पूँजीवाद को ही बढ़ावा मिलने वाला है। ऑयबाक (आल इण्डिया बैंक आफीसर्स कन्फेडरेशन) के

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन कुमार ने कहा कि बैंक निजीकरण से किसानों, छोटे व्यवसाइयों और कमजोर वर्गों के लिए ऋण उपलब्धता कम होगी। प्राथमिकता क्षेत्र का 60 प्रतिशत ऋण जो कि गांव, गरीब, सीमान्त किसान, गैर कार्पोरेट उद्यमियों, व्यक्तिगत किसान, सूक्ष्म उद्यम, स्वयं सहायता समूह तथा एस.सी./एस.टी., कमजोर और अल्पसंख्यक वर्ग की 12 सरकारी बैंकों और उनके 43 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक द्वारा प्रदान किया जाता है।

इस मौके पर वाई.के.अरोडा, फोरम प्रदेश संयोजक , दीप कुमार, मीडिया प्रभारी यूएफबीयू अनिल तिवारी समेत बड़ी संख्या में बैंक कर्मी मौजूद रहे। देश भर में नौ लाख से अधिक बैंककर्मी कर रहे हड़तालः देश भर में करीब नौ लाख कर्मचारी आज गुरुवार से दो दिन की हड़ताल पर चले गए हैं। शनिवार व रविवार को भी बैंक बंद रहेंगे। ऐसे में आज से लगातार चार दिनों तक बैंक उपभोक्ताओं को मुश्किल का सामना करना पड़ेगा। सरकार ने बैंकिंग अधिनियम (संशोधन) विधेयक, 2021 को संसद के मौजूदा सत्र के दौरान पेश करने और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है। इसको लेकर सदन में आज से बहस भी होनी है। बैंककर्मियों ने कहा कि शीतकालीन सत्र में बैंकिंग अधिनियमों में परिवर्तन कर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का निजीकरण करने की सरकार की मंशा का हम सख्त विरोध करते हैं। लंबे समय से आंदोलन करने के बाद भी सरकार की ओर से कोई सकारात्मक फैसला न लेने की वजह से दो दिवसीय हड़ताल करने का फैसला लिया गया है।

यह हड़ताल दो सरकारी बैंकों के प्रस्तावित निजीकरण के खिलाफ हो रही है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया समेत देश के तमाम बैंक आज और कल बंद रहेंगे। हालांकि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया प्रबंधन ने कर्मचारियों से काम का अनुरोध किया है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) सहित ज्यादातर बैंकों ने अपने ग्राहकों को सूचित किया है कि हड़ताल की वजह से चेक भुनाने और फंड ट्रांसफर जैसी बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। बैंकों की बंदी से 2500 से 3000 करोड़ का कारोबार होगा प्रभावितः हड़ताल में लखनऊ के करीब 10 हजार बैंक कर्मचारी शामिल हो रहे हैं। इस दौरान चार दिनों तक बैंक बंद रहने से करीब 25 से 30 हजार करोड़ का कारोबार प्रभावित होने की आशंका व्यक्त की गई है।

यूपी के चुनाव में महाराष्ट्र के पदाधिकारी संभालेंगे कमान

बदायूं (एजेंसी) पार्टी को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव में जीत दिलाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के महाराष्ट्र संगठन के पदाधिकारियों ने जिले में डेरा डाल लिया है। जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रवासी कार्यकर्ता की तरह यह चुनाव तक मौजूद रहेंगे। यहां की हर गतिविधि पर नजर रखने के साथ ही संगठन में हो रही उथल पुथल और चुनावी तैयारियों के बारे में संगठन को अवगत कराएंगे। बुधवार को जिला कार्यालय पहुंचे भाजपा के महाराष्ट्र संगठन के 15 पदाधिकारियों को भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने स्वागत किया। इसके बाद सभी के साथ भाजपा कार्यालय पर ही संगठन के पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसमें जिले की राजनीतिक परिस्थितियों के अलावा यहां की भौतिक स्थिति के बारे में भी अवगत कराया। पिछले चुनाव में कौन जीता, किसने किसे हराया और पार्टी को कहां मात मिली, इस बारे में भी जानकारी दी गई। इसके बाद प्रवासी कार्यकर्ताओं ने अपने कार्य के बारे में संगठन के पदाधिकारियों को जानकारी दी। अब बदायूं सदर, बिल्सी, सहसवान, शेखूपुर, बिसौली और दातागंज विधानसभा क्षेत्र में यह कार्यकर्ता चुनाव तक प्रवास पर रहेंगे। सभी संगठन की महत्वपूर्ण बैठकों में हिस्सेदारी करने के साथ सुझाव देने का काम करेंगे। जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रवासी कार्यकर्ताओं के जिले में रहने से पार्टी को संगठनात्मक रूप से मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी सभी छह विधानसभा सीटों पर जीतने का काम करेगी। इस दौरान भाजपा कार्यालय में क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा हरीश शाक्य, नगर पालिकाध्यक्ष दीपमाला गोयल, महामंत्री सुधीर श्रीवास्तव, एमपी सिंह राजपूत, अरुण प्रकाश, भगवान सिंह मौर्य, मीडिया प्रभारी आशीष शाक्य, गोविंद पाठक, अमिता उपाध्याय, मनोज मोदी, अमन गुप्ता आदि मौजूद रहे।

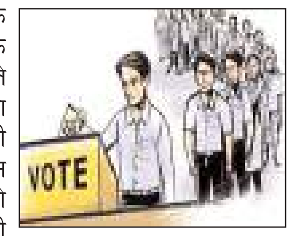

स्वास्थ्य विभाग ने लखनऊ में फोकस सैंपलिंग तेज करने के दिए निर्देश

लखनऊ (एजेंसी)
कोरोना वायरस के अल्फा, कप्पा, डेल्टा,डेल्टा प्लस वैरिएंट के बाद अब ओमिक्रोन की आहट को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में है। पिछले महीने हुई फोकस सैंपलिंग के बाद बुधवार को फिर से स्वास्थ्य विभाग ने फोकस सैंप्लिंग शुरू कर दी है। पहले दिन राजधानी के ऑटो, टैम्पो रिक्शा, बस चालक व कंडक्टर आदि की जांच की गई। यह फोकस सैम्पलिंग 28 दिसंबर तक चलेगी। स्वास्थ्य विभाग ने गुजरे माह फोकस सैम्पलिंग कराई थी। इसमें शिक्षण, मेडिकल संस्थान, दवा कारोबारी समेत दूसरे लोगों की जांच कराई गई थी। इस दौरान लगभग 10 हजार लोगों की कोरोना जांच की गई थी। अब कुछ ही दिनों के अंतराल पर दूसरी बार फोकस सैम्पलिंग शुरू की जा चुकी है। जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी योगेश रघुवंशी के मुताबिक बुधवार को पहले दि 2844 लोगों के नमूने जांच के लिए एकत्र किए गए। इनमें 30 प्रतिशत लोगों की एंटीजन जांच कराई गई थी। इसके अलावा 70 प्रतिशत लोगों की आरटी-पीसीआर जांच के लिए नमूने लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि एंटीजन जांच में अभी किसी में भी कोरोना की पुष्टि नहीं हुई है। आरटी-पीसीआर के लिए भेजे गए जांच नमूनों की रिपोर्ट गुरुवार को आने की उम्मीद है। आज यहां होगी जांचः नए वैरिएंट के आने और कोरोना की तीसरी लहर में बच्चों में संक्रमण की बात कही गयी थी। इसके बाद बच्चों में कोरोना संक्रमण की आशंका को देखते हुए इस बार की फोकस सैंपलिंग में उन्हें भी शामिल किए जाने की कोशिश की जा रही है। गुरुवार को स्कूल, कालेज में शिक्षक और विद्यार्थियों की कोरोना जांच के लिए नमूने एकत्र किए जाएंगे।

लखनऊ में कांग्रेस तथा समाजवादी पार्टी का प्रदर्शन, केन्द्रीय गृह मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने की मांग

लखनऊ (एजेंसी)
उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी विपक्षी दलों का हंगामा जारी है। लखनऊ में विधान भवन के सामने कांग्रेस के विधायकों ने जमकर हंगामा किया। इसके बाद इनको समाजवादी पार्टी के भी विधायकों का साथ मिल गया। इन सभी की मांग केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने की है। लखनऊ में विधानसभा मार्ग पर विधान भवन के ठीक सामने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा के नेतृत्व में कांग्रेस के विधायकों ने प्रदर्शन किया। इन सभी ने विधान भवन के सामने प्रदर्शन किया। इनकी मांग केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने की है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के नेतृत्व में लखनऊ में जीपीओ गांधी प्रतिमा से लेकर विधानसभा तक मार्च निकाला गया। इस दौरान कांग्रेस विधान परिषद दल के नेता दीपक सिंह ने भी केन्द्रीय मंत्री की अभद्रता पर नाराजगी जताई। अजय कुमार लल्लू ने कहा कि जब तक अजय कुमार मिश्रा टेनी को बर्खास्त नहीं किया जाएगा, हमारा विरोध जारी रहेगा। हम इस मुद्दे को बाहर भी उठाएंगे और विधानसभा में भी उठाएंगे। इस लड़ाई को मजबूती से अंजाम तक पहुंचाएंगे। लखनऊ में विधान भवन प्रांगण में समाजवादी पार्टी के विधायकों के साथ विधान परिषद सदस्यों ने लखीमपुर खीरी से सांसद केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कमार मिश्रा टेनी के पत्रकारों के साथ अभद्र व्यवहार करने पर प्रदर्शन किया। इनकी मांग टेनी को नरेन्द्र मोदी मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की है। उधर कांग्रेस के बड़े नेता मल्लिकार्जुन खड़गेने कहा कि अजय कुमार टेनी को मीडिया को जवाब नहीं देना था तो वह चुप रह सकते थे। एक मंत्री का किसी को डराना-धमकाना शोभा नहीं देता। लखीमपुर खीरी केस में एसआइटी की रिपोर्ट आने के बाद उन्हें खुद इस्तीफा देना चहिए था उसके लिए हमारा प्रदर्शन करना, मामले को सदन में उठाना ऐसा नहीं होना चाहिए था। गौरतलब है कि बुधवार को लखीमपुर खीरी में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्र टेनी बुधवार को लखीमपुर हिंसा केस से जुड़े एक सवाल पर आपा खो बैठे। अस्पताल में आक्सीजन प्लांट का उद्घाटन करने गए केंद्रीय मंत्री ने एक इलेक्ट्रानिक चैनल के पत्रकार के सवाल पर पूरी मीडिया को चोर तक कह दिया। टेनी यहीं तक नहीं रुके, उन्होंने पत्रकार का कालर तक पकड़ने की कोशिश की। किसी तरह से लोगों ने उनको शांत तो करा दिया, लेकिन तब तक इंटरनेट मीडिया पर उनकी अभद्र टिप्पणी का वीडियो वायरल हो चुका था। दरअसल, लखीमपुर खीरी हिंसा केस में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी के पुत्र आशीष मिश्र समेत सभी 13 आरोपितों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मामले के विवेचक इंस्पेक्टर विद्याराम दिवाकर की सीजेएम कोर्ट में धाराएं बढ़ाने की अर्जी पर लखीमपुर की अदालत ने मुहर लगा दी। सीजेएम चिंताराम ने मंगलवार को विवेचक की अर्जी को मंजूरी देते हुए दुर्घटना में मौत की धाराओं को हटाते करते हुए जानलेवा हमला, गंभीर चोट कारित करना व शस्त्र अधिनियम की धाराएं बढ़ाने की अनुमति प्रदान कर दी है।

सीएम योगी ने लांच किया आकांक्षा पेटी, बोले- जनता दे सुझाव, यूपी को नंबर एक बनाना हमारा संकल्प

लखनऊ (एजेंसी)
उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) जनता के सुझावों पर अपना संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) तैयार करेगी। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के यूपी नंहर 1 : सुझाव आपका, संकल्प हमारा अभियान का शुभारंभ किया। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने पिछली और वर्तमान सरकार का फर्क विभिन्न उदाहरणों से समझाया। उन्होंने कहा कि कहा कि पिछली सरकारों में आतंकियों के मुकदमे वापस लिए जाते थे, आज माफिया पर कार्रवाई की जाती है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि पहले की सरकार में आतंकियों के मुकदमे वापस होते थे, उन्हें सुरक्षा दी जाती थी। आज वही माफिया मारे-मारे फिर रहे हैं। पहले नौकरी निकलते ही महाभारत काल दिखने लगता था। एक ही परिवार के चाचा-भतीजा, काका, मामा सभी वसूली के लिए निकल पड़ते थे। नियुक्तियों में जातिवाद-भाई भतीजावाद खूब होता था। वर्ष 2015 की सपा सरकार में डिप्टी कलेक्टर का रिजल्ट निकला तो 86 में से 56 अभ्यर्थी एक विशेष जाति के आ जाते हैं। प्रदेश वही है, संसाधन वहीं हैं केवल सरकार बदली है। जनता के बहुमूल्य सुझावों की मदद से यूपी को नंबर-1 बनाना ही हमारा संकल्प है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी नंबर-1 अभियान में सुझाव आपका संकल्प हमारा कार्यक्रम में आकांक्षा पेटी लांच किया। विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रदेश के गांव व शहरी क्षेत्रों में आकांक्षा पेटी रखेगी। जनता से आने वाले सुझावों से संकल्प पत्र तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा

ने 2017 के चुनाव से पहले जो संकल्प पत्र जारी किया था, सरकार बनने पर सभी संकल्पों को जीवन का व्रत मानकर पूरा किया। अब 2022 के लिए सुझाव आपका संकल्प हमारा के साथ हम फिर आए हैं। यह पहली सरकार है, जिसने पहले 100 दिन, फिर छह महीने, एक वर्ष, दो वर्ष, तीन वर्ष, चार वर्ष और फिर साढ़े चार वर्ष में अपना रिपोर्ट जारी किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी सरकार में एक करोड़ 71 लाख नौजवानों को रोजगार मिला है। प्रदेश में बड़े निवेश के कारण ढेर सारे रोजगार के रास्ते खुल चुके हैं। जहां विकास का कोई काम नहीं होता था वही प्रदेश सबसे ज्यादा एक्सप्रेस वे बना रहा है। मेडिकल कालेज बना रहा है। हमने पुलिस, शिक्षक सभी तरह की नियुक्ति की लेकिन कोई विवाद नहीं हुआ। जब सोच ईमानदार होती है तो काम भी दमदार होता है। उन्होंने कहा कि पहले आस्था के प्रतीकों का अपमान होता था। गोकशी होती थी, दंगे होते थे। हमारी सरकार आई तो अवैध स्लाटर हाउस बंद किए। लगभग सात लाख गायों का संरक्षण किया। गन्ना किसानों के 10 वर्ष पुराने बकाए का भुगतान कराया। बंद चीनी मिलें शुरू कराई। पहले मां-बाप अपनी बेटी की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते थे। 2017 के बाद प्रदेश की हर बेटी सुरक्षित है। परिवारवाद की राजनीति नहीं करती भाजपा : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा व दूसरे दलों की तरह भाजपा जातिवाद, वंशवाद और परिवारवाद की राजनीति नहीं करती है। प्रदेश की जनता ने 15 साल तक भ्रष्टाचार और गुंडाराज देखा है। भाजपा ने 2017 में जो संकल्प लिया था, सत्ता में आने के बाद उसे पूरा किया। विपक्ष को शिलान्यास और उद्घाटन से कष्ट नहीं है, उसे कष्ट समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की खुशहाली से है। उन्होंने लोगों से आकांक्षा पेटी में अधिक से अधिक सुझाव डालने की अपील की।

पंजाब की जनता ने 25 साल कांग्रेस को और 19 साल अकाली दल को दिए, मैं केवल 5 साल मांग रहा हूं

पंजाब पर इन पार्टियों के नेताओं ने तीन लाख करोड़ रुपए का कर्ज चढ़ाया है, हमारी सरकार बनने पर इनसे सारा पैसा वापस लेंगे : अरविंद केजरीवाल

पंजाब के 1.70 लाख करोड़ रुपए के बजट में से 34 हजार करोड़ रुपए यह नेता खा जाते हैं : अरविंद केजरीवाल

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। पंजाब दौरे पर आए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज लंबी विधानसभा के गांव खुड्डियां में एक जनसभा को संबोधित किया।

'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब पर इन पार्टियों के नेताओं ने तीन लाख करोड़ रुपए का कर्ज चढ़ाया है। हमारी सरकार बनने पर हम इनसे सारा पैसा वापस लेंगे। पंजाब के 1.70 लाख करोड़ रुपए के बजट में से 34 हजार करोड़ रुपए यह नेता खा जाते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में कांग्रेस की यह सरकार आज तक की सबसे भ्रष्ट सरकार है। यह लोग कह रहे हैं कि हर महिला को हजार-हजार रुपए देने से सरकारी खजाना खाली हो जाएगा, लेकिन जब इन्होंने हजारों करोड़ रुपए लूटे, तब सरकारी खजाना खाली नहीं हुआ? 'आप' की सरकार बनने पर यह पैसा नेताओं की जेब में नहीं, मेरी मां-बहनों की जेब में जाया करेगा। 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवल ने पंजाब के लोगों से अपील करते हुए कहा कि आपने 25 साल कांग्रेस को दिए और 19 साल अकाली दल को दिए। मैं केवल 5 साल मांग रहा हूं। पसंद नहीं आए, तो अगली बार हमें हटा देना। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने आज पंजाब के लंबी विधानसभा क्षेत्र के गांव खुड्डियां में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान यहां से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी गुरमीत सिंह खुड्डियां, 'आप' पंजाब के प्रभारी एवं सांसद भगवंत सिंह मान, सह-प्रभारी एवं विधायक राघव चड्ढा, हरपाल चीमा, बलजिंदर कौर समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। जनसभा को संबोधित करते हुए 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आजकल पंजाब में कांग्रेस की सरकार है। पहले कैप्टन साहब मुख्यमंत्री थे। कैप्टन साहब ने चुनाव में खूब झूठे-झूठे वादे किए। सबको नौकरी दूंगा, लेकिन पांच साल में एक भी आदमी को नौकरी नहीं दी। उन्होंने कहा कि बुढ़ापा पेंशन बढ़ाउंगा, लेकिन नहीं बढ़ाया। उन्होंने कहा कि कर्ज माफ करूंगा, लेकिन एक भी किसान का कर्ज माफ नहीं किया। उन्होंने स्मार्ट फोन देने को कहा, लेकिन एक भी स्मार्ट फोन नहीं दिया। जब कांग्रेस को लगने लगा कि कैप्टन साहब से तो चुनाव हार जाएंगे, तो अभी तीन महीने पहले कांग्रेस ने चन्नी साहब को मुख्यमंत्री बना दिया। अब चन्नी साहब भी नए-नए ऐलान करने चालू किए हैं। वे रोज नए-नए ऐलान करते हैं, लेकिन एक बात जरूर है कि भारत के इतिहास में इससे बड़ी नौटंकीबाज और ड्रामेबाज सरकार हमने आज तक नहीं देखा। 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चन्नी साहब ने सरकार का मजाब बना दिया है। ऐसे पंजाब का भविष्य कैसे आगे बढ़ेगा। आजकल वे चारों तरफ कह रहे हैं कि असली आम आदमी मैं हूं। केजरीवाल आम आदमी नहीं है। वे कहते हैं कि मेरे को गिल्ली डंडा खेलने आता है, केजरीवल को आता है क्या? मेरे को कंचे खेलने आता है, केजरीवाल को आता है क्या? मेरे को टैंट लगाना आता है, केजरीवाल को आता है क्या? मेरे को गाय का दूध निकालने आता है, केजरीवाल को आता है क्या? मैं पंजाब के लोगों से कहना चाहता हूं कि मेरे को गिल्ली डंडा खेलने नहीं आता है, लेकिन मेरे को आपके बच्चों के स्कूल बनवाने आते हैं। मेरे को कंचे खेलने नहीं आता, आपके परिवार का इलाज कराने के लिए अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक बनवाना आता है। मेरे को टैंट लगाने नहीं आता है, लेकिन मेरे को आपकी बिजली फ्री करनी आती है। मेरे को गाय का दूध निकालने नहीं आता है, लेकिन मेरे को आप लोगों को 24 घंटे बिजली देनी आती है। अब पंजाब को तय करना है कि उनको गिल्ली डंडा खेलने वाली सरकार चाहिए या अच्छे स्कूल और अस्पताल बनाने वाली सरकार चाहिए। 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी एक सर्कस बन गई है। सिद्धू साहब की चन्नी साहब से नहीं बनती है। चन्नी साहब की जाखड़ साबह से नहीं बनती है। जाखड़ साहब की प्रताप बाजवा से नहीं बनती, प्रताप बाजवा की फतेज चंद बाजवा से नहीं बनती है। इस तरह सारे आपस में लड़ रहे हैं। कैबिनेट बैठक में इनके बीच गुत्थमगुत्था हो जाती है और मुक्के चलते हैं।

ऐसे कैसे सरकार चलेगी। कांग्रेस की यह सरकार, पंजाब की आज तक की सबसे भ्रष्ट सरकार है। इनको पता है कि अब ये जाने वाले हैं। उपर से लेकर नीचे तक सारे कमाने में लगे हुए हैं। जाते-जाते जितना कमाना है, सारे कमा लो। मुख्यमंत्री चन्नी साहब के हल्के के अंदर रेता चोरी हो रहा है। ऐसा हो सकता है कि मुख्यमंत्री को पता नहीं हो। अगर मुख्यमंत्री के हल्के रेता चोरी हो रही है, तो इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री रेता चोरी करवा रहा होगा। कुछ न कुछ उसके पास भी जाता होगा। उपर से लेकर नीचे तक इनके विधायक और मंत्री सब चोरी करने में लगे हुए हैं।

एक नज़र

बैंक की नौकरी छोड़ बनाई कोआपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटी फिर निवेशकों से 2.6 करोड़ ठगे, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी) द्वारका सेक्टर 6 व 14 में कोआपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी बनाने का झांसा देकर फ्लैट दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक बिल्डर को दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। 12 निवेशकों ने बिल्डर पर 2.6 करोड़ रुपये ठगी करने की शिकायत की थी। जिस पर जांच के बाद 2 मई 2019 को पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था। एडिशनल पुलिस कमिश्नर आरके सिंह के मुताबिक गिरफ्तार किए गए बिल्डर का नाम विक्रम सरीन है।

वह विकास पुरी का रहने वाला है। इसके पिता सेना में अधिकारी थे। इसने बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक) व एमबीए किया हुआ है। वह पहले सिटी बैंक में नौकरी करता था। 2011 में उसने नौकरी छोड़ दी और 2014 में मैसर्स इरम्या डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से कंस्ट्रक्शन कंपनी बना ली थी। देशराज यादव समेत 12 पीड़ित ने मैसर्स इरम्या डेवलपर्स प्रा. लिमिटेड के निदेशक विक्रम सरीन के खिलाफ शिकायत कर आरोप लगाया था कि उसने सेक्टर-14, द्वारका में इरम्या हाइट्स नामक आवासीय परियोजना शुरू करने व उसमें निवेश के लिए उन्हें प्रेरित किया था।

निदेशक ने बुकिंग के तीन साल के भीतर फ्लैट का कब्जा देने का वादा किया था। जिसपर 12 लोगों ने 2.6 करोड़ रुपये निवेश किए थे। बाद में यह पाया गया कि डीडीए द्वारा उक्त कंपनी को सीजीएचएस सोसाइटी के लिए कोई भूमि आवंटित नहीं की थी। मैसर्स इरम्या डेवलपर्स को कोई प्लॉट आवंटित नहीं किया गया था। आरोपित ने अपने आसपास रहने वाले लोगों को फ्लैट दिलाने का झांसा देकर उन्हें निवेश करने को कहा था। ठगी की गई राशि नकद के साथ-साथ बैंकिंग चैनलों के माध्यम से प्राप्त की गई थी।

डीसीपी राजीव रंजन, एसीपी नगीन कौशिक के नेतृत्व में एसआई विजय कसाना, शिवदेव सिंह और सिपाही राजपाल की टीम ने 14 दिसंबर को विक्रम सरीन को गिरफ्तार कर लिया।

गोविंदपुरी इलाके में ठेकेदार को तमंचा दिखाकर 45 हजार रुपये लूटे

नई दिल्ली (एजेंसी) दक्षिण पूर्वी जिले के गोविंदपुरी थाना क्षेत्र में एक ठेकेदार से दो बदमाशों ने 45 हजार रुपये लूट लिए। आरोपितों ने ओखला एस्टेट मार्ग पर दिन के 11 बजे पीछे से तमंचा लगाकर लूट को अंजाम दिया। पीड़ित पंजाब नेशनल बैंक से रुपये निकालकर घर जा रहा था। घटना के बाद पीड़ित ने स्थानीय गोविंदपुरी थाने को मामले की शिकायत दी है। राजेंद्र यादव तुगलकाबाद गांव में रहते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी बीमार थीं।

पिछले दिनों से काम बंद होने के कारण वे बुधवार को बैंक से रुपये निकालने के लिए आए थे। उन्होने बैंक से 45 हजार रुपये निकाले। इस दौरान बैंक में ही खड़े दो युवकों ने उनसे पर्ची भरने के लिए पेन मांगा, लेकिन बैंक में कोई लेनदेन नहीं किया। इस दौरान युवकों ने उन्हें जेब में रुपये रखते देख लिया। उन्होंने बताया कि 11 बजे वे जैसे ही ओखला एस्टेट मार्ग पर पहुंचे, एक युवक ने उनके पीछे तमंचा सटा दिया और एक ने उनके मुंह पर रूमाल रख कर रुपये निकाल लिए।

उधर, दोपहर में ही गोविंदपुरी स्थित पंजाब नेशनल बैंक में ही एक बुजुर्ग महिला से दो बदमाशों ने टप्पेबाजी कर साढ़े आठ हजार रुपये ठग लिए। पीड़िता ने मामले की शिकायत गोविंदपुरी पुलिस को दी है। वहीं, बुराड़ी फ्लाईओर के पास मंगलवार देर रात बाइक सवार युवक मिक्सर ट्रक में घुस गया। मिक्सर ट्रक बैक हो रहा था। अंधेरा होने के कारण बाइक सवार ट्रक को देख नहीं पाया और हादसे का शिकार हो गया। घटना के बाद बाइक सवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मिक्सर ट्रक को कब्जे में लेकर चालक राम प्रकाश को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से हादसे के सही कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। महेंद्र कुमार नरेला के टिकरी खुर्द में रहते थे। परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटे व एक बेटी है। महेंद्र खुद की कैब चलाते थे। मंगलवार को तिमारपुर में उनके किसी रिश्तेदार के यहां शादी थी। शादी समारोह से महेंद्र अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे बुराड़ी फ्लाईओवर के पास पहुंचे, वहां फ्लाईओवर से एक मिक्सर ट्रक बैक हो रहा था।

दिल्ली में फिल्मी स्टाइल में चोरी का हैरान कर देने वाला मामला, पत्नियां करती हैं घरों में रेकी

नई दिल्ली (एजेंसी) पुरानी फिल्मों में अक्सर देखने को मिलता था बदमाश चोरी के माल को घर की रसोई में छुपा देते थे। आज भी बदमाश उसी पुराने ढें पर चल रहे हैं। स्पेशल स्टाफ की टीम जब सीमापुरी की झुग्गियों में बदमाशों को उनके घर से पकड़ने गई तो उनके होश उड़ गए। किसी बदमाश की घर की रसोई में रखे डिब्बे में पिस्टल निकली तो किसी ने सब्जी के टोकरी में गहनों को छुपा रखा था।

जिला उपायुक्त आर सत्यसुंदरम ने बताया कि बदमाशों ने दीवारों में जगह-जगह छेद करके गहने छुपाए हुए थे। पुलिस ने जिस भी कोने में हाथ डाला, वहां से चोरी का कोई न कोई गहना बरामद हुआ ही। जिला उपायुक्त आर सत्यसुंदरम ने बताया कि तीनों बदमाशों ने ईमानदारी से चोरी के गहनों का बंटवारा करने के लिए एक वजन करने वाली मशीन भी खरीदी हुई थी, वारदात के बाद चोरी के माल का पहले वजन किया जाता उसके बाद गहनों को बराबर-बराबर बांट लेते थे।

पुलिस को जांच में पता चला कि बदमाश शाइन और सहादत की पत्नी पाश कालोनियों में घरेलू सहायिका का काम करती हैं। जहां नौकरी करती हैं, उसके आसपास के घरों की रेकी करती हैं। रेकी करके अपने पतियों को बताती थीं कि कौन सा घर कब से बंद पड़ा है। महिलाओं द्वारा घर चिह्नित करने पर उनके पति वहां चोरी की वारदात करते थे। चोरी के बाद महिला उस इलाके में काम करना बंद कर देती थीं। बदमाश चोरी के काफी गहने अपनी पत्नियों को भी पहनाकर रखते थे।

रोहिणी कोर्ट ब्लास्ट अपडेट- 600 वाहनों के मालिकों की पहचान कर की गई पूछताछ मगर पुलिस के हाथ अब तक खाली

नई दिल्ली (एजेंसी) रोहिणी कोर्ट में हुए बम धमाके के मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल तमाम पहलुओं पर जांच में जुटी हुई है, लेकिन सात दिन बाद भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। सीसीटीवी फुटेज खंगालने का काम लगभग पूरा हो चुका है। फुटेज के आधार पर घटना वाले दिन कोर्ट परिसर में संदिग्ध दिखने वाले 25 से ज्यादा लोगों की पहचान कर सेल की टीम उनसे गहन पूछताछ कर चुकी है।

अन्य संदिग्धों से पूछताछ करने का सिलसिला जारी है। सेल के सूत्रों का कहना है कि 9 दिसंबर को 100 से ज्यादा लोग कोर्ट परिसर में कंधे पर लैपटाप बैग लेकर बार-बार एक से दूसरे स्थान पर घूमते देखे गए। ऐसे लोगों को सेल अपने रोहिणी स्थित कार्यालय में बुलाकर पूछताछ कर रही है। हालांकि अब तक जितने लोगों से पूछताछ की जा चुकी है उनसे कोई सुराग नहीं मिल पाया है। अभी तक 1000 से ज्यादा कारों की भी पहचान की गई जो गेट नंबर चार और पांच से कोर्ट की पार्किंग में गई थी। रजिस्ट्रेशन नंबर से 600 कार मालिकों की पहचान कर उनसे पूछताछ की जा चुकी है। उनसे भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

अन्य कार मालिकों से पूछताछ करने का सिलसिला अभी जारी है। जैसे-जैसे समय बीत रहा है और कोई सुराग नहीं मिलने से सेल के लिए केस को सुलझा पाना उतना ही मुश्किल होता जा रहा है। बम धमाके की जांच से जुड़े एक अधिकारी का कहना है कि आरोपित की पहचान कर उसे दबोचना सेल की प्राथमिकता है। उसके बाद ही पता लग सकेगा कि बम धमाके को किसी आतंकी संगठन या गैंगस्टर ने अंजाम दिया था। जिस तरह से वारदात को अंजाम दिया गया ऐसा आतंकी संगठन ही कर सकता है।

दिल्ली की बहुचर्चित तिहाड़ जेल में गैंगवार की आहट, सीसीटीवी फुटेज में मिले अहम सबूत

नई दिल्ली (एजेंसी) शुक्रवार को तिहाड़ जेल संख्या आठ-नौ में एक कैदी पर कैंची से हुए हमले के तार अब गैंगवार से जुड़ते नजर आ रहे हैं। मामले की जांच में जुटी हरिनगर थाना पुलिस का कहना है कि

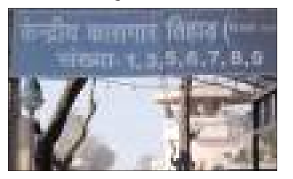

जिस योगेश नामक विचाराधीन कैदी पर हमला हुआ, उसके संबंध गोगी गिरोह के बदमाशों से रहे हैं। वहीं, जिन कैदियों ने हमला किया, उनमें कुख्यात बदमाश संदीप उर्फ ढिल्लू शामिल है।

हमले में संदीप के अलावा जो अन्य दो कैदी शामिल हैं, वे भी ढिल्लू गिरोह के सदस्य बताए जा रहे हैं। जेल परिसर में दो गिरोह के बीच हुई हुई इस झड़प के बाद न सिर्फ पुलिस बल्कि जेल प्रशासन के भी कान खड़े हो गए हैं। इस घटना के बाद जेल परिसर की सुरक्षा के साथ-साथ कैदियों को रखे जाने के व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। शुक्रवार को योगेश उर्फ टुंडा नामक कैदी पर तब हमला हुआ, जब वह अपने बैरक से स्टोर की ओर कपड़ा लेने के लिए निकला था। रास्ते में एक जगह जब वह जेलकर्मियों से बात कर रहा था, तब उस पर हमला किया गया।

आरोप है कि उस पर सोनू उर्फ हिम्मत नामक कैदी ने कैंची से वार किया। इसी बीच वहां संदीप उर्फ ढिल्लू नामक कैदी आया और उसने भी अपने पास रखी कैंची से योगेश पर वार कर दिया। योगेश के उपर हो रहे हमले में मोहित नामक कैदी भी शामिल हो गया। उसने भी योगेश पर वार किए। पुलिस का कहना है कि तीनों ढिल्लू गिरोह के सदस्य हैं। छानबीन के दौरान पुलिस को घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी हाथ लगे।

जेल प्रशासन की ओर से पुलिस को ये फुटेज उपलब्ध करा दिए गए हैं। इन फुटेज के आधार पर पुलिस इस घटनाक्रम की शुरुआत से लेकर हमला तक की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है, ताकि मामले की छानबीन में मदद मिले।

दिल्ली सरकार 10 साल पुराने डीजल के सभी वाहनों का पंजीकरण कर रही रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी) नए साल में दिल्ली सरकार 10 साल पुराने अपने यहां पंजीकृत सभी डीजल वाहनों का पंजीकरण रद्द कर देगी। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशों के अनुपालन में ऐसा किया जा रहा है। अपने यहां रजिस्ट्रेशन रद्द करने के बाद वो ऐसे वाहन मालिकों को एक एनओसी जारी कर देगी जिससे वो अपनी इस पुरानी गाड़ी को ले जाकर देश के किसी अन्य हिस्से में उसका रजिस्ट्रेशन करा पाएंगे। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए ही एनजीटी ने पहले ऐसा आदेश जारी किया था, अब सरकार को उस पर अमल करना है। इसके लिए दिल्ली सरकार की तरफ से भी पहल की गई है। हालांकि, दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा इस सप्ताह के शुरू में जारी एक आदेश के अनुसार, डीजल वाहनों के लिए कोई एनओसी जारी नहीं किया जाएगा, जिन्होंने इसके लिए आवेदन करने की तारीख को 15 साल या उससे अधिक समय पूरा कर लिया है। इससे पहले एनजीटी ने दिल्ली-एनसीआर में 10 साल पुराने डीजल वाहनों का पंजीकरण रद्द करने के अपने आदेश में संशोधन करने से इनकार कर दिया है। एनजीटी अध्यक्ष आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि उनके आदेश के खिलाफ अपील को उच्चतम

न्यायालय पहले ही खारिज कर चुका है। जो वाहन इस दायरे में आ रहे होंगे उनको सड़क से हटाना होगा या फिर वाहन स्वामी अपने इस वाहन का एनओसी लेकर उसे दूसरे प्रदेश में ले जाकर रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। पहले डीजल के वाहनों को हटाने के बाद सरकार पेट्रोल के 15 साल पुराने वाहनों का भी रजिस्ट्रेशन रद्द करने की दिशा में कदम उठाएगी। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए ये कदम उठाए जा रहे हैं। मालूम हो कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों के पंजीकरण और चलने पर प्रतिबंध से संबंधित निर्देश जारी किए हैं। जुलाई 2016 में एक आदेश में, ट्रिब्यूनल ने कहा कि 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों के पंजीकरण के लिए उनके निर्देश का प्रभावी ढंग से और बिना किसी चूक के अनुपालन किया जाएगा। परिवहन विभाग के आदेश में कहा गया है कि उन वाहनों का पंजीकरण रद्द कर रहा है जिन्होंने अपना जीवनकाल पूरा कर लिया है। इसमें कहा गया है कि 10 साल पुराने डीजल वाहनों और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों के लिए देश में कहीं भी एनओसी जारी की जा सकती है।

हालांकि, यह इस शर्त के अधीन होगा कि उन स्थानों के लिए एनओसी जारी नहीं किया जाएगा, जिन्हें राज्यों द्वारा पुन- पंजीकरण के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र के रूप में पहचाना जाता है। परिवहन विभाग के आदेश में कहा गया है कि मालिकों के पास अपने 10 साल पुराने डीजल या 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने का विकल्प भी होगा यदि वे उनका उपयोग जारी रखना चाहते हैं। उन्हें ऐसे वाहनों को विभाग द्वारा नियुक्त की गई एजेंसियों के माध्यम से पैनल में शामिल इलेक्ट्रिक किट के साथ फिर से लगाना होगा। अन्य सभी मामलों में, 10 साल से अधिक पुराने (डीजल) और 15 साल पुराने (पेट्रोल) वाहनों को स्क्रैप करने का एकमात्र सहारा होगा।

चोरी कर हवाई जहाज से होने जा रहा था फरार, दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट रुकवाकर पुलिस ने बदमाश को दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी) शाहदरा जिले के स्पेशल स्टाफ ने यमुनापार में घर में चोरी की ताबड़तोड़ वारदात करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। गिरोह का सरगना फ्लाइट से दिल्ली से बेंगलुरू फरार हो रहा था। पुलिस नेआइजीआइ एयरपोर्ट पर गो एयर की फ्लाइट को रूकवाकर कुख्यात बदमाश को दबोच लिया। बदमाश के कारण 15 मिनट की देरी से फ्लाइट उड़ पाई। पुलिस ने गिरोह के तीन बदमाशों व दो रिसीवरों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों की पहचान गिरोह सरगना शहादत खान व सुभान उर्फ सोनू, साहिन व रिसीवर विजय कुमार व जावेद अली के रूप में हुई है। शहादत खान और उसकी पत्नी बांग्लादेशी नागरिक हैं, जो देश में चोरी छीपे रह रहे हैं। इसी वर्ष 30 मार्च को जेल से आने के बाद शहादत ने अपने साथियों के साथ मिलकर 50 से अधिक चोरी वारदात को अंजाम दे चुका है। पुलिस ने इनके पास से 27 तोले सोने के गहने, डेढ़ किलो चांदी, 12 महंगी हाथ घड़ी, एक मोटरसाइकिल, स्कूटी व पिस्टल

बरामद की। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त आर सत्यसुंदरम ने बताया कि 17 नवंबर को जगतपुरी में एक शादी वाले घर में चोरी हुई थी। पुलिस ने स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर चिकास, एसआइ विनित, एएसआइ वेद प्रकाश व हेड कांस्टेबल राहुल चौधरी व अन्य की टीम बनाई। टीम ने टेक्नीकल सर्विलांस की मदद से दो सौ लोगों को चिह्नित किया, उसी दौरान पुलिस को सुभान के बारे में पता चला। पुलिस ने सीमापुरी की झुग्गियों से उसे दबोच लिया, उसके पास चोरी का काफी माल भी बरामद हुआ। उसने पुलिस को बताया कि सरगना शहादत बेंगलुरू फरार हो रहा है, पुलिस ने आइजीआइ एयरपोर्ट की पुलिस की मदद ली और शहादत की फ्लाइट के बारे में पता लगाया। फ्लाइट का पता चलने पर पुलिस ने एयरलाइंस के अधिकारियों से बात करके फ्लाइट को रूकवा लिया। स्पेशल स्टाफ की टीम भी एयरपोर्ट पर पहुंची, टीम ने बदमाश को जाल में फंसाने के लिए सामान की जांच का बहाना बनाकर एयरपोर्ट पर बदमाश के नाम की घोषणा भी करवाई। लेकिन बदमाश सामने नहीं आया। आखिर में घोषणा करवाई गई कि फ्लाइट एक मिनट में उड़ने वाली है, एकदम से बदमाश सामने आ गया और जहाज की ओर भागने लगा। पुलिस ने तभी उसे पकड़ लिया। बाद में उसके बाकी साथियों को गिरफ्तार कर लिया। शहादत के खिलाफ 18 व साहिन पर 24 केस पहले से दर्ज हैं।

17 नवंबर को जगतपुरी थाने में अशोक कुमार नाम के व्यक्ति ने अपने घर में चोरी की शिकायत दी थी। पीड़ित ने पुलिस को बताया था नवंबर में उनकी बेटी की शादी थी। वारदात वाले दिन पूरा परिवार वजीरपुर में सगाई के लिए गया हुआ था, उसी दौरान चोरों ने ताला तोड़कर घर में शादी के लिए रखे पांच लाख रुपये व गहने चोरी कर लिए। पुलिस ने बदमाशों की गिरफ्तारी से इस केस के साथ ही चोरी के अन्य 41 केस भी सुलझा लिए। बदमाशों ने 14 वारदात सीमापुरी थाना क्षेत्र में अंजाम दी हैं।

रिहायशी इलाकों में खोले जा रहे शराब के ठेकों को लेकर निगम तेज कर रहा कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी) रिहायशी इलाकों में खोले जा रहे शराब के ठेकों को लेकर निगमों की कार्रवाई तेज होती जा रही है। दो सप्ताह में उत्तरी व दक्षिणी निगम ने शराब के पांच ठेकों को सील कर दिया, जबकि 24 को नोटिस जारी किए गए हैं। पांच को सील कर दिया है।

छह को सीलिंग की कार्रवाई उत्तरी निगम ने की है, जबकि 24 नोटिस में 18 नोटिस उत्तरी निगम की आरे से दिए गए हैं और पांच नोटिस दक्षिणी निगम की ओर से दिए गए हैं। निगम लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। जहां-जहां रिहायशी क्षेत्रों में शराब के ठेके खुले हैं उनमें भवन निर्माण के नियमों की जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नोटिस देने और संतोषजनक जवाब न देने पर सीलिंग की कार्रवाई हो रही है। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के नेता सदन छैल बिहारी गोस्वामी ने बताया कि करोलबाग जोन के तहत नारायणा में शराब के ठेके से सीलिंग की जो शुरुआत की थी, उसकी संख्या अब पांच हो गई है। निगम ने सिविल लाइंस जोन में शराब के तीन ठेके सील किए हैं। जबकि एक ठेका रोहिणी जोन में

सील किया गया है। गोस्वामी ने कहा कि स्थानीय नागरिक काफी नाराज हैं। ऐसे में हमने प्रण लिया है कि रिहायशी क्षेत्रों में शराब का एक भी ठेका नियमों के विरुद्ध खुलने नहीं देंगे। इसके तहत अब तक हमने 18 को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। दक्षिणी निगम में नेता सदन इंद्रजीत सहरावत ने बताया कि हमने छह नोटिस जारी किए हैं। इसमें तीन नोटिस सेंट्रल जोन में जारी किए गए हैं, जबकि पश्चिमी जोन ने दो और दक्षिणी जोन ने एक नोटिस जारी किया है।

डॉ. रेखा चौधरी ने विश्व डिजिटल दिवस के अवसर पर अपनी पुस्तक इंडिया एन्सिएंट लेगेसी ऑफ वेलनेस को किया लॉन्च

ओपन सर्च. संवाददाता

नई दिल्ली। विश्व डिजिटल दिवस समारोह के अवसर पर विश्व डिजिटल डिटॉक्स दिवस की संस्थापक डॉ. रेखा चौधरी ने माननीय राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी जी और स्मिता जी ठाकरे की उपस्थिति में अपनी पुस्तक इंडियाज एन्सिएंट लेगेसी ऑफ वेलनेसको लॉन्च किया।

विश्व डिजिटल दिवस समारोह और पुस्तक लॉन्च के इस अवसर पर माननीय राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी जी ने डॉ. रेखा चौधरी को बधाई दी और उनके अद्वितीय कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से दुनिया भर के नागरिकों का ध्यान आकर्षित करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह पुस्तक हमें बताती है कि हम मनुष्यों के लिए प्रकृति के करीब होना कितना महत्वपूर्ण है जो हमें पुनर्जीवित करने और उत्पादक कार्य करने के लिए रिचार्ज करने में मदद करती है। डॉ. रेखा ने अपने भाषण के दौरान हमारे समाज के ज्वलंत मुद्दों में से एक की ओर इशारा किया, जो कि सोशल मीडिया और प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग है। स्वस्थ जीवन शैली और मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में डिजिटल डिटॉक्स एक आवश्यक कदम है। डॉ. रेखा का कहना है कि यह पुस्तक उनके पिता और स्वास्थ्य और शिक्षा को समर्पित है। जिसने उन्हें ऐसी अनूठी अवधारणाओं को आज दुनिया के सामने लाने के लिए उन्हें प्रेरणा दी। डॉ. रेखा (जेप फाउंडेशन) एक गैर-लाभकारी संगठन है जो दुनिया को डिजिटल डिटॉक्स देने के लिए एक आंदोलन की तैयारी में है। अपने आप को फिर से रीप्रोग्राम करने और अपनी मानव यात्रा को पुनः प्राप्त करने का समय आ गया है। यह एक एनजीओ है जो 16 वर्षों से भारत में स्वास्थ्य सेवा उद्योग में रिसर्च कर रहा है और स्वस्थ

जीवन शैली के रहस्यों की खोज के लिए आदिवासी और ग्रामीण प्रथाओं के साथ मिलकर काम कर रहा है। डॉ. रेखा का शोध विश्व स्वास्थ्य संगठन में भी प्रकाशित हो चुका है और उन्हें जॉन हॉपकिंस, हार्वर्ड और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने अपना शोध प्रकाशित करने के लिए आमंत्रित किया था। आज विश्व डिजिटल दिवस कई देशों में मनाया जाता है, भारत में वेलनेस इंडस्ट्री सदस्य जैसे परिणीता सेठी (मुख्य संपादक ग्लोबल स्पा पत्रिका), निकी कुंडी (जीइओ स्पा), सुष्मिता सारंगी (कोमर्शियल निदेशक जीवा / नीयू × नाउ) ऑनलाइन और ऑफलाइन दुनिया के बीच संतुलन बनाने के लिए काम कर रहे हैं। डॉ रेखा चौधरी ट्विटर अभियान को भी पूरे भारत में सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं द्वारा जबरदस्त सकारात्मक फीडबैक और रिस्पॉन्स मिला है। यह कैंपेन टॉप 1 ट्रेंड में चला और ट्विटर यूजर्स के बीच चर्चा का विषय बना। पुस्तक के लॉन्च के बाद माननीय भगत सिंह कोश्यारी जी द्वारा संबंधित क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले गणमान्य व्यक्तियों को पुरस्कार देकर कार्यक्रम का समापन किया गया। पुरस्कार विजेताओं में स्मिता ठाकरे, अर्चना नेवरेकर, स्मिता जयकर, कृषिका लुल्ला, अनुष्का योगा, मिस मालिनी, निशा जामवाल, विकास मित्तल, रितु दत्ता, आहना कुमरा, पीयूस जायसवाल, सिमरन आहूजा शामिल थे। डॉ रेखा चौधरी डब्लूडीडीडी समिति के सदस्यों, सभी राजदूतों को सोसाइटी में डब्लूडीडीडी आदर्श वाक्य को लागू करने में मदद करने के लिए धन्यवाद देती हैं। अर्चना नेवरेकर, अपर्णा शाह, प्रीति सिंह, नम्रता ठक्कर, पायल पोकर्ण, अर्चना जैन जैसे राजदूतों को अपने-अपने क्षेत्रों में डब्ल्यूडीडीडी समारोह आयोजित करने के लिए। डब्लूडीडीडी पहल के लिए स्मिता जी ठाकरे को उनके समर्थन के लिए विशेष धन्यवाद।

इस कार्यक्रम में मिकी मेहता और एग्नेलोराजेश ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। डॉ. रेखा चौधरी ने इस सामाजिक कार्य में मदद करने के लिए सभी को आमंत्रित किया है और अपनी पुस्तक पढ़ने के लिए कहा ताकि यह अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे और कल्याण के बारे में जागरूकता पैदा करे और कई युवा जीवन के उत्थान में मदद करे। पुस्तक की खरीद के माध्यम से उत्पन्न राजस्व का उपयोग फाउंडेशन द्वारा सामाजिक कार्यों के लिए किया जाएगा।

सम्पादकीय
ओपन सर्च

ऐतिहासिक युद्ध की जयंती पर शौर्य को नमन

16 दिसंबर 1971 शौर्य पराक्रम से भरे भारतीय सैन्य इतिहास का वो स्वर्णिम अध्याय है जब भारतीय सैन्यशक्ति ने हमशाया मुल्क पाकिस्तान को वजूद में आने के बाद मात्र 24 वर्षों में ही तकसीम करके उसके पूर्वी हिस्से को आजाद मुल्क बांग्लादेश में तब्दील करके पाकिस्तान का भूगोल बदली कर दिया था। बांग्लादेश की आवाम को पाकिस्तान से आजादी के उन लम्हों का मुद्दत से इंतजार था। आज भारत 1971 के उसी ऐतिहासिक युद्ध की 50वीं वर्षगांठ को 'स्वर्णिय जयंती' के रूप में मना रहा है। 3 दिसंबर 1971 के दिन पाकिस्तान की वायुसेना ने 'ऑपेशन चंगेज खान' के तहत भारत के 11 हवाई अड्डों पर बमबारी करके बहुत बड़ी जहालत को अंजाम दिया था। आधिकारिक तौर पर युद्ध की पूर्ण पैमाने पर शुरुआत 3 दिसंबर 1971 को हुई थी।

मगर भारत-पाक की उस खूनी जंग के हालात अचानक नहीं बने थे। दरअसल पूर्वी पाक यानी मौजूदा बांग्लादेश के लोगों ने पाकिस्तान के सैन्य हुक्मरानों के तानाशाही रवैये से तंग आकर अपनी बंगाली अस्मिता व संस्कृति की आजादी का बिगुल फूंक दिया था। पूर्वी पाक की आवाम के बगावती तेवर तथा अपनी आजादी के लिए उठाई जा रही मांग पाक हुक्मरानों को नागवार गुजरी। बांग्ला लोगों की आवाज को खामोश करने के लिए पाक सैन्य कंमाडरों ने पूर्वी पाक में 25 मार्च 1971 को ले.ज. टिक्का खान की कयादत में 'आप्रेशन सर्च लाइट' के तहत व्यापक हिंसा को अंजाम देकर लाखों निर्दोष बांग्ला लोगों का बर्बरतापूर्ण नरसंहार शुरू किया था। पाक सेना के अत्याचारों से मजबूर होकर लाखों बांग्ला लोग भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में शरण लेने को मजबूर हुए। जब भारत की मानवीय अपीलों का पाक सिपहसालारों पर कोई असर नहीं हुआ, तब बांग्लादेश के लोगों को पाक सेना के जुल्मोंसितम की इंतहा से बचाने के लिए भारतीय सेना ने 20 नवंबर 1971 की रात को पूर्वी पाकिस्तान में एक सैन्य अभियान को अंजाम दिया था। उस सैन्य आपरेशन में भारतीय सेना की '14 पंजाब' (नाभा अकाल) बटालियन तथा 45 कैवलरी के जवानों ने बेहद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

बांग्लादेश के उस सैन्य मिशन में 'गरीबपुर' का जंग-ए-मैदान हिमाचली पराक्रम का गवाह बना जब हिमाचली शूरवीर हवलदार 'लेखराज' (14 पंजाब) ने अपनी रिकॉयललेस गन के अचूक प्रहारों से गरीबपुर के रण में पाकिस्तान के 'एम 24 शैफी टैंकों' को आग की लपटों में तब्दील करके पाकिस्तानी सेना के सामने 'वीरभूमि' के शौर्य को श्रेष्ठ साबित कर दिया था। युद्धभूमि में दुश्मन के समक्ष असीम वीरता के प्रदर्शन के लिए सेना ने लेखराज को 'वीर चक्र' से सम्मानित किया था। उस युद्ध में '45 कैवलरी' के स्कवाड्रन कमांडर 'दलजीत सिंह नारंग' 'महावीर चक्र' ने अपने 'पीटी 76' टैंकों के साथ पाक लाव लश्कर को ध्वस्त करके गरीबपुर में ही शहादत को गले लगा लिया था। गरीबपुर में भारतीय सैन्य कार्रवाई ने पाक सेना का मनोबल गिराकर युद्ध की दशा व दिशा तय करके भारत की फतह की तम्हीद 22 नवंबर 1971 को ही तैयार कर दी थी। गरीबपुर युद्ध में ही भाग ले रहे पाक वायुसेना के ढाका के स्कवाड्रन कमांडर 'परवेज मेहंदी कुरैशी' को भारतीय सेना की '4 सिख' रेजिमेंट ने 22 नवंबर 1971 के दिन अपनी हिरासत में ले लिया था। परवेज मेहंदी कुरैशी 1971 की भारत-पाक जंग के प्रथम पाकिस्तानी युद्धबंदी थे जिन्हें युद्ध के बाद रिहा किया गया था। वही कुरैशी 1999 की कारगिल जंग के समय पाक वायुसेना के चीफ थे।

बेशक 1971 की भारत-पाक जंग का मुख्य केन्द्र बांग्लादेश था मगर पाकिस्तान के असकरी रणनीतिकारों ने कश्मीर को हथियाने की ख्वाहिश कभी नहीं छोड़ी तथा भारतीय सैन्य पराक्रम के आगे पाक सुल्तानों का यह अरमान कभी पूरा नहीं हुआ और न ही होगा। 5 दिसंबर 1971 की रात को पाक सेना ने अपनी एक पूरी ब्रिगेड के साथ भारत के पश्चिमी फ्रंट पर मौजूद पुंछ क्षेत्र में भयंकर हमला बोल दिया था। पुंछ के इलाके में मुस्तैद भारतीय सेना की '6 सिख' रेजिमेंट के जवानों ने पूरे सैन्य जज्बे के साथ पलटवार करके दुश्मन के उस हमले की पूरी तजवीज को नाकाम करने में अहम किरदार अदा किया था। पुंछ के महाज पर पाक सेना के मंसूबों को ध्वस्त करने वाली 6 सिख की कमान हिमाचली सपूत कर्नल (मे.ज.)'कशमीरी लाल रतन' संभाल रहे थे।

युद्धभूमि में उत्कृष्ट सैन्य नेतृत्व के लिए कर्नल रतन को सरकार ने 'महावीर चक्र' से नवाजा था। पाक सेना को उस युद्ध में धूल चटाने वाली '6 सिख' की एक कंपनी का सफलतम नेतृत्व वीरभूमि के शूरवीर कर्नल 'पंजाब सिंह' 'वीर चक्र' ने किया था। लेकिन 1971 के युद्ध में भारत के सियासी नेतृत्व की तारीफ करना भी लाजिमी है जब तत्कालीन प्रधानमंत्री 'आयरन लेडी' इंदिरा गांधी ने फौलादी जिगर दिखाकर पाकिस्तान के साथ अमेरिका व चीन के हुक्मरानों की हनक को भी आईना दिखा दिया था। आखिर 3 दिसंबर 1971 को भारत के खिलाफ जंग का आगाज करने वाली पाक सेना लड़ने के काबिल नहीं बची तथा युद्ध के मात्र 14वें दिन लाचार होकर घुटनों के बल बैठ गई। पूर्वी पाक में तैनात पाक सैन्य कमांडर 'अमीर अब्दुल्ला खान नियाजी' ने 16 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश के 'रामना रेसकोर्स गार्डन' में भारतीय सेना की पूर्वी कमान के चीफ ले. ज. 'जगजीत सिंह अरोड़ा' को अपनी पिस्तौल सौंप कर गमगीन माहौल में 93 हजार पाक सैनिकों के सरेंडर के कागजात दस्तखत करके आत्मसमर्पण कर दिया। पाक सेना के सरेंडर की तजलील भरी तस्वीरें पूरी दुनिया में चस्पां हुई।

13 दिनों में टूट गया था पाकिस्तान

रमेश शर्मा

पाकिस्तान भारत का ही हिस्सा है, उसका जन्म भारत की भूमि पर हुआ। वहां रहने वाले लोग भी भारतीय पूर्वजों के वंशज हैं। फिर भी वे लोग दिन-रात भारत के विरुद्ध विष वमन और भारत को मिटाने का दंभ भरते हैं। पाकिस्तान ऐसा देश है जो अपने जन्म के पहले दिन से नहीं बल्कि अपने गर्भ काल से भारत की धरती पर रक्तपात का षड्यंत्र कर रहा है। इन षड्यंत्रों में सबसे भीषण था 1971 का युद्ध। जो उसने भारत पर थोपा लेकिन बुरी तरह मुंह की खाई। भारत के प्रति उत्तर से मात्र 13 दिनों में वह टूट गया। यह टूटन उसके मनोबल पर भी आई और उसके भू-भाग पर भी।

1971 का यह युद्ध कुल 13 दिनों तक चला था। दुनिया के इतिहास में यह सबसे छोटा निर्णायक युद्ध माना जाता है। इसके समापन के साथ एक नये देश का उदय हुआ जो अब बांग्लादेश के नाम से जाना जाता है। बांग्लादेश के अस्तित्व की भूमिका 1947 में पाकिस्तान के निर्माण के साथ ही पड़ गयी थी। तब यह प्रक्षेत्र पाकिस्तान का हिस्सा बनकर पूर्वी पाकिस्तान कहलाया था। पर भाषा को लेकर मतभेद पहले दिन से था। सल्तनत काल में चले बलपूर्वक धर्मांतरण अभियान में यहाँ के निवासियों की पूजा उपासना पद्धति तो बदल गई थी पर भाषा के प्रति लगाव कम न हुआ था। बंगाली लोग अपनी राष्ट्रीयता बदलकर पाकिस्तानी के रूप पहचाने जाने लगे लेकिन उन्होंने अपनी मातृभाषा से लगाव न छोड़ा।

वे चाहते थे कि उनकी भाषा बांग्ला ही रहे। जबकि पाकिस्तानी शासक उनकी यह बंगाली पहचान बदलना चाहते थे। वे बलपूर्वक उर्दू और अरबी का दबाव बना रहे थे। संघर्ष यहीं से शुरू हुआ। इसको लेकर 1948 से ही आंदोलन आरंभ हो गये थे। जिसका दमन पाकिस्तान की सरकार और सेना करती रही थी। 1950 में बांग्ला भाषा के लिये एक बड़ा आंदोलन और उसके सैन्य दमन ने पूर्वी पाकिस्तान में निवासरत बंगालियों के मन में विभाजन की धारा खींच दी। यह अंतर्धारा और इसका दमन, दोनों 1968 के बाद तेज हुआ। पूर्वी पाकिस्तान में बाकायदा मुक्ति वाहिनी अस्तित्व में आ गयी और इसके नेता के रूप में शेख मुजीबुर्रहमान को जाना गया। 1970 आते-आते सैनिकों के जुर्म और बंगालियों का दमन व पलायन दोनों बढ़ गये। पाकिस्तानी

सैनिक सामूहिक जुर्म ढाने लगे। बड़ी संख्या में बंगाली लोग भारत आकर शरण लेने लगे। 25 मार्च 1971 को बांग्ला अभियान के नेता शेख मुजीबुर्रहमान को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसका भारत ने विरोध किया और मुक्ति वाहनी को नैतिक समर्थन देने की घोषणा भी कर दी। भारतीय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने आंदोलन को खुला समर्थन दिया और जो लोग भारत आ रहे थे, उन्हें भी पर्याप्त संरक्षण दिया। पाकिस्तान ने अपनी समस्या का ठीकरा भारत के सिर फोड़ना शुरू किया और दुनिया में यह प्रचार शुरू किया कि भारत अशांति फैला रहा है। इसे लेकर पाकिस्तान में भारत के खिलाफ जुलूस निकलने लगे।भारत के खिलाफ जमकर नारे लगते। ऐसे जुलूसों को सत्तारूढ़ दल के नेता संबोधित करते और भारत को मिटाने का दंभ भरते। इन तमाम कारणों से आरंभ हुये युद्ध की तिथि भले तीन दिसम्बर 1971 मानी जाती हो पर पाकिस्तान ने अपनी ओर से यह युद्ध 25 नवम्बर 1971 को ही आरंभ कर दिया था, जब लाहौर में ऐसी ही रैली को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भुट्टो ने बाकायदा युद्ध की घोषणा की और उसकी तीनों सेनाओं ने मोर्चाबंदी शुरू कर दी थी। पाकिस्तान ने जहाँ करांची बंदरगाह पर नौसेना बेड़े तैनात किये, वहीं सीमा पर फौज बढ़ा कर घुसपैठ शुरू कर दी थी। यह वही तकनीकी थी जो पाकिस्तान ने 1948 और 1965 के युद्ध के पूर्व अपनाई थी। लेकिन इस बार भारत सतर्क था भारत युद्ध तो नहीं चाहता था पर युद्ध से निबटने के लिये पूरी तरह तैयार था। भारत ने लगभग दस दिनों तक पाकिस्तान की घुसपैठ पर नजर रखी और स्वयं को मजबूत किया। दूसरी तरफ पाकिस्तान को लगा कि उसकी घुसपैठ सफल हो रही है। इससे उत्साहित होकर उसने 02 और 03 दिसम्बर 1971 की रात भारत पर हवाई हमला बोल दिया। पाकिस्तान की वायुसेना ने एक साथ एक रात में भारत के कुल 11 स्थानों पर बम गिराये। यह बम उसने केवल सीमावर्ती क्षेत्रों में ही नहीं बल्कि भारत की सीमा में 480 किमी तक निशाना साधा। पाकिस्तान ने इस अभियान का नाम ष्ऑपरेशन चंगेजष् दिया था और इसमें उसके 41 युद्धक विमानों ने हिस्सा लिया। इस बमबारी से पूरा भारत सकते में आ गया। 03 दिसम्बर को भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने राष्ट्र के नाम संदेश दिया और सेना को आदेश दिया कि वह पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे। भारतीय सेना ने तब तीनों प्रकार की रणनीति अपनाई। जल, थल और हवाई युद्ध की। भारतीय थल सेना जहाँ पूर्वी पाकिस्तान के हिस्से में घुसकर वहां संघर्षरत बंगलादेश मुक्ति वाहिनी की खुली मदद करने लगी, वहीं नौसेना की पनडुब्बी ने बंगाल की खाड़ी में तैनात पाकिस्तान के उस एयरबेस को उड़ा दिया, जिससे पाकिस्तान के युद्धक विमान उड़ान भर रहे थे। तीसरे, वायुसेना ने पाकिस्तान के उन मिलिट्री कैंपों पर भी धावा बोला जो उसकी थल सेना के आश्रय स्थल थे। यह सब काम केवल आरंभिक चार दिनों में हो गया। 09 दिसम्बर से पाकिस्तान की फौज डिफेन्स में आई।

10 दिसम्बर को भारत ने उसका सैन्य संचार तंत्र बिखेर दिया। हालत यह हुई कि पाकिस्तान के किस कैंप में कितनी सेना है, उसकी हालत क्या है, वह जीवित भी है या नहीं, यह सब सूचनाएं बंद हो गयीं। पाकिस्तान की सेना का सारा ताना-बाना बिखर गया। भारतीय फौज ने 14 दिसम्बर को ढाका पर कब्जा कर लिया और 15 दिसम्बर को पूर्वी पाकिस्तान में तैनात पाकिस्तानी सैनिक या तो बर्मा भाग गये या सरेंडर कर जान की भीख मांगने लगे। 15 दिसम्बर को भारत ने ढाका पर आधिपत्य की अधिकृत घोषणा की। इसी के साथ वहां तैनात पाकिस्तानी कमांडर ने फौज के आत्मसमर्पण का प्रस्ताव दिया, जिसे 16 दिसम्बर को मानते हुए भारत ने अपनी ओर से युद्ध विराम की घोषणा कर दी।

युद्ध की मुख्य बातें - युद्ध में पाकिस्तान के कुल 97368 युद्ध बंदी बनाये गये, इसमें 91 हजार वर्दीधारी सैनिक, दो हजार अर्धसैनिक और चार हजार अन्य सहयोगी थे। - युद्ध में 3843 भारतीय सैनिक शहीद हुए जबकि पाकिस्तान के 09 हजार सैनिक मारे गये। - युद्ध में भारतीय वायुसेना ने कुल 5878 उड़ानें भरीं, इसमें 4000 लगभग पश्चिमी मोर्चे और बाकी पूर्वी मोर्चा पर थी। - 2 जुलाई 1972 को शिमला समझौता हुआ, जिसके तहत भारत ने पाकिस्तानी युद्धबंदी लौटाये और जीती हुई जमीन भी वापस कर दी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

भगत सिंह की जमीं गाँधी की रीत सांझी जीत

पंडित संदीप

किसान आंदोलन ऐसा इतिहास लिख लौट रहा है, जो सदियों तक याद किया जाएगा। इस अहिंसा के अभूतपूर्व हलधर यज्ञ में जहाँ गाँधी की रीत जीती, वही प्रतिदिन हंसते-हंसते मौत को गले लगाने वाले किसानों की कतार की ललकार भी जीती। जान की बाजी लगा हर रोज एक नई चिता सजा दिल्ली को घेर दिल्ली को हरा भगत सिंह की जमीं के लाल लौट रहे हैं तो मानो पूरा पंजाब सड़कों पर उमड़ आया है। हर कली फूल बनने को तड़प साहस के सूरमाओं पर निसार होने को बेताब नजर आ रही है।

महात्मा की शिक्षा को हथियार बना हलबाजों ने जुमलेबाजों को मजबूर कर तीनों काले कानून वापस करने को विवश कर दुनिया में जीत का डंका बजा दिया। माफी मांगी साहेब ने, सरकार ने कानून वापिस लिए, संसद ने मुहर लगाई, किसानों ने आंदोलन यज्ञ पूर्ण किया। इस पूरे आंदोलन में भाईचारे की मिसाल थी तो सेवा की मशाल भी अनावरत जलती रही। हर उम्र, हर जाति, भांति-भांति के लोग लोग घरों को छोड़ सीमा पर आ डटे और तभी हटे जब अहंकार का पहाड़ चकनाचूर हो गया, धराशाई हो गया। इस दुनिया के सबसे महानतम युद्ध में से एक में तन मन धन सर्वस्व कुर्बान करने वालों का हुजूम सदा सर्वदा अंतिम सांस तक बना रहा। समय दानियों ने घर की चौखट छोड़ धरना स्थल को आंगन बना लिया, तो धन दानियों ने भोजन पानी सुविधा के लिए खजाने लुटा दिए, तो वही प्राणदानियों ने हर दिन बारी बारी चिता के लपटों में खुद को झोंक जीत की ज्वाला को ज़िंदा रखा। गायकों की टोली ने सुरों से स्वरांजलि की सभाएं लगाई तो सामाजिक कार्यकर्ताओं ने समाज को समेट एकजुट कर संदेश दिया कि किसान हैं तो देश है। संयुक्त किसान मोर्चा के विशाल बैनर तले सजे संवरे बढ़े इस महायुद्ध में जुटे किसान नेताओं का रणकौशल, योजना, संयम, संघर्ष की तत्परता, शब्दों की सरलता, साहस की दहाड़, शौर्य की पुकार प्रचंड बहुमत के दम पर दमन करने को उतारू सरकार से माफी मंगवा वह करा लिया जो सरकार का अहंकार उसे करने नहीं दे रहा था।

इस जीत में जीता सिर्फ किसान ही नहीं है उम्मीद भी जीती, भरोसा भी जीता है एकता भाईचारा सहयोग समर्थन ललकार भी जीता है। इस आंदोलन ने उनको भी हराया जिन्होंने किसानों का अपमान पानी पी कर किया। आंदोलन जीवी, आतंकी, पाकिस्तानी, खालिस्तानी, मवाली, मुफ्तखोर और न जाने क्या क्या कहा? हठ और हल के इस शांति युद्ध में मौके ऐसे भी आये जब किसानों पर हमले हुए, लाठियों ने सिर को फोड़ा, हड्डियों को तोड़ा, घरों को आग के हवाले भी किया सर्द रातों में पानी की बौछारो से भिगोया गया। आँसुओं का सैलाब भी बहा और अश्कों की धार ने संघर्ष को नई जिंदगी भी दी और इतनी लम्बी उम्र दी कि ये आन्दोलन किसान क्रान्ति के नाम से आने वाले तमाम आदोलनों की दिशा दशा तय करेगा।

देशभर के किसानों की एकता, देश का किसानों के प्रति प्यार, महात्मा के आत्मा की पुकार, भगत सिंह के सर्वस्व निछावर की प्रेरणा, यह जीत सांझी है यह जीत सब की है। यह जीत देश की है, यह जीत उस रीत की है जिसे गाँधी की राह कहते हैं, यह जीत उस इंकलाब की है जिसे भगत सिंह की चाह कहते हैं। धरतीपुत्र आखिर वोट पुत्रों को हरा खेत खलिहानो को लौट रहे हैं स्वागत नहीं करोगे क्या?

जीवन में संतुलन और विश्वास

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

इस दुनिया में आज लगभग 7 अरब से ज्यादा लोग रहते हैं। इनमें से अधिकतर लोग इस भौतिक संसार की इच्छाओं को पूरा करते हुए अपने आत्मिक पहलू की ओर ध्यान दिए बगैर ही अपना जीवन गुज़ार देते हैं। कुछ ही लोग हैं जो ज़िंदगी के असली उद्देश्य तलाशते हैं। वे एक ऐसे रास्ते की खोज करते हैं जिससे कि वे अपने जीवन का उद्देश्य और पिता-परमेश्वर के साथ अपने संबंध के बारे में जान सकें। जब हम ऐसे लोगां को देखते हैं जो पिता-परमेश्वर को जानना चाहते हैं तो जिन लोगों का ध्यान दुनिया पर केन्द्रित होता है, उन्हें ऐसा लगता है कि वे अपने ही समाज और संस्कृति से दूर हो रहे हैं।

जबकि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। ऐसे लोग सिर्फ अपने जीवन के ध्येय के प्रति पूरी तरह समर्पित होते हैं। जो लोग परमात्मा की तलाश में हैं, उनमें से कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो परमात्मा की खोज तो बड़े ही जोश और जज़्बे के साथ शुरू करते हैं लेकिन धीरे-धीरे उनकी दिलचस्पी कम हो जाती है और वह अपने लक्ष्य तक पहुँच नहीं पाते। अगर हम अपने जीवन पर एक नज़र डालकर देखें तो हम हमेशा अपना जीवन यह सोचकर व्यतीत करते हैं कि दूसरे व्यक्ति हमारे बारे में क्या सोचते हैं या वे हमारी बातों और हमारे कार्यों को किस प्रकार समझते हैं? हम अपना जीवन दूसरों के नज़रिये को ध्यान में रखकर जीते हैं। इसके अलावा हम दूसरों की निंदा भी करते हैं। हमारी ओर से की गई आलोचना, हमारी तरफ और ज्यादा आलोचना लेकर आती है और हमारी और से की गई प्रशंसा हमारी तरफ और अधिक प्रशंसा लेकर आती है। अंत में हम पाते हैं कि इस तरह का जीवन व्यतीत कर हम कुछ भी हासिल नहीं कर पाते।

इसके बजाय हमें एक संतुलित जीवन जीना चाहिए। हमें एक ऐसा जीवन जीने की ज़रूरत है जिसमें हम दूसरों के प्रति सदैव अच्छाई ही दर्शाएं। हमें ऐसा जीवन जीने की ज़रूरत है जिसमें पिता-परमेश्वर पर हमारा विश्वास इतना मजबूत हो कि कोई भी हमारी आस्था को तोड़ न सके। हमें एक ऐसी ज़िंदगी जीनी है जिसमें कि हम किसी से भयभीत न हों। हमारे अंदर इतना विश्वास होना चाहिए कि पिता-परमेश्वर सदा हमारे साथ हैं और वे हमेशा हमारी संभाल कर रहे हैं। हमें ऐसा जीवन जीना चाहिए जिसमें हम सबको एक नज़रिये से देखें, फिर चाहे बाहरी तौर पर वे हमें सोने की तरह लगें या लोहे की तरह दिखें।

किसान आंदोलन तो खत्म हो गया अब कैसे नेतागिरी करेंगे राकेश टिकैत ?

अजय कुमार

नए कृषि कानून के खिलाफ किसान आंदोलन खत्म हो गया है। इस आंदोलन के माध्यम से राकेश टिकैत ने यह साबित कर दिया है कि वह भी अपने पिता चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की तरह बड़ा आंदोलन चलाने की काबिलियत रखते हैं। पिता महेंद्र सिंह टिकैत अपनी जिद्द के बल पर किसी भी सरकार को बैकफुट पर खड़ा कर दिया करते थे।

नया कृषि कानून वापस हो गया है, इससे किसे फायदा होगा, किसको नुकसान, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि साल भर से अधिक समय तक चले आंदोलन में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले। आंदोलनकारियों में जहां सत्ता पक्ष के प्रति तल्खी दिखाई दी तो विपक्ष ने भी खूब सियासी रोटियां सेंकी। मोदी सरकार ने भी आंदोलन खत्म करने के लिए कई हथकंडे अपनाए। कई महीने तक तो किसान नेताओं और सरकार के बीच किसी तरह का कोई संवाद ही नहीं हुआ। आंदोलनकारियों पर आरोप लगा कि उन्हें विदेश से फंडिंग की जा रही है, खालिस्तान की मांग करते लोग भी यहां दिखाई दिए। 26 जनवरी को लाल किले पर जो हुआ उसे भी कोई याद रखना नहीं चाहेगा। वह घटना किसान आंदोलन पर एक बदनुमा दाग था। आंदोलन के विस्तार की बात की जाए तो यह आंदोलन कभी पूरे देश के किसानों का आंदोलन नहीं बन पाया। पंजाब, हरियाणा में आंदोलन का जबरदस्त प्रभाव देखने को मिला तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ जिले ही आंदोलन से प्रभावित हुए। किसान नेता राकेश टिकैत की लखनऊ में डेरा डालने की हसरतें पूरी नहीं हो पाई। आंदोलन खत्म जरूर हो गया है, मगर किसानों की कुछ मांगें बाकी हैं, जिसमें एमएसपी की मांग प्रमुख है। जिस पर सरकार और किसान नेताओं के बीच बातचीत जारी रहेगी खैर अंत भला तो सब भला। आंदोलन के दौरान भले ही सरकार और आंदोलनकारियों के बीच के कई विवाद देखने को मिले हों लेकिन आंदोलन का समापन बहुत खूबसूरत तरीके से हुआ।

किसान नेता, मोदी सरकार के खिलाफ किसी तरह की कोई रार लेकर नहीं गए हैं। बात राकेश टिकैत की की जाए तो वह अब मोदी सरकार का गुणगान कर रहे हैं। वह आंदोलन खत्म होने को ना अपनी जीत मान रहे हैं, ना भारत सरकार की हार। टिकैत ने कह दिया है कि उनका चुनाव से कोई वास्ता नहीं है। वह पश्चिमी यूपी में सौहार्द का वातावरण बनाने की भी कोशिश कर रहे हैं। टिकैत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मिलकर किसानों की समस्या पर चर्चा करना चाहते हैं, जिसे लोकतंत्र में किसी तरह से गलत नहीं कहा जा सकता है। किसान देश की रीढ़ की हैं। हाँ, टिकैत को इस बात का दुख जरूर है कि यूपी के किसान पंजाब और हरियाणा के किसानों की तरह आंदोलन चलाने की कुव्वत नहीं रखते हैं। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने अपना आगे का प्लान भी सेट कर दिया है। उनका पूरा जोर किसानों की समस्याएं सुलझाने पर रहेगा। साल भर से अधिक समय तक चले आंदोलन के खत्म होने के बाद कैराना में हुई किसान महापंचायत में भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कहा कि 13 महीने के आंदोलन के बाद किसानों की बड़ी जीत हुई है। हमने भारत सरकार को नहीं हराया है। हमने अपने पंचों के समझौते को स्वीकार किया है। इस आंदोलन में ना कोई हारा और ना ही कोई जीता। उन्होंने कहा कि सरकार समझौते को लागू करने के लिए काम करे। हमें पंजाब के किसानों से व्यवस्थित आंदोलन करने की सीख लेनी चाहिए। कैराना में पानीपत बाईपास पर हुई भाकियू की महापंचायत में जब सभा स्थल कैराना को बनाने को लेकर लोगों ने सवाल खड़े किए तो टिकैत ने कहा कि इसका जवाब है कि कैराना की सीमा हरियाणा से लगी हुई है।

बड़ी संख्या में किसानों से सस्ती दर पर धान-अनाज आदि खरीदकर गलत तरीके से यहीं से हरियाणा ले जाया जाता है। हम 50 कुंतल धान नहीं बेच सकते, लेकिन व्यापारी 25 से 30 हजार कुंतल बेचता है। एमएसपी की लड़ाई जारी रहेगी। इस आंदोलन ने किसानों की एकता मजबूत की। अलग-अलग भाषा और क्षेत्र के किसान साथ रहे। एक-दूसरे के विचार भी साझा किए गए। यहां भी उद्योग लगें ताकि विकास हो और रोजगार मिले।

हरियाणा के किसान 35 रुपये प्रति हार्सपावर से बिल अदा करते हैं और उत्तर प्रदेश में 175 रुपये देना पड़ता है। बिजली के दाम हरियाणा के बराबर किए जाएं। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ हरियाणा के मुख्यमंत्री से कमजोर नहीं हैं। हम दोनों में प्रतिस्पर्धा कराएंगे और लखनऊ जाकर बात करेंगे। दोनों प्रदेशों में भाजपा की सरकार है। चार हजार करोड़ रुपये गन्ना भुगतान बकाया है। यहां पर गन्ने का दाम भी कम है। किसानों पर दर्ज मुकदमों के संबंध में भी बात की जाएगी। एनजीटी के नाम पर दस साल पुराने ट्रैक्टर बंद कराने के मुद्दों पर भी बात करेंगे। उन्होंने कहा कि कैराना में पलायन की कोई बात नहीं है। अगर है तो यह सिर्फ सरकारी प्लान है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी के बहकावे में नहीं आएं और मेल-जोल के साथ रहें। हमें चुनाव से कुछ लेना देना नहीं है। सरकार के काम के हिसाब से जनता अपने आप सोचेगी। आचार संहिता लगने में अभी कुछ समय है। सरकार किसानों समेत सभी के हित में योजना बनाए। बहरहाल, किसान आंदोलन का खत्म होना जहां बीजेपी और मोदी-योगी के लिए राहत लेकर आया, वहीं विपक्ष को इससे करारा झटका लगा है जो किसानों को लुभाने के लिए इसे उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में बड़ा मुद्दा बनाना चाह रहा था।

यदि यूपी के विधानसभा चुनाव में राकेश टिकैत ने किसी के पक्ष या खिलाफ वोट देने की अपील किसान वोटरों से नहीं की तो इसका नुकसान रालोद-सपा गठबंधन को हो सकता है। टिकैत की बातों से लग रहा है कि वह सियासी बयान देने से परहेज करेंगे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

एक नज़र

लुधियाना में फैक्ट्री से चोरी लाखों के सामान समेत एक गिरफ्तार, दूसरे की तलाश

लुधियाना (एजेंसी) जसपाल बांगड़ की एक फैक्ट्री से लाखों का सामान चोरी करने के आरोप में थाना साहनेवाल पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार किया है जबकि दूसरे साथी की पुलिस को तलाश है। दोनों के खिलाफ केस दर्ज करके पकड़े गए आरोपित को वीरवार अदालत में पेश किया गया। जहां से दो दिन का रिमांड हासिल करके कड़ी पूछताछ की जा रही है। एएसआइ हरपाल सिंह ने बताया कि उसकी पहचान ग्यासपुरा के सतगुरु नगर निवासी हरजिंदर सिंह के रूप में हुई। उसका दूसरी साथी मिलान है।

पुलिस को बुधवार दोपहर बाद गुप्त सूचना मिली थी कि दोनों आरोपितों ने 12 दिसंबर की शाम 7 बजे गांव जसपाल बांगड़ की बाबा गरजा सिंह कालोनी इलाके में स्थित नहेल स्टील प्राइवेट लिमिटेड में घुस कर वहां से लोहे के एंगल, सरिए के टुकड़े तथा लोहे का स्क्रैप चोरी किया है। चोरी के उक्त सामान को उन लोगों ने एक वीरान प्लाट में उघी घास के बीच में छिपा कर रखा है। सूचना के आधार पर वहां दबिश देकर हरजिंदर सिंह को काबू कर लिया गया। वहां से चोरी का सामान भी कब्जे में ले लिया गया।

हरपाल सिंह ने कहा कि उसके दूसरे साथी की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्दी ही उसे भी काबू कर लिया जाएगा। दोनों का पुराना रिकार्ड भी चेक किया जा रहा है। आरोपित से की जा रही पूछताछ में अहम खुलासे होने की संभावना है।

चंडीगढ़ क्राइम : पुलिस ने 131 ग्राम हेरोइन सहित तस्कर पकड़ा, सट्टा लगाने वाले आरोपित से 51 हजार कैश बरामद

चंडीगढ़ (एजेंसी) शहर में निमग चुनाव को लेकर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से शहर में गतिविधियां बढ़ा दी है। ऐसे में शहर के हर गली चौहरे पर पुलिस की नाकाबंदी के साथ पुलिस जवान पेट्रोलिंग और फ्लैग मार्च निकाल रहे हैं। पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के चलते अपराधी और नशा तस्कर भी पुलिस के हत्थे चढ़ रहे हैं। ऐसे में पुलिस की परेशन सेल की टीम ने सेक्टर-49 के एनिमल पार्क के पास एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपित से पुलिस को 131 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है।

आरोपित को पुलिस ने शक के आधार पर पकड़ा जिससे नशा बरामद हुआ। आरोपित सेक्टर 63 का रहने वाला जगमीत सिंह बराड़ है। तलाशी के दौरान उसके पास 131 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। आपरेशन सेल ने हेरोइन को जब्त कर जगमीत के खिलाफ सेक्टर 49 पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करवाया है। रामदरबार मे सट्टे का अवैध कारोबार करने वाले सट्टेबाज को डिस्ट्रिक्ट क्राइल सेल की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपित की तलाशी के दौरान सट्टेबाज के पास 51 हजार 250 रुपये बरामद हुए हैं। आरोपित की पहचान सेक्टर 32 निवासी संजय बंसल के रूप में हुई।

जांच में सामने आया कि रामदरबार में बूथों में कुछ लोग सट्टे का अवैध कारोबार कर रहे हैं। डिस्ट्रिक्ट क्राइम सेल की टीम ने राशि जब्त कर सट्टेबाज संजय बंसल के खिलाफ सेक्टर 31 पुलिस सटेशन में गैबलिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज करवाया है। थाने में कानूनी कार्रवाई के बाद आरोपित को जमानत पर छोड़ा गया। डिस्ट्रिक्ट क्राइम सेल के डीएसपी दविंदर शर्मा के नेतृत्व में बनाई इंस्पेक्टर नरेंद्र पटियाल की टीम को सूचना मिली कि रामदरबार के तू ही तू मंदिर के पास एक सट्टेबाज लोगों का सट्टा लगवा रहा है।

पानीपत मर्डर : तो इस वजह से हारट्रोन सेंटर मालिक की कर दी हत्या, सिर और पीठ पर मारी गोलियां

पानीपत (एजेंसी) हादसे के केस में समझौता नहीं करने पर आरोपित ने बुधवार को दिनदहाड़े परमहंस कुटिया के पास रहने वाले हारट्रोन सेंटर के मालिक विनोद भराड़ा की हत्या कर दी। कमरे की अंदर कुंडी लगाई, फिर भराड़ा के सिर और पीठ में दो गोलियां दाग दीं। इसके बाद आरोपित दरवाजा खोलकर भागने लगा तो मृतक के भाई ने टांग मारकर उसे गिरा दिया। आक्रोशित लोगों ने उसे खंभे से रस्सी से बांधकर पीटा और फिर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने उससे पिस्तौल और तीन कारतूस बरामद किए हैं। विनोद भराड़ा ने कुछ दिन पहले ही पुलिस से सुरक्षा मांगी थी।

घटना बुधवार दोपहर करीब 12 बजे की है। बाद में हत्यारा कहता रहा, मैंने अपना काम कर दिया है। मुझे भी गोली मार दो। परमहंस कुटिया के पास रहने वाले वीरेंद्र कुमार भराड़ा ने पुलिस को शिकायत दी कि उनका भतीजा 46 वर्षीय विनोद भराड़ा पड़ोस में रहता था। सुखदेव नगर में हारट्रोन कंप्यूटर सेंटर चलाता था। पांच अक्टूबर 2021 को एक व्यक्ति ने पिकअप बोलेरो से भराड़ा को टक्कर मार दी थी। तब वह बाहर सीढियों पर बैठे थे। इस हादसे में दोनों टांगों के घुटने से नीचे हड्डी टूट गई। दायीं टांग कटकर अलग हो गई। दिल्ली के अस्पताल में इलाज चल रहा था। पुलिस ने आरोपित चालक पंजाब के जिला बठिंडा के बलराज नगर के देव सुनार उर्फ दीपक को गिरफ्तार किया था। वह जमानत पर छूटकर आ गया था।

आरोपित देव 10 से 15 दिन पहले उनके पास आया। केस वापस लेने के लिए दबाव बना रहा था। विनोद से मिलने के लिए कह रहा था। उन्होंने मना कर दिया। आरोपित जान से मारने की धमकी देकर चला गया था। वह गली में खड़ा था। तभी पिस्तौल लिए देव, विनोद के घर में कमरे में घुसा और अंदर से दरवाजे की कुंडी लगा ली। रसोई में खाना बना रही विनोद की पत्नी निधि ने शोर मचा दिया। उन्होंने दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपित ने दरवाजा नहीं खोला। खिड़की से देखा तो बेड से नीचे गिराकर विनोद के सिर और कमर में पिस्तौल से दो गोलियां मारीं। हत्यारा दरवाजा खोलकर भागने लगा तो उन्होंने बेटे यश, निधि व पड़ोसी मिक्की की मदद से उसे पिस्तौल व तीन कारतूस सहित पकड़ा। इसके बाद पुलिस को सौंप दिया। एसपी शशांक कुमार सावन, डीएसपी सिटी वीरेंद्र सैनी ने मौके का निरीक्षण किया।

रोहतक में ठग ने बच्चे की फीस जमा करने के नाम पर मांगा खाते से जुड़ा नंबर, उड़ा दी रकम

रोहतक (एजेंसी) शहर के एक निजी स्कूल में बच्चे की आनलाइन फीस जमा कराने का झांसा देकर ठग ने खाते से ही रकम उड़ा दी। इसके अलावा दूसरे मामले में ठग ने बैंक अधिकारी बनकर क्रेडिट कार्ड से दो लाख रुपये से अधिक रुपये निकाल लिए। पीड़ितों ने अलग-अलग थाने में मामला दर्ज कराया है। राम नगर जगदीश कालोनी स्थित शिक्षा भारती स्कूल के अकाउंटेंट अनिल कुमार ने आर्य नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इसमें बताया कि सुबह के समय उसके मोबाइल पर अज्ञात नंबर से काल आई।

फोन करने वाले ने कहा कि उसे स्कूल के खाते में बच्चे की फीस जमा करानी है, लेकिन खाते में फीस जमा नहीं हो रही। आनलाइन फीस जमा कराने के लिए खाते से जुड़ा मोबाइल नंबर दे दीजिए। अकाउंटेंट ने फोन करने वाले को नंबर बता दिया, जो खाते से जुड़ा हुआ था। कुछ देर बाद व्यक्ति का दोबारा फोन आया। जिसने बताया कि उसने फीस जमा करा दी है, उसे कंफर्म कर दीजिए। अकाउंटेंट ने जैसे ही क्लिक किया तो खाते से 10400 रुपये कट किए। तब अकाउंटेंट को ठगी का पता चला। इसके बाद आरोपित से संपर्क नहीं हो सका और उसने फोन रिसीव भी नहीं किया।

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। उधर, पंचवटी कालोनी के रहने वाले मुकेश कुमार ने बताया कि कई दिन पहले दोपहर के समय एक अज्ञात नंबर से फोन आया था। जिसने बताया कि वह बैंक अधिकारी बोल रहा है और खाते से जुड़ी जानकारी ले ली। कुछ देर बाद ही क्रेडिट कार्ड से दो लाख दो हजार रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित का कहना है कि उसका क्रेडिट कार्ड एसबीआइ बैंक का है। पीड़ित ने आनन-फानन में बैंक अधिकारियों को सूचना दी, जिसके बाद अब अर्बन एस्टेट थाने में मामला दर्ज कराया है। गौरतलब है कि जिले में ठगी के हर दिन अलग-अलग तरह के मामले सामने आ रहे हैं।

आप की सरकार बनी तो जालंधर में बनाएंगे स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी और इंटरनेशनल एयरपोर्ट : केजरीवाल

जालंधर (एजेंसी)
आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की है कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर जालंधर में देश की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बनाई जाएगी। केजरीवाल बुधवार को जालंधर में निकाली गई तिरंगा यात्रा का नेतृत्व कर रहे थे।

डा. आंबेडकर चौक पर संपन्न हुई तिरंगा यात्रा के बाद केजरीवाल ने कहा कि दोआबा के बहुत सारे लोग विदेश में बसते हैं और बीते लंबे अरसे से मांग की है कि जालंधर में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाया जाए। पंजाब में आप की सरकार बनने पर जालंधर में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट भी बनाया जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि जालंधर की स्पोर्ट्स इंडस्ट्री विश्व विख्यात है। जब सचिन तेंदुलकर अपने बल्ले से छक्के लगाते थे तो उसमें जालंधर होता था। जब ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली हाकी टीम खेलती थी तो हाकी और बाल में जालंधर होता था। केजरीवाल ने तिरंगा यात्रा को पंजाब की एकता, अखंडता और भाईचारे का सूचक बताया। उन्होंने कहा कि पंजाब ने आतंकवाद का काला दौर देखा है और कोई नहीं चाहता है कि वह दिन वापस आए। इसलिए, सब एक साथ पंजाब की एकता, अखंडता एवं खुशहाली के लिए कार्य करेंगे। इससे पहले करीब 2 बजे तिरंगा यात्रा भगवान वाल्मीकि चौक से शुरू हुई और लगभग 98 मिनट बाद डा. आंबेडकर चौक में पहुंची, जहां केजरीवाल ने पार्टी के अन्य नेताओं के साथ डा. भीमराव अंबेडकर को नमन किया। उन्होंने कहा कि डा. भीमराव आंबेडकर देश के सबसे ज्यादा पढ़े लिखे व्यक्ति थे, उन्होंने कुल 62 मास्टर डिग्री हासिल की थी और लंदन एवं अमेरिका से पीएचडी भी की थी। उन्होंने कहा कि डा. आंबेडकर का सपना था कि देश के प्रत्येक बच्चे को शिक्षा मिलनी चाहिए। आम आदमी पार्टी उनके इस अधूरे सपने को पूरा करेगी। इस मौके पर सांसद भगवंत मान ने पूर्व अकाली सरकार के मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल और प्रदेश के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को भी आड़े हाथ लिया। भगवंत मान ने कहा कि अकाली दल की वर्षगांठ मनाते हुए प्रकाश सिंह

बादल ने कहा है कि उन्हें एक और मौका दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाब अकाली दल और कांग्रेस को मौके देकर थक चुका है और पंजाब के लोगों को एक मौका खुद को देना चाहिए और आप की सरकार बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि कमल का फूल कीचड़ में उगता है और आप का झाड़ू कीचड़ को साफ कर देगा। पंजाब के मौजूदा मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की घोषणाओं पर कटाक्ष करते हुए भगवंत मान ने कहा कि सारी कोरी घोषणाएं की जा रही हैं। यह कहा जा रहा है कि मात्र 80 दिन के काम को देखा जाए। उन्होंने कहा कि ऐसा संभव नहीं है। कांग्रेस को पूरे 5 वर्ष का हिसाब देना होगा। उन्होंने कहा कि कैप्टन अमरिंदर सिंह तो कांग्रेस छोड़कर चले गए और अब पंजाब लोक कांग्रेस का गठन किया है, लेकिन सच्चाई यह है कि न तो पंजाब, न ही लोक और न ही कांग्रेस अब उनके साथ हैं। इससे पहले श्री राम चौक में लगभग एक घंटा देरी से पहुंचे अरविंद केजरीवाल के साथ तिरंगा यात्रा में पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हरपाल सिंह चीमा, जरनैल सिंह, आप पंजाब के सह प्रभारी राघव चड्ढा, जिला प्रधान सुरेंद्र सिंह सोढ़ी, बलकार सिंह उपस्थित रहे।

इससे पहले सुबह 11 बजे केजरीवाल अमृतसर एयरपोर्ट पर पहुंचे। वहां स्वागत के लिए हरपाल चीमा पहुंचे। हरपाल चीमा ने कहा कि जब केजरीवाल अमृतसर आते हैं तो नवजोत सिंह सिद्धू की टांगे कांपती हैं। नवजोत सिंह सिद्धू ड्रामा करना बंद करें पंजाब में उनकी सरकार होने के बावजूद ना तो नशा कारोबारियों पर कार्रवाई हो रही है और ना ही बेअदबी करने वालों पर। टांगों में इनके अपने जान नहीं है। इनके अपने ही साथी रेत माफिया और शराब माफिया चला रहे थे वह सिद्धू खुद सारा दिन उन लोगों के साथ मीटिंग करते हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब शहीदों की धरती है और शहीदों को नमन करने के लिए तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। पंजाब ने बहुत स्वतंत्रता सेनानी पैदा किए उनकी याद में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।

पंजाब ने पुराना दौर देखा है, वह नहीं चाहते दोबारा ऐसा दौर आए। पंजाब के अमन, शांति चेन और भविष्य के लिए यह तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। अरविंद केजरीवाल लगातार पंजाब के दौरे पर हैं। आप प्रमुख के लगातार पंजाब के दौरे से राजनीतिक सरगर्मी और तेज हो गई है। इसस पहले केजरीवाल ने करतारपुर में 8 दिसंबर को महिलाओं से गारंटी कार्ड भरवाए थे। बता दें कि केजरीवाल ने पिछले दौरों में पंजाब में आप की सरकार बनने पर महिलाओं को एक हजार रुपये देने की घोषणा की हुई है। वहीं आज केजरीवाल जालंधर में तिरंग यात्रा निकालेंगे।

कांग्रेस प्रचार कमेटी की बैठक में हंगामा, नवजोत सिद्धू ने सीएम चन्नी व डिप्टी सीएम रंधावा पर साधा निशाना

चंडीगढ़ (एजेंसी)
पंजाब कांग्रेस की चुनाव प्रचार कमेटी की पहली बैठक में गत दिवस खासी गरमागरमी हुई। इस बैठक में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने अपना तीखा रुख बरकरार रखा। कमेटी के चेयरमैन सुनील जाखड़ ने सुझाव मांगा कि पार्टी किस प्रकार का प्रचार चाहती है- व्यक्ति केंद्रित, उपलब्धि आधारित या विश्वसनीयता आधारित। इस पर सिद्धू ने कहा,हर घर पर जिसकी फोटो लगी है, वोट भी उन्हीं से डलवा लो। प्रचार तो शुरू हो गया है।

उनका इशारा मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की तरफ था। सिद्धू जिस समय यह बात कह रहे थे, उस समय मुख्यमंत्री वहां पर मौजूद नहीं थे। वह किसी से फोन पर बात करने के लिए बाहर निकल गए थे। सिद्धू ने मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की उपस्थिति में यह मुद्दा भी उठाया कि जिन नेताओं के रिश्तेदारों को चेयरमैन या विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर लगाया जा रहा है, उन्हें हटाना चाहिए। सिद्धू ने यहां भी मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने रंधावा के दामाद तरुणवीर सिंह को एडिशनल एडवोकेट जनरल नियुक्त किया है। करीब साढ़े तीन घंटे चली बैठक में पार्टी किसी अंतिम निर्णय पर नहीं पहुंच सकी, लेकिन इस बात पर ज्यादा संभावना बनी कि राहुल गांधी के रोडमैप के हिसाब से कांग्रेस संयुक्त चेहरे को ही सामने रखकर प्रचार प्रोग्राम तैयार करे। पार्टी सूत्र बताते हैं कि बैठक में चर्चा हुई की क्या एससी चेहरे को आगे रखकर पार्टी के प्रचार पर रोड मैप तैयार किया जाए या उपलब्धियों के आधार पर प्रचार किया जाए, लेकिन सिद्धू के रुख को देखते हुए कांग्रेस एससी चेहरे पर चुनाव प्रचार का दांव खेलने से डर रही है, क्योंकि जिस प्रकार से सिद्धू ने मुख्यमंत्री का नाम लिए बिना कह दिया कि सभी घरों, दुकानों पर जिसकी फोटो लगी है, उसी से वोट ले लेनी चाहिए, उससे कांग्रेस यह कदम उठाने से घबरा रही है। सिद्धू के रुख ने कांग्रेस की चिंता बढ़ा दी। सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस उपलब्धियों पर केंद्रित प्रचार से भी कतरा रही है, क्योंकि अगर पार्टी मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के तीन माह के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनवाएगी तो उन्हें साढ़े चार साल के कैप्टन अमरिंदर सिंह सिंह के कार्यकाल की उपलब्धियों को भी शामिल करना पड़ेगा। इसका लाभ कैप्टन को मिल सकता है। विश्वसनीयता पर आधारित प्रचार भी पार्टी को नहीं भा रहा। क्योंकि इससे 2017 में किए गए घर-घर रोजगार, किसान कर्ज माफी, बेअदबी कांड के दोषियों को सजा, नशे का खात्मा, 2500 रुपये बेरोजगारी भत्ता जैसे वादे भी सामने आ जाएंगे। इनका जवाब देना कांग्रेस के लिए चुनौती भरा हो सकता है। पार्टी यह मान रही है कि 2022 के चुनाव वन वे नहीं बल्कि टू वे होगा। क्योंकि लोग मुखर होकर नेताओं व पार्टियों से सवाल पूछ रहे हैं। इसलिए पार्टी को सामने से आने वाले सवालों के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाकर कांग्रेस पार्टी ने एससी कार्ड खेला था। पार्टी ने जोर-शोर से यह बात कही थी कि उत्तर भारत में पंजाब ही एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां एससी बिरादगी का मुख्यमंत्री बनाया गया। ऐसे में माना जा रहा था कि कांग्रेस चुनाव में इसी आधार पर अपना प्रचार अभियान चलाएगी, लेकिन चुनाव के नजदीक आते-आते कांग्रेस इससे कतराने लगी है। अब पार्टी संयुक्त चेहरे की बात कर रही है। साढ़े तीन घंटे तक चली बैठक में पार्टी किसी अंतिम नतीजे पर नहीं पहुंच पाई। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि वह पार्टी के हर फैसले के साथ है। पार्टी जैसे प्रचार अभियान बनाएगी वह उसे मानेंगे।

हरियाणा में सामने आया मतांतरण का मामला, विरोध में हिंदू संगठनों का हंगामा

यमुनानगर (एजेंसी) बैंक कालोनी में एक बार फिर धर्म परिवर्तन का मामला सामने आया है। यहां एक मकान में हिंदू धर्म के लोगों को ईसाई धर्म अपनाने का लालच दिया जा रहा था। इसका पता हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं को लगा, तो वह मौके पर पहुंचे गए। यहां पर इंद्रा गार्डन स्थित चर्च आफ क्राइस्ट के पास्टर सालातीत महसी को पकड़ा गया। वह एक लड़की को हिंदू धर्म के बारे में भड़का रहा था और उसका ईसाई धर्म में परिवर्तन करा रहा था। मामले को लेकर हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता गांधीनगर थाना में पहुंचे और हंगामा किया। पुलिस ने मामले में पास्टर सालातीत व कर्ण पर केस दर्ज किया। बैंक कालोनी निवासी सूरज प्रकाश शर्मा ने बताया कि वह कालोनी के ललित कुमार व अन्य के साथ महाकालेश्वर हनुमान मंदिर का निर्माण करा रहे हैं। पहले उनके साथ कर्ण नाम का युवक भी मंदिर निर्माण में सहयोग कर रहा था। बाद में उसने ईसाई धर्म के लोगों ने भड़का दिया था।

उसने ईसाई धर्म अपना लिया था। इसके बाद से ही कर्ण ईसाई धर्म का प्रचार प्रसार कर रहा था। आरोपित कालोनी में हिंदू धर्म के लोगों को भड़काता था और ईसाई धर्म अपनाने के लिए मजबूर करता था। सूरज प्रकाश की बेटी को भी आरोपित कर्ण ने हिंदू धर्म के बारे में भड़का दिया था। उसका भी धर्म परिवर्तन करा दिया था। बुधवार की रात को आरोपित कर्ण अपने घर पर सूरज की बेटी को लेकर गया था। यहां पर पास्टर सालातीत महसी उसे ईसाई धर्म अपनाने के बारे में शिक्षा दे रहा था। उसे हिंदू धर्म के प्रति भड़का रहा था। इसका पता लगने पर सूरज प्रकाश व हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता उदयवीर शास्त्री व अन्य पहुंचे। उन्होंने आरोपित को रोका, तो वह गाली गलौज करते हुए धक्का मुक्की करने लगा। धमकी दी कि उसे ईसाई धर्म का प्रचार करने से नहीं रोका जा सकता। बाद में हंगामा बढ़ने पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। इस दौरान कुछ महिलाओं ने विरोध भी किया। बाद में मामला थाने तक पहुंचे। पंडित उदयवीर शास्त्री ने बताया कि यह हिंदू धर्म के खिलाफ साजिश चल रही है।

पानीपत में नहीं थम रहीं चोरी की वारदात, चोरों ने मकानों और ग्राम सचिवालय को निशाना बनाया

पानीपत (एजेंसी)
पानीपत के इसराना की मीनाक्षी गार्डन कालोनी स्थित मकान से नकदी और सोने के जेवर चोरी कर लिए गए। जिले में चोर लगातार मकानों और दुकानों को निशाना बना रहे हैं। पुलिस एक गिरोह के बदमाशों को पकड़ता है। इसके बाद दूसरे गिरोह के बदमाश चोरी की वारदातों को अंजाम दे देते हैं। चोरी की बढ़ती वारदातों से लोग परेशान हैं। उत्तर प्रदेश के जिला उन्नाव के आहाडी गांव के मुकेश कुमार ने पुलिस को शिकायत दी कि वह मीनाक्षी कालोनी में रहता है।

गत रात्रि वह परिवार के साथ सो रहा था। तभी चोरों ने घर से 18000 हजार रुपये, एक मोबाइल फोन और उनकी पत्नी की पाजेब चोरी कर ली। इसराना थाना पुलिस ने मामला दर्ज करके चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के कई संदिग्ध युवकों से भी पूछताछ कर रही है। ग्वालड़ा गांव के देवेंद्र उर्फ लीलू ने पुलिस को शिकायत दी कि वह शराब ठेकेदार सिवाह के राजू कादियान के ठेकों पर कलेक्शन इंचार्ज है। गत रात्रि व ठेकों से 80 हजार रुपये इकट्ठे कर घर लाया था और रुपये बैग में रख दिए थे। कमरे से बैग चोरी कर लिया गया। बैग में पैन कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, डेबिट कार्ड और अन्य जरूरी दस्तावेज थे। सुबह उन्हें चोरी का पता चला।

इसराना थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी ने पुलिस को शिकायत दी कि गांव में पीने के पानी की सप्लाई के लिए ट्यूबवेल लगा रखा है। चोरों ने ट्यूबवेल की मोटर, ग्राम सचिवालय का लोहे का मेन गेट और दो पंखे चोरी कर लिए।

पुलिस ने मामला दर्ज करके चोरों की तलाश शुरू कर दी है। कहीं वारदात को नशेड़ियों ने तो अंजाम नहीं दिया है। इस एंगिल से भी पुलिस जांच कर रही हैं।

निशानेबाज अंजुम मौदगिल सहित 14 खिलाड़ियों व 10 प्रशिक्षकों को मिला सम्मान, 11.80 करोड़ की राशि बांटी

चंडीगढ़ (एजेंसी)
पंजाब के खेल मंत्री परगट सिंह ने खेलों के विकास के लिए राष्ट्रीय खेल नीति बनाने और बजट का 10 से 15 फीसद हिस्सा खर्च करने पर जोर दिया है। उनका कहना है कि मानव संसाधन पर पैसा खर्च करने से आपको स्वास्थ्य सेवाओं पर ज्यादा पैसा खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती। वह यहां मैगसीपा में पंजाब के 3309 खिलाड़ियों और 10 प्रशिक्षकों को कुल 11.80 करोड़ रुपये की राशि सौंपने के मौके पर संबोधित कर रहे थे। परगट सिंह ने कहा कि चीन ने मानव संसाधनों के विकास पर खर्च किया, जिस कारण वहां के लोगों की पिछले दशकों के दौरान औसतन लंबाई 2.5 इंच बढ़ी है। खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में अन्य उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए खेल मंत्री ने कहा कि पंजाब की खेल नीति में जरूरत के मुताबिक बदलाव करने की बात कहते हुए उन्होंने कहा कि इस नीति को समय के

अनुकूल बनाया जा रहा है। पंजाब के शारीरिक शिक्षा अध्यापकों को दक्षिणी अफ्रीका के प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण दिलाने की बात कहते हुए परगट सिंह ने कहा कि विदेशी प्रशिक्षकों की महारत का लाभ लेने की जरूरत है। शिक्षा विभाग एवं खेल विभाग मिलकर खेलों में नई पीढ़ी तैयार करेंगे। खेल विभाग के डायरेक्टर परमिंदर पाल सिंह संधू ने कहा कि कुल 11.80 करोड़ रुपये की राशि में से 3309 खिलाड़ियों को 9.37 करोड़ रुपये और 10 प्रशिक्षकों को 2.43 करोड़ रुपये दिए गए। इनमें 1298 खिलाड़ियों को वर्ष 2018-19 के लिए 4.84 करोड़ (4,84,30,000) रुपये और 2011 खिलाडियों. को 4.49 करोड़ (4,49,96,000) रुपये दिए गए।

समारोह में खेल मंत्री परगट सिंह ने सांकेतिक तौर पर 10 प्रशिक्षकों और 14 खिलाड़ियों को चेक सौंपे, जबकि बाकी सभी खिलाड़ियों के खातों में डीबीटी के द्वारा राशि डाल दी गई। 10 प्रशिक्षकों में से द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता महेन्दर सिंह ढिल्लों और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता सुखदेव सिंह पन्नू को 40-40 लाख रुपये, बैडमिंटन प्रशिक्षक विजयदीप सिंह को 30 लाख रुपये, ओलिंपियन वेट लिफ्टिंग प्रशिक्षक संदीप कुमार को 28 लाख रुपये, बैडमिंटन प्रशिक्षक सुरेश कुमार और एथलेटिक्स प्रशिक्षक हरमिंदर पाल सिंह को 20-20 लाख रुपये, हाकी प्रशिक्षक अवतार सिंह, गुरदेव सिंह और युधविंदर सिंह को 16.66-16.66 लाख रुपये और एथलेटिक्स प्रशिक्षक जसपाल सिंह को 16 लाख रुपये दिए गए।

राकेश टिकैत के बयान से बढ़ा असमंजस, चुनाव लड़ने के फैसले पर किसान संगठनों में दुविधा

चंडीगढ़ (एजेंसी)
तीन कृषि कानूनों की वापसी के बाद अब पंजाब में विधानसभा के चुनाव को देखते हुए किसान संगठनों पर खुद चुनाव लडऩे का दबाव बढ़ गया है, लेकिन संयुक्त किसान मोर्चा का हिस्सा 32 किसान संगठन और अन्य संगठनों में चुनाव मैदान में उतरने के मुद्दे पर दुविधा बनी हुई है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि किसान संगठनों में कई गुट ऐसे हैं, जिनके संविधान में चुनाव लडऩा शामिल नहीं है।

इनकी रणनीति एक प्रेशर ग्रुप बनाकर राजनीतिक पार्टियों से अपनी बात मनवाने तक ही सीमित है। वहीं, कुछ किसान संगठन ऐसे हैं, जो किसी न किसी पार्टी से जुड़े हुए हैं। मसलन वामपंथी दलों के अपने-अपने संगठन इसमें शामिल हैं। इसी तरह शिरोमणि अकाली दल को भारतीय किसान यूनियन का लक्खोवाल ग्रुप सपोर्ट करता है, जबकि भारतीय किसान यूनियन का मान गुट कांग्रेस को समर्थन देता है। कई संगठन ऐसे हैं, जिनमें भारतीय किसान यूनियन (राजेवाल) भी शामिल है, जो किसी पार्टी का समर्थन नहीं करता, लेकिन उसका पंजाब में अच्छा खासा आधार है। चूंकि तीन कृषि कानून विशुद्ध रूप से खेती का मसला था। इसलिए इस लड़ाई में विभिन्न विचारधाराओं के संगठन भी संयुक्त किसान मोर्चा बनाकर एक मंच पर आ गए, लेकिन राजनीति में उतरना अलग विचारधारा की बात है।भारतीय किसान यूनियन राजेवाल के अध्यक्ष बलबीर सिंह राजेवाल ने तो स्पष्ट तौर पर कहा है कि चुनाव लडऩा किसानों का काम नहीं है। हम केवल अपने एजेंडे पर ही कायम रहकर लड़ाई लडऩे के इच्छुक हैं। इसी तरह पंजाब की सबसे बड़ी किसान यूनियन भारतीय किसान यूनियन के प्रधान जोगिंदर सिंह उगराहां ने भी कहा है कि उनके तो संविधान में ही चुनाव लडऩा शामिल नहीं है। वह प्रेशर ग्रुप बनाकर ही अपने मसले हल करवाना चाहते हैं। इन सभी मुद्दों को लेकर नई पीढ़ी के नेता इस बात पर राजी हैं कि अगर अपनी सरकार हो तो वे मसले हल किए जा सकते हैं, जिनके लिए किसान लंबे समय से लड़ाई लड़ रहे हैं। हरियाणा के किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी तो काफी समय से इस बात की पैरवी कर रहे हैं कि किसानों को चुनाव लडऩा चाहिए।

भारतीय किसान यूनियन डकौंदा के नेता कमलजीत सिंह का मानना है कि किसानों को राजनीति में नहीं उतरना चाहिए, बल्कि उन्हें इसी तरह का प्रेशर ग्रुप बनाकर राजनीतिक पार्टियों को अपने एजेंडे पर काम करने को मजबूर किया जाना चाहिए। अभी तक किसान संगठन किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सके हैं।

महत्वपूर्ण सूचना

सर्वसंबन्धित को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा रेलगाड़ी सं. 12618 हज़रत निज़ामुद्दीन–एरणाकुलम मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस (प्रतिदिन) के निम्नलिखित स्टेशनों की समय–सारणी में परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:–

दिनांक 20.12.2021 से गाड़ी सं. 12618 हज़रत निज़ामुद्दीन– एरणाकुलम मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस (प्रतिदिन) का परिवर्तित समय

स्टेशन	वर्तमान समय		परिवर्तित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
कल्याण जं.	06:12	06:15	05:30	05:33
पनवेल	07:00	07:05	06:30	06:35

शेष जानकारी पूर्ववत् रहेगी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट: www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें

रेलगाड़ियों और रेलवे स्टेशनों पर कोविड–19 से संबंधित राज्य एवं केन्द्र सरकार के सभी नियमों और सभी सावधानियों का पालन करना अनिवार्य है।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें : www.railmadad.indianrailways.gov.in

रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा - हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

2950/2021

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नज़र

भभुआ के इस कन्या विद्यालय में 550 छात्राओं पर मात्र एक शौचालय, हो चुकी है यहां 20 क्विंटल चावल की चोरी

भगवानपुर। भगवानपुर प्रखंड मुख्यालय में कन्या मध्य विद्यालय स्थित है। जहां लगभग 550 छात्राएं नामांकित हैं। कन्या मध्य विद्यालय में कक्षा एक से लेकर आठ तक की छात्राओं की पढ़ाई होती है। विद्यालय में 17 शिक्षक शिक्षिकाएं पदस्थापित हैं। एचएम अरविंद सिंह ने बताया कि विद्यालय में कमरों व शिक्षक शिक्षिकाओं की कोई कमी नहीं है। लेकिन विद्यालय में शौचालय व पेयजल की समस्या है। उन्होंने कहा कि चार शौचालय बनाए गए हैं। लेकिन एक शौचालय चालू है। विद्यालय

में दो चापाकल है। जिसमें एक चापाकल चालू है। एक सबमर्सिबल है। आगे उन्होंने बताया कि बंद चापाकल बनाने के लिए पीएचइडी विभाग के पदाधिकारी को कई बार सूचना दी गई है, लेकिन आज तक चापाकल नहीं बन सका। विद्यालय की चहारदीवारी नीचे होने के चलते अक्सर असामाजिक तत्व विद्यालय में प्रवेश कर ताश खेलने के साथ ही नशा का सेवन करते हैं। इससे काफी परेशानी होती है। असामाजिक तत्वों द्वारा विद्यालय को गंदा भी कर दिया जाता है। बता दें कि कन्या मध्य विद्यालय में शौचालय पेयजल आदि की समस्या होने के चलते शिक्षक शिक्षिकाओं व छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। बता दें कि 550 छात्राओं पर मात्रा एक शौचालय है। शौचालय भी काफी गंदा है। विद्यालय में रात्रि प्रहरी नहीं है। इससे विद्यालय पूरी तरह असुरक्षित है। एचएम ने बताया कि बीते 28 अप्रैल को लगभग 20 क्विंटल चावल की चोरी कर ली गई थी। जिसकी शिकायत थाना में आवेदन देकर की गई थी। विद्यालय में रात्रि प्रहरी की काफी जरूरत है। क्योंकि विद्यालय की चहारदीवारी काफी नीचे है।

भभुआ में जिलास्तरीय खेलकूद का मंत्री ने किया उद्घाटन, बच्चों में उत्साह, तेजस्वी की शादी पर भी बोले

भभुआ (एजेंसी) । जिलास्तरीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ गुरूवार को हुआ। जिसका उद्घाटन बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री सह चैनपुर विधानसभा के विधायक मो. जमां खां ने किया। कार्यक्रम में सबसे पहले कई पदाधिकारियों को बुके देकर सम्मानित किया गया। उसके बाद मंत्री सहित अन्य के द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। खेल से पूर्व छात्र-छात्राओं ने अपने विद्यालय के ड्रेस कोड के साथ तथा विद्यालय के पोस्टर के साथ मार्च किया। उसके बाद छोटी बच्चियों ने नृत्य का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन शंकर कैमूरी ने किया। मौके पर जमा खां ने कहा कि खेल की हर जरूरत को पूरा किया जाएगा। खेलकूद को लेकर सरकार का भी ध्यान है। आगे और भी अच्छा करने का प्रयास किया जाएगा। विद्यालयों में भी खेलकूद की सामग्री को उपलब्ध कराया जाएगा। खेलकूद से बच्चों के शारीरिक और मानसिक दोनों का विकास होता है और किसी भी परिस्थिति में खुद को मजबूत बनाए

रखने का साहस भी मिलता है। खिलाड़ी हमेशा स्वस्थ और तंदुरुस्त बना रहता है। किसी भी व्यक्ति को स्वस्थ रहने के लिए अवश्य खेलना चाहिए खेल में भाग लेते रहना चाहिए। मौके पर नेता प्रतिपक्ष बिहार तेजस्वी यादव के शादी को लेकर पूछे गए सवाल पर मंत्री ने कहा कि उनकी शादी हुई है। नई दंपती को वो आगे की जीवन के लिए बधाई देते हैं। उसके बाद खेल प्रतियोगिता की शुरूआत हुई। मौके पर भभुआ विधानसभा के विधायक भरत बिंद, नगर परिषद के सभापति जैनेंद्र कुमार आर्य, प्रभारी जिलाधिकारी सह डीडीसी कुमार गौरव, एडीएम डॉ. संजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी प्रिय रंजन राजू , खेल उपाधीक्षक ओमप्रकाश, बीपीआरओ भभुआ अमृतेश कुमार, महावीर प्रसाद, बिरजू पटेल, तुलसी प्रसाद, दिलीप, विनय, ओमप्रकाश, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बिहारवासियों को अब सताएगी ठंड, छाया रहेगा कोहरा, अगले तीन दिनों में ऐसा रहेगा मौसम का मिजाज

पटना (एजेंसी)। मौसम में बदलाव के कारण प्रदेश में पारा लगातार गिरता जा रहा है। अगले तीन दिनों तक तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। सुबह और शाम के समय लोगों को गर्म कपड़ों की जरूरत पड़ने लगी है। सड़क पर चलने वालों के शरीर पर गर्म कपड़े, मफलर और टोपी दिखने लगे हैं। सुबह के समय कुहासा भी छाया रहता है। राज्य के ग्रामीण इलाके में ठंड का असर ज्यादा देखा जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को गया राज्य का सर्वाधिक ठंडा स्थान रहा। वहां का न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं राजधानी पटना भी ज्यादा पीछे नहीं रहा। पटना का न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस रहा। आने वाले समय में सुबह में धुंध एवं कोहरा बढ़ने के आसार हैं। बुधवार को वातावरण में धुंध बढ़ने के कारण पूर्णिया में दृश्यता बहुत कम रही। वहां पर यह मात्र 600 मीटर रिकार्ड की गई। वर्तमान में धरातल से लेकर डेढ़ किलोमीटर की ऊंचाई तक तेज पछुआ चल रही है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी संजय कुमार का कहना है कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश से लेकर राजस्थान एवं पंजाब तक ठंड में वृद्धि होती जा रही है।

समस्तीपुर के विभूतिपुर में रस्सी से पेड़ में बांधकर अधेड़ की पीट-पीटकर हत्या

समस्तीपुर (एजेंसी) । थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरवारी पुरुषोत्तमपुर गांव स्थित पासवान टोल में बुधवार की रात मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना प्रकाश में आयी है। ग्रामीणों ने पहले तो चोर-चोर का हल्ला किया। इसके बाद एक अधेड़ को अपने गिरफ्त में लेकर रस्सी से एक पेड़ में उसका हाथ-पांव बांध दिया। इसके उपरांत निर्ममतापूर्वक लाठी, डंडा, रॉड मारपीट कर उसकी हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को जब्त कर अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक बेगूसराय जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गाड़ा गांव निवासी स्व. रतन पासवान का पुत्र महेन्द्र पासवान (45) बताया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि अधेड़ बुधवार की संध्या बाइक से अपने घर से कुछ मित्रों से मुलाकात करने निकला था। इस क्रम में वह अपने मित्रों के साथ विभूतिपुर के सीमावर्ती सोहिलवारा चौक पर नाश्ता-पानी किया। उसका मित्र उसे छोड़कर वहां से चला गया। देर रात हो जाने के कारण अधेड़ घर जाने का मूल रास्ता भटक कर पैदल हीं पुरवारी पुरुषोत्तमपुर गांव चला गया। जहां कुछ लोगों ने उसे चोर समझ कर हल्ला किया। जिससे डरकर अधेड़ एक घर में छिपने का प्रयास किया। इस दौरान जुटे ग्रामीणों ने उसे अपनी गिरफ्त में लेते हुए रस्सी से एक पेड़ से बांध दिया और जमकर उसकी पिटाई कर दी। हालांकि, इस क्रम में अधेड़ बार-बार रास्ता भटक जाने की बातें कहता रहा। मगर, एक भी व्यक्ति उसके बचाव में नहीं उतरा और बेरहमी पूर्वक उस पर हमला जारी रखा। जिससे उसकी स्थिति मरनासन्न हो गई।

यूपी विधानसभा चुनाव: नीतीश से दोस्ती पर योगी से कुश्ती, मुकेश सहनी का गेम प्लान

पटना (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का असर बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पर भी पड़ता दिख रहा है। वहां मुकेश सहनी की विकासशील इनसान पार्टी की एंट्री भारतीय जनता पार्टी की आंखों की किरकिरी बन गई है। वीआइपी यूपी की 165 सीटों पर अपने उम्मीदवार देने की तैयारी में है। वहां जनता दल यूनाइटेड के बाद अब वीआइपी ने बीजेपी की राह में मुश्किलें खड़ी कर दी है। वीआइपी यूपी में निषाद वोट बैंक को एकजुट कर अपनी जमीन मजबूत करने की रणनीति पर चल रहा है। बीजेपी भी झुकने को तैयार नहीं है। पहले बात जेडीयू की। जेडीयू नेता केसी त्यागी ने हाल ही में कहा था कि उनकी पार्टी यूपी विधानसभा चुनाव एनडीए के साथ लड़ने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इसपर अगर बात नहीं बनी तो जेडीयू सीमित सीटों पर अपने बल पर चुनाव लड़ेगी। स्पष्ट है कि यूपी में जेडीयू अधिक सीटों पर चुनाव लड़कर अपना आधार बढ़ाना चाहता है। उसकी नजरें बिहार सीमावर्ती व बिहारी प्रभाव वाली सीटों पर रहेगी। इसका सीधा प्रभाव बीजेपी पर पड़ेगा। यूपी एनडीए में जेडीयू का पेंच फंसा ही हुआ है कि अब वीआइपी ने165 सीटों पर उम्मीदवार देने की घोषणा कर दी है। वीआइपी के अध्यक्ष मुकेश सहनी ने यूपी में निषाद वोट बैंक को अपने पाले में करने के लिए इस बिरादरी से आने वाली फूलन देवी का कार्ड खेला है। मुकेश सहनी ने यूपी में फूलन

देवी शहादत दिवस मनाने की घोषणा कर इसका आगाज किया। हालांकि, वहां की योगी आदित्यनाथ सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोका, उन्हें एयरपोर्ट से ही वापस लौटा दिया। इसपर मुकेश सहनी उखड़ गए। इसके बाद से मुकेश सहनी की यूपी में बीजेपी से अदावत के कई उदाहरण हैं। यूपी में बीजेपी से मुकेश सहनी के ठनने के पीछे वहां कई इलाकों में निषाद वोटों की निर्णायक हैसियत है। वहां निषाद, मल्लाह और कश्यप वोट बैंक करीब चार फीसद है। बीजेपी यूपी चुनाव से वीआइपी को आउट करना चाहती है। फूलन देवी शहादत दिवस कार्यक्रम के लिए यूपी पहुंचे मुकेश सहनी को एयरपोर्ट से ही बैरंग लौटा दिया गया था। अब बीजेपी भाजपा सांसद अजय निषाद ने मुकेश सहनी को चेतावनी दी है कि अगर उन्हें एनडीए में रहना है, तो उन्हें योगी आदित्यनाथ की जय कहना होगा। इसपर वीआइपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता देव ज्योति ने कहा कि उनकी पार्टी अजय निषाद के बयान को अहमियत नहीं देती है, बीजेपी के राष्ट्रीय नेता कुछ बोलेंगे तब देखेंगे। इस मामले में बीजेपी नेता नवल किशोर यादव कहते हैं कि लोकतंत्र में चुनाव लड़ने के लिए सभी स्वतंत्र हैं।

जहां तक बीजेपी की बात है, उत्तर प्रदेश में उनके लिए कोई चुनौती नहीं है। बीजेपी के प्रवक्ता अरविंद सिंह भी कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए एकजुट है। साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि सभी एनडीए के घटक दलों को नरेंद्र मोदी की जय कहना चाहिए। जो भी हो, यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर बिहार एनडीए में सबकुछ ठीक नहीं दिख रहा है। अब आगे-आगे देखिए क्या होता है।

बिहार के 96 अमीन सेवा से बर्खास्त, जहां पढ़ाई ही नहीं, वहां से ले आए थे सर्टिफिकेट

पटना (एजेंसी) । विशेष भूमि सर्वेक्षण के लिए अमीन की बहाली में बड़ी धांधली सामने आई है। फिलहाल फर्जी सर्टिफिकेट पर बहाल 96 अमीनों को बर्खास्त कर दिया गया है। जांच चल रही है। इसके बाद संविदा पर बहाल सभी अमीन और दूसरे पदधारकों के सर्टिफिकेट की जांच का आदेश दिया गया है। 38 अमीनों ने एक ही विवि का फर्जी सर्टिफिकेट जमा किया था। बाकी 58 अमीनों के सर्टिफिकेट अलग-अलग संस्थानों के हैं। भू अभिलेख के निदेशक जय सिंह ने गुरुवार को यहां बताया कि बर्खास्त किए गए अमीनों से वेतन के मद में हासिल राशि की वसूली और फर्जीवाड़ा के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश दिए गए हैं। 38 अमीनों की बहाली के लिए फर्जी सर्टिफिकेट का इंतजाम झांसी स्थित बुंदेलखंड विवि से किया गया था। सबने इस विवि से सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा का प्रमाण पत्र जमा किया था। सर्टिफिकेट के सत्यापन के लिए सभी प्रमाण पत्रों को बुंदेलखंड विवि भेजा गया। वहां के कुल सचिव ने दो बार पत्र लिख कर बताया कि इस विवि में सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा की पढ़ाई होती ही नहीं है। विवि का आखिरी पत्र 19 नवम्बर को आया। इसके बाद बर्खास्तगी की प्रक्रिया शुरू की गई। जिन अन्य 58 अमीनों को सेवा से हटाया गया है, उनके

सर्टिफिकेट अलग-अलग संस्थानों के थे। लेकिन जांच में सबके सब फर्जी पाए गए। इन सबने प्राविधिकी शिक्षा परिषद, लखनऊ, सर्वपल्ली राधाकृष्णनन यूनिवर्सिटी भोपाल, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, राजस्थान, डा. सीवी रमण विवि, विलासपुर, गवर्नमेंट पोलीटेक्नीक, भरूच, मेवाड़ यूनिवर्सिटी, राजस्थान, अन्ना मलाई यूनिवर्सिटी तमिलनाडू, हिमालय युनिवर्सिटी, हिमाचल प्रदेश के अलावा अन्य शिक्षण संस्थानों के फर्जी सर्टिफिकेट जमा कराए थे।

बिहार के पूर्व सीएम मांझी बोले- पीने के बाद बहको मत, डीएम-एसपी व मंत्री की तरह रात में पियो शराब

हरनाटांड़ (एजेंसी) । पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि देश की सत्ता बाहरी लोगों के हाथों में है। यहां के मूल निवासी आज भी अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। 85 प्रतिशत आबादी हमारी है। इसके बावजूद सत्ता में हमारी पैठ बेहद कमजोर है। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि राजनीति चाबी है, इससे विकास का ताला खुलता है। दुर्भाग्य से हमारे पास राजनीति रूपी चाबी नहीं है। इसलिए विकास का ताला बंद है। वे बुधवार को हरनाटांड़ में भारतीय थारू कल्याण महासंघ के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने शुरू से ही दबे-कुचलों की आवाज बनकर उनकी बात राजनीतिक गलियारे तक पहुंचाने की कोशिश की। मुख्यमंत्री था तो यहां आया था। यहां के आदिवासियों ने धरती लीपकर मुझे बिठाया और प्रेम से घोंघा-भात खिलाया। इसकी चर्चा हर जगह करता हूं। हम जात-पात, अवर्ण-सवर्ण, गिरिजन-हरिजन के रूप में बंटे हैं। यह बीज कुछ बेईमान लोगों ने बोया है। हमने यह मान लिया है कि हम कमाने, मार खाने और दबे रहने के लिए पैदा हुए हैं। जबकि, ऐसा बिल्कुल नहीं है। हम वाकई यहां के मूल निवासी हैं। यहां की जमीन, यहां की हवा और यहां के

पानी पर सबसे पहला अधिकार हमारा है। आह्वान किया कि आगे बढ़कर राजनीति में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं। चाहे पंचायत स्तर की राजनीति हो, प्रदेश स्तर की या फिर राष्ट्रीय स्तर की। मांझी ने कहा कि राज्य के पढ़े-लिखे लोग यहां तक कि डाक्टर-इंजीनियर, मंत्री विधायक भी रात 10 बजे के बाद शराब पीते हैं, मगर पकड़े जाते हैं गरीब। मैं शराबबंदी का पक्षधर हूं, लेकिन इसमें संशोधन की जरूरत है। बापू की धरती गुजरात में लंबे समय से शराब बंद है। वहां सीमित मात्रा में शराब बिकती है। बिहार में भी इस तरह की व्यवस्था होनी चाहिए। आदिवासी और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के लोग देवी-देवताओं को पूजा के दौरान शराब चढ़ाते हैं। इसलिए शराबबंदी कानून पर सरकार को विचार करना चाहिए। शराब पीना बुरी बात है। मेरे घर में भी शराब बनती और बिकती थी। मगर मैंने मां और बाबूजी से कहा कि इसे बंद कर दीजिए तो मैं बड़ा आदमी बनकर दिखाऊंगा। मेरे घर में शराब बननी और बिकनी बंद हो गई। परिणाम है कि आज आपके सामने खड़ा हूं। हम दोनों पिता-पुत्र ने शराब को हाथ नहीं लगाया। अपील करूंगा कि शराब का सेवन न करें। यदि करना भी है तो दवा के रूप में डाक्टर-इंजीनियर की तरह रात में दस बजे के बाद करें।

एक बोतल शराब के साथ पकड़े जाने वाले लोगों को जेल में डाल दिया जाता है। इसपर विचार करने की जरूरत है। सौ -दो सौ लीटर शराब के साथ पकड़े जाने वाले लोग जेल भेजे जाएं। अपने लिए एक बोतल शराब खरीदने वालों को जेल भेजना जायज नहीं है। देश के सभी प्राइवेट स्कूलों को बंद किया जाना चाहिए। तभी सभी वर्ग के बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ेंगे। इससे बुनियादी शिक्षा व्यवस्था में सुधार होगा। फ्रांस समेत अन्य विकसित राष्ट्रों में प्राइवेट स्कूलों की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। यह व्यवस्था हमारे यहां भी लागू हो। आदिवासी समाज में शिक्षा के उत्थान के लिए सरकार ने आवासीय विद्यालयों की स्थापना की है, लेकिन शिक्षक नहीं हैं।

समस्तीपुर के विभूतिपुर में रस्सी से पेड़ में बांधकर अधेड़ की पीट-पीटकर हत्या

समस्तीपुर (विभूतिपुर) (एजेंसी) । थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरवारी पुरुषोत्तमपुर गांव स्थित पासवान टोल में बुधवार की रात मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना प्रकाश में आयी है। ग्रामीणों ने पहले तो चोर-चोर का हल्ला किया। इसके बाद एक अधेड़ को अपने गिरफ्त में लेकर रस्सी से एक पेड़ में उसका हाथ-पांव बांध दिया। इसके उपरांत निर्ममतापूर्वक लाठी, डंडा, रॉड मारपीट कर उसकी हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को जब्त कर अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक बेगूसराय जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गाड़ा गांव निवासी स्व. रतन पासवान का पुत्र महेन्द्र पासवान (45) बताया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि अधेड़ बुधवार की संध्या बाइक से अपने घर से कुछ मित्रों से मुलाकात करने निकला था। इस क्रम में वह अपने मित्रों के साथ विभूतिपुर के सीमावर्ती सोहिलवारा चौक पर नाश्ता-पानी किया। उसका

मित्र उसे छोड़कर वहां से चला गया। देर रात हो जाने के कारण अधेड़ घर जाने का मूल रास्ता भटक कर पैदल हीं पुरवारी पुरुषोत्तमपुर गांव चला गया। जहां कुछ लोगों ने उसे चोर समझ कर हल्ला किया। जिससे डरकर अधेड़ एक घर में छिपने का प्रयास किया। इस दौरान जुटे ग्रामीणों ने उसे अपनी गिरफ्त में लेते हुए रस्सी से एक पेड़ से बांध दिया और जमकर उसकी पिटाई कर दी। हालांकि, इस क्रम में अधेड़ बार-बार रास्ता भटक जाने की बातें कहता रहा। मगर, एक भी व्यक्ति उसके बचाव में नहीं उतरा और बेरहमी पूर्वक उस पर हमला जारी रखा। जिससे उसकी स्थिति मरनासन्न हो गई। तब जाकर लोगों ने उसे मरा समझकर पीटना बंद किया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने अधेड़ को जख्मी अवस्था में सीएचसी लाई। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक अधेड़ का सिर खून से लथपथ, दोनों पैर के घुटना के नीचे जख्म, दोनों हाथ में जख्म, दाहिने हाथ के तर्जनी अंगुली की नाखून खींचा, बायां कान से खून बहता जख्म बताया गया है। यह भी बताया जाता है कि घटना के बाद उसका दोनों हाथ टूटा प्रतीत होता था। दोनों जांघ के निकट से भी खून के निशान पाए गए हैं। इससे अधेड़ के अंदरुनी अंग पर भी चोट पहुंचाया जाना प्रतीत होता है। पुलिस ने शव को जब्त कर अंत्यपरीक्षण में भेज दिया है। थानाध्यक्ष चंद्र कांत गौरी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला लाठी-डंडा से मारपीट कर हत्या का प्रतीत होता है। मृतक के स्वजनों के बयान की प्रतीक्षा की जा रही है।

बिहार में कोरोनावायरस की तीसरी लहर की आशंका, पटना हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग से मांगी अस्पतालों की जानकारी

पटना (एजेंसी) । बिहार में कोरोनावायरस संक्रमण की तीसरी लहर की आहट आ रही है। इसे देखते हुए राज्य सरकार तैयारियों में जुटी है। कोरोना से बचाव को लेकर नई गाइडलाइन भी जारी कर दी गई है। इस बीच पटना हाईकोर्ट ने गुरूवार को करोना महामारी से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से सभी जिलों के सरकारी अस्पतालों के हालात का विस्तृत ब्यौरा तलब किया है। मुख्य न्यायाधीश संजय करोल एवं जस्टिस एस कुमार की खंडपीठ ने शिवानी कौशिक एवं अन्य की लोकहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सभी जिला अस्पतालों को अस्पतालों की हालत की विस्तृत जानकारी देने का आदेश दिया है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने करोना के ओमिक्रोन वैरिएंट के मद्देनजर राज्य के सरकारी अस्पतालों की व्यवस्ताओं का विस्तृत ब्योरा मांगा था, लेकिन राज्य ने जो सरकारी अस्पतालों के संबंध में हलफनामा दायर किया, उसमें अनेक जानकारियां सही नहीं थीं। कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को पूरा और सही ब्यौरा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई

शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे होगी। चीफ जस्टिस संजय करोल की खंडपीठ आनलाइन माध्यम से सुनवाई करेगी। सुनवाई के दौरान स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव समेत सभी जिलों के सिविल सर्जनों को आनलाइन उपस्थित हो कर सारी स्थिति का ब्यौरा देना है ।

शराबबंदी के बाद से अब तक कैमूर में जब्त किए गए 1739 वाहन

भभुआ (एजेंसी) । बिहार और उत्तर प्रदेश की सीमा पर बसे कैमूर जिले में उत्पाद विभाग एवं पुलिस के द्वारा शराबबंदी के बाद की गई छापेमारी में अब तक 1739 वाहन जब्त किए गए। अप्रैल 2016 में पूर्ण शराबबंदी के बाद उत्पाद विभाग तथा पुलिस के द्वारा शराब तस्करों के खिलाफ चलाए गए अभियान में अंग्रेजी शराब के साथ वाहनों को भी जब्त करने की कार्रवाई की गई। जिसमें हर वर्ष करीब सैकड़ों वाहन जब्त होते रहे। कैमूर जिले में लगातार शराब को लेकर कार्रवाई चल रही है। छापेमारी अभियान में जिले के विभिन्न प्रखंडों में उत्पाद विभाग अंग्रेजी शराब के साथ ही चार पहिया वाहन पकड़े जा रहे हैं। जिसमें ट्रक सहित अन्य वाहन शामिल हैं। देसी शराब के साथ अक्सर दो पहिया वाहन ही जब्त हुए हैं। अंग्रेजी शराब के साथ ही ज्यादातर वाहन जब्त हुए। उत्पाद विभाग ने अब जब्त वाहनों की नीलामी भी करनी शुरू कर दी है। हर वर्ष जब्त वाहनों को दूसरे वर्ष ही नीलामी कर दी जाती है। इसके बाद भी दर्जनों वाहन अब भी नीलामी की प्रक्रिया में है। शराब की तस्करी में चोरी के वाहनों का भी तस्करों द्वारा इस्तेमाल किया जाने लगा है। इसका खुलासा जब्त वाहनों के नंबर की जांच में यह बात सामने आई कि वाहनों पर अंकित नंबर फर्जी है। कई बार पुलिस ने ऐसे वाहन पकड़े हैं जिसके कागजात मांगने पर प्रस्तुत नहीं किया जाता, उसके बाद नंबर के सत्यापन में चोरी की वाहन पकड़ा जाता है। जिसका शराब तस्करी में इस्तेमाल किया जाता है। लगातार वाहन जब्त होने के बाद शराब तस्करों ने चोरी की वाहनों में फर्जी नंबर प्लेट लगाकर शराब तस्करी का धंधा शुरू कर दिया है।

दरभंगा में बोले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार - बिहार में एक साथ पढ़ेंगे लड़के और लड़िकयां

पटना (एजेंसी)। कुशेश्वरस्थान सीट पर उपचुनाव में जीत दर्ज करने के बाद गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दरभंगा पहुंचे। जानकारी के मुताबिक सीएम दो दिनों के मिथिलांचल के दौरे पर हैं।कुशेश्वरस्थान के हिरणी में जन संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि, क्या क्या कमी है ये सब देखने आए हैं। पहले क्या हालात थे अब कितना कुछ बदला है। बाढ़ की समस्या यहां सबसे ज्यादा है। इसलिए खेती नहीं हो पाती। लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि यहां की जमीन बहुत अच्छी है। उन्होंने कहा कि बिहार में लड़के और लड़कियां एक साथ पढ़ेंगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का महिलाओं ने पौधे देकर स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि हर गांव को पक्क सड़क से जोड़ना। जिले में क्या क्या समस्या है सबको देखने के लिए विभाग के लोग आए हैं। हर परेशानी को दूर किया जाएगा। इस दौरान सीएम नीतीश कुमार ने दरभंगा में एम्स निर्माण की समीक्षा भी की। दरभंगा के कुशेश्वरस्थान में

नरैला चौर के लिए नाला उड़ाहीकरण का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को इससे जुड़े आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने पूर्वी प्रखंड के लिए प्रस्तावित भूमि का निरीक्षण भी किया। सीएम कुशेश्वरस्थान स्थित नंदकिशोर उच्च विद्यालय हिरणी भी गए। वहीं पहुंचकर उन्होंने परिस्थितियों के अनुरूप जलीय पौधों का माडल एवं जलवायु परिवर्तन अनुकूल खेती के माडल का निरीक्षण किया। गौरतलब है कि कुशेश्वरस्थान उपचुनाव के दौरान स्थानीय नागरिकों ने जलजमाव और सड़की व्यवस्था की समस्या को प्रमुखता से उठाया था। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को वे मधुबनी जिले का दौरा करेंगे। इस दौरान वे जयनगर पर कमला पर बराज और तटबंधों पर 80 किलोमीटर सड़क निर्माण का कार्यारंभ करेंगे। बताया जाता है कि यह मिथिलांचल के लिए बड़ी सौगात होगी। बराज के निर्माण किसानों को सिंचाई की सुविधा मिलेगी वहीं तटबंध पर बनने वाली सड़कें स्थानीय लोगों के लिए मददगार साबित होंगी इसके साथ ही इससे तटबंधों को मजबूती भी मिलेगी।

वेस्टइंडीज टीम के तीन और खिलाड़ी, दो सहयोगी स्टाफ पॉजिटिव

कराची (एजेंसी)। वेस्टइंडीज टीम के तीन खिलाड़ी और दो सहयोगी स्टाफ के कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव पाये जाने के बाद मौजूदा पाकिस्तान दौरा खटाई में पड़ता नजर आ रहा है। विकेटकीपर शाइ होप, बायें हाथ के स्पिनर अकील हुसैन और हरफनमौला जस्टिन ग्रीव्स पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड द्वारा कराई गई ताजा जांच में संक्रमित पाये गए। सहायक कोच रॉडी एस्टविक और टीम डॉक्टर अक्षय मानसिंह भी

पॉजिटिव पाये गए हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक बयान में कहा, ''तीनों खिलाड़ी आगामी मैच नहीं खेल सकेंगे और पांचों व्यक्ति पृथकवास में रहेंगे। चिकित्सा अधिकारी उनकी देखरेख करेंगे। उन्हें दस दिन या आरटी पीसीआर जांच नेगेटिव आने तक पृथकवास में रहना होगा।'' वेस्टइंडीज के अब छह खिलाड़ी कोरोना संक्रमण का शिकार हो गए हैं जबकि डेवोन थॉमस ऊंगली में चोट के कारण बाहर हो गए हैं। दोनों बोर्ड के अधिकारी गुरूवार को बैठक करके मौजूदा श्रृंखला के भविष्य पर फैसला लेंगे। पाकिस्तान ने तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में 2.0 की अजेय बढत ले ली है। तीसरा मैच गुरूवार को हाना है जिसके बाद वनडे श्रृंखला खेली जायेगी। इससे पहले तेज गेंदबाज शेल्डन कोटरेल और हरफनमौला रोस्टन चेस तथा काइल मायेर्स भी कोरोना संक्रमण के कारण टी20 श्रृंखला से बाहर हो गए थे।

कोहली की टिप्पणियों पर गावस्कर बोले, बीसीसीआई प्रमुख से पूछा जाना चाहिए यह विसंगति क्यों है

नई दिल्ली (एजेंसी) । विराट कोहली द्वारा पूर्व कप्तान के टी20 प्रारूप में भारत के कप्तान के पद से हटने के फैसले के बारे में सौरव गांगुली की टिप्पणी का खंडन करने के बाद महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा कि बीसीसीआई प्रमुख से पूछा जाना चाहिए कि यह विसंगति क्यों है। कोहली के टीम इंडिया के टी20ई कप्तान के रूप में पद छोड़ने के कुछ दिनों बाद बीसीसीआई प्रमुख गांगुली ने खुलासा किया कि बोर्ड ने पूर्व कप्तान से सबसे छोटे प्रारूप में कप्तानी नहीं छोड़ने का अनुरोध किया था। हालांकि, बुधवार को टेस्ट कप्तान कोहली ने दावा किया कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें कभी भी सबसे छोटे प्रारूप में कप्तानी छोड़ने पर पुनर्विचार करने के लिए नहीं कहा। कोहली और गांगुली के विरोधाभासी दावों के साथ, गावस्कर ने घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, मुझे लगता है कि यह (कोहली की टिप्पणी) वास्तव में बीसीसीआई को तस्वीर में नहीं लाता। मुझे लगता है कि जिम्मेदार व्यक्ति से पूछा जाना चाहिए कि उन्हें कोहली को ऐसा संदेश देने की प्रेरणा कहां से मिली। तो बस यही एक चीज है। गांगुली बीसीसीआई अध्यक्ष हैं और निश्चित रूप से उनसे पूछा जाना चाहिए कि यह विसंगति क्यों है। वह शायद सबसे अच्छे व्यक्ति हैं, जो इस विसंगति के बारे में पूछते हैं कि आपको क्या कहना है और भारतीय कप्तान ने क्या कहा है।

कोरोना संक्रमित के संपर्क में आने के कारण कमिंस दूसरे एशेज टेस्ट से बाहर

एडीलेड (एजेंसी) । आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस इंग्लैंड के खिलाफ दूसरा एशेज टेस्ट नहीं खेल सकेंगे जो कोरोना संक्रमण के शिकार एक व्यक्ति के करीबी संपर्क में पाये गए थे। एडीलेड ओवल पर दिन रात के टेस्ट के टॉस से तीन घंटे पहले क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा कि कमिंस ने जैव सुरक्षा प्रोटोकॉल नहीं तोड़ा है और वह बुधवार की रात एक रेस्तरां में खाना खा रहे थे। हालात का पता चलते ही वह पृथकवास पर चले गए हैं और उसके बाद कराई गई कोरोना जांच की रिपोर्ट भी नेगेटिव आई है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने कहा कि साउथ आस्ट्रेलिया स्वास्थ्य विभाग ने पुष्टि की है कि कमिंस करीबी संपर्क था और उन्हें सात दिन पृथकवास में रहना होगा। वह 26 दिसंबर से मेलबर्न में तीसरा टेस्ट खेल सकेंगे। कमिंस की गैर मौजूदगी में स्टीव स्मिथ कप्तानी करेंगे। कमिंस की जगह माइकल नेसेर टीम में होंगे। दक्षिण अफ्रीका में गेंद से छेड़खानी विवाद के कारण 2018 में कप्तानी गंवाने वाले स्मिथ उसके बाद से पहली बार टीम की अगुवाई करेंगे।

आस्ट्रेलिया का टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला, स्मिथ को फिर कमान

एडीलेड (एजेंसी) । तीन साल पहले कप्तानी गंवाने वाले स्टीव स्मिथ को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एशेज टेस्ट की शुरूआत से तीन घंटे पहले फिर आस्ट्रेलियाई टीम की कमान सौंपी गई क्योंकि नये कप्तान पैट कमिंस कोरोना संक्रमित के संपर्क में आने के कारण बाहर हो गए। स्मिथ ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया। आस्ट्रेलिया के लिये स्मिथ पिछले तीन टेस्ट में तीसरे कप्तान हैं। टिम पेन ने चार साल पहले एक महिला सहकर्मी को अश्लील मैसेज भेजने का मामला प्रकाश में आने के बाद पिछले महीने कप्तानी छोड़ दी थी। उसके बाद तेज गेंदबाज कमिंस को बागडोर सौंपी गई जिनकी कप्तानी में आस्ट्रेलिया ने पहला एशेज टेस्ट नौ विकेट से जीता। आस्ट्रेलियाई टीम में कमिंस की जगह माइकल नेसेर और बाजू में खिंचाव के कारण बाहर तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जगह झाय रिचर्डसन को शामिल किया गया है। वहीं इंग्लैंड टीम में जिम्मी एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड की वापसी हुई है।

कप्तान ज्ञानेंद्र मल्ला बर्खास्त, लामिछाने बने नेपाल के नए कप्तान

काठमांडू (एजेंसी) । नेपाल क्रिकेट संघ ने कप्तान ज्ञानेंद्र मल्ला और उप-कप्तान दीपेंद्र सिंह ऐरी को अनुशासनात्मक मुद्दों पर उनके पदों से हटा दिया है और उनकी जगह लेग स्पिनर संदीप लामिछाने को नया कप्तान नियुक्त किया है। क्रिकेट संघ की समिति ने यह कार्रवाई की है। स्थानीय मीडिया ने कहा कि मल्ला और अन्य तीन ने एक ऑनलाइन समाचार पोर्टल के साथ एक साक्षात्कार में अप्रैल से दिसंबर तक राष्ट्रीय क्रिकेटरों के ग्रेडिंग और केंद्रीय अनुबंध पर असंतोष व्यक्त किया था। कैन ने तब इस घटना की जांच के लिए एक समिति का गठन किया था और उस दौरान खिलाड़ियों से स्पष्टीकरण मांगा गया था। काठमांडू पोस्ट की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कार्यवाहक सचिव प्रशांत बिक्रम मल्ला की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय जांच समिति ने स्पष्टीकरण को असंतोषजनक बताते हुए चार क्रिकेटरों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की। बोर्ड ने खिलाड़ियों को दंडित करने का फैसला किया क्योंकि उन्हें खेल, एसीसी, आईसीसी, बोर्ड या उसके पदाधिकारियों को बदनाम करने के लिए मीडिया को कोई बयान देने की अनुमति नहीं थी।

बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक में खिलाड़ियों के साथ उनका कचरा भी रहेगा बायो बबल में

बीजिंग (एजेंसी) । बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों के आयोजकों ने खिलाड़ियों और बाहरी दुनिया के बीच संपर्क नहीं रखने की कवायद में उनका कचरा भी बायो बबल में ही रखने का प्रबंध किया है। अधिकारियों ने कहा कि विशेष कर्मचारियों की एक टीम को जिम्मा सौंपा जायेगा जो बबल के भीतर ही कचरा इकट्ठा करके ट्रांसफर करेगी ताकि बबल के भीतर कोरोना संक्रमण पहुंचने का कोई जरिया नहीं रहे। ये खेल चार फरवरी से शुरू होंगे। ओलंपिक खेल गांव में नियोजन और संचालन प्रभारी मा बोयांग ने कहा कि कचरा अस्थायी संग्रहण स्थल पर रहेगा जिसे बाद में अन्यत्र भेजा जायेगा। ओमीक्रोन वैरिएंट के प्रसार के बीच खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंतायें फिर पैदा हो गई है। आयोजन समिति के प्रवक्ता यान जियारोंग ने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारी हालात पर नजर रखे हुए हैं ।

युवा निशानेबाज कोनिका लायक ने की आत्महत्या, इसी साल सोनू सूद ने गिफ्ट की थी राइफल

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारत की उभरती हुई युवा निशानेबाज कोनिका लायक ने आत्महत्या कर खेल जगत को सदमे में डाल दिया है। झारखंड के धनबाद की रहने वाली 26 वर्षीय कोनिका इसी साल उस वक्त चर्चा में आई जब उन्होंने झारखंड सरकार और बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद से एक राइफल देने के लिए गुहार लगाई। इसके बाद सोनू सूद ने उनकी मदद करने का वादा किया और खुद कोनिका ने 26 जून को राइफल के साथ तस्वीर साझा कर चर्चित अभिनेता को धन्यवाद दिया। कोनिका के आत्महत्या के पीछे का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है लेकिन बताया जा रहा है कि वह पूर्व ओलंपियन और अर्जुन अवार्ड विजेता जयदीप कर्माकार के साथ कोलकाता में प्रशिक्षण ले रही थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या की। कोनिका पहले पुरानी राइफल का इस्तेमाल करती थीं। वह राज्य और राष्ट्रीय टूर्नामेंट में इसी पुरानी राइफल से निशाना लगाती थीं। इसके बाद राइफल की समस्या से परेशान होकर उन्होंने एक राइफल की जरुरत बताते हुए ट्विटर पर मदद मांगी। इस बारे में जब मशहूर अभिनेता सोनू सूद को पता चला तो उन्होंने इस उभरती प्रतिभा को मार्च के महीने में नया राइफल तोहफे में दिया था और उनसे देश को मेडल देने को कहा। जयदीप कर्माकार उन्हें बेहतर प्रशिक्षण के लिए अकादमी ले गए। एक अखबार से बातचीत में अकादमी प्रबंधन ने बताया कि पिछले 10 दिनों से कोनिका प्रशिक्षण के लिए सेशन में काफी कम आती थीं। जयदीप ने कहा कि %यह काफी स्तब्ध करने वाला है। वो पहले अपना अभ्यास ठीक से कर रही थीं। लेकिन कुछ ही दिनों बाद वो ट्रेनिंग सत्र में अनियमित हो गईं। मैं नहीं जानता कि इसके पीछे की वजह क्या है। उन्होंने बताया कि उनकी जल्दी ही शादी होने वाली थी। मैं सच में नहीं जानता कि क्या हुआ और किस दबाव में आकर उन्होंने यह कदम उठाया है।

जोस बटलर ने एशेज सीरीज में पकड़ा हैरतअंगेज कैच

खराब गेंद पर सुपरमैन बनकर दिलाई विकेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसी भी विकेटकीपर के लिए अपने दाहिने ओर डाइव लगाकर कैच पकड़ना आसान नहीं होता और वो भी उस स्थिति में जब बाएं हाथ का बल्लेबाज क्रीज पर हो और गेंदबाज भी आन साइड में ट्रेवल कर रही हो। अक्सर इस तरह की गेंद को खराब गेंद कहा जाता है और बल्लेबाजी आसानी से चौका या छक्का लगा देता है, लेकिन इस बार इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने ऐसा होने नहीं दिया और हैरतअंगेज कैच टीम के लिए पकड़ा। दरअसल, एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में आस्ट्रेलिया की टीम ने टास जीतकर पिंक बाल टेस्ट मैच में बल्लेबाजी करने का फैसला किया था और टीम को शुरुआत में रन बनाने में परेशानी हो रही थी। बल्लेबाज मार्कस हैरिस खराब गेंद का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच स्टुअर्ट ब्राड ने राउंड द विकेट से गेंद को फेंका और गेंद आन साइड में जा रही थी। इस गेंद पर मार्कस हैरिस ने प्रहार करना चाहा, लेकिन बल्ले का मोटा किनारा लग गया। गेंद काफी तेजी से लेग स्लिप और विकेटकीपर के बीच से निकलने ही वाली थी कि विकेट के पीछे मुस्तैद जोस बटलर ने गेंद को देखा और दो कदम अपने दाहिने तरफ बढ़ाकर हवा में एक फुल स्ट्रेच डाइव लगाई और गेंद को एक हाथ से ही दस्ताने में कैद कर लिया। इस तरह मार्कस हैरिस को पवेलियन लौटना पड़ा, जो 28 गेंदों में महज 3 रन ही बना सके। इस तरह खराब गेंद पर जोस बटलर ने इंग्लैंड की टीम को सफलता दिलाने का काम किया।

कोहली द्वारा गलत वक्त पर किए कमेंट को लेकर कपिल देव ने उन्हें लगाई फटकार, गांगुली को भी दी नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वनडे टीम की कप्तानी से हटाए जाने के बाद विराट कोहली खुश तो कतई नहीं हैं। उन्होंने बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कुछ बातें ऐसी कही जो साफ तौर पर दर्शाता है कि बीसीसीआइ और उनके बीच एक सुखद बातचीत का अभाव रहा। कोहली ने कई आरोप बोर्ड पर लगा दिए और इसके बाद टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कपिल देव उनसे नाराज दिख रहे हैं। कोहली ने कहा था कि बोर्ड ने उन्हें टी20 की कप्तानी छोड़ने से पहले नहीं रोका था साथ ही वनडे टीम की कप्तानी से हटाए जाने से कुछ देर पहले ही उन्हें ये जानकारी दी गई थी।

कपिल देव ने एक टीवी न्यूज चैनल से बातचीत करते हुए कहा कि कोहली ने जिस तरह की बात की वो इस वक्त सही नहीं है क्योंकि हमें साउथ अफ्रीका के खिलाफ एक अहम क्रिकेट सीरीज खेलनी है। कपिल देव ने कहा कि इस समय किसी पर ऊंगली उठाना ठीक नहीं है। दक्षिण अफ्रीका दौरा आ रहा है और कृपया दौरे पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि बोर्ड अध्यक्ष बोर्ड अध्यक्ष हैं, लेकिन भारतीय टीम का कप्तान भी एक बड़ी बात है। सार्वजनिक तौर पर एक-दूसरे के बारे में बुरी तरह से बातें करना मुझे नहीं लगता कि ये अच्छी बात है चाहे वो सौरव गांगुली हों या फिर विराट कोहली। ये भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छी बात को बिल्कुल भी नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि आपको स्थिति को नियंत्रित करना होगा और पहले देश के बारे में सोचना बेहतर होगा। जो भी गलत है वह जल्द ही पता चल जाएगा लेकिन इस विषय पर सार्वजनिक रूप से बोलना, मुझे लगता है, इस समय गलत है। मैं नहीं चाहता महत्वपूर्ण दौरे से पहले कोई विवाद देखें।

इससे पहले गांगुली ने दावा किया था कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से कोहली से एकदिवसीय कप्तानी में बदलाव के बारे में बात की थी और पहले उन्हें टी20 कप्तानी बनाए रखने के लिए कहा था। बीसीसीआइ अध्यक्ष ने ये भी कहा कि चयनकर्ता की एक सफेद गेंद वाले कप्तान की इच्छा ही विराट कोहली को हटाने का कारण थी।

रोहित शर्मा की कप्तानी पर विराट कोहली के बयान से बेहद खुश हैं सुनील गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका दौरे पर जाने से पहले बुधवार को विराट कोहली ने प्रेस कांफ्रेंस में कई पहलूओं पर बात की जिसमें उन्होंने अपनी कप्तानी के साथ-साथ रोहित शर्मा की कप्तानी पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा था कि रोहित शर्मा के साथ उनका किसी भी तरह का कोई मनमुटाव नहीं है और दोनों के बीच काफी अच्छे संबंध हैं।

कोहली ने रोहित शर्मा को एक बेहतरीन, सक्षम और तकनीकी रूप से बेहद मजबूत कप्तान करार दिया था और कहा था कि एक सीनियर खिलाड़ी के तौर पर वो हमेशा रोहित को पूरा समर्थन करेंगे। अब विराट कोहली के इस बयान की पूर्व ओपनर बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने जमकर तारीफ की।

सुनील गावस्कर ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि टीम का कप्तान कौन है। जब आप भारत के लिए खेल रहे होते हैं तो आप टीम के प्रति समर्पित होते हैं। गावस्कर ने स्पोर्ट्स तक से बात करते हुए कहा कि विराट कोहली ने सही बात कही कि जब आप देश के लिए खेल रहे होते हैं तो आप कप्तान नहीं हैं तो उससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। आपका काम होता है कि आप प्रदर्शन करें और टीम को जीत

दिलाकर गर्व महसूस करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत के लिए खेलने वाला हर खिलाड़ी अपनी पूरी जान लगाकर खेलता है। आपको बता दें कि कोहली से पूछा गया था कि आप रोहित शर्मा की कप्तानी में खेलेंगे इसे लेकर आप कैसा महसूस कर रहे हैं। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा था कि अब भी मेरी जिम्मेदारी टीम को सही दिशा में लेकर जाने की होगी और कप्तान रहते हुए भी मैं कुछ ऐसा ही करता था। रोहित के कप्तान बनने के बाद भी मेरी मानसिकता यही रहेगी। कोहली ने कहा था कि रोहित शर्मा में काफी काबिलियत है और काफी सक्षम हैं। आइपीएल में बतौर कप्तान हम उन्हें देख चुके हैं और भारतीय टीम के लिए वो पहले भी कप्तानी कर चुके हैं। इसके अलावा हमें राहुल द्रविड़ का साथ मिलेगा जो बेहद संतुलित कोच हैं।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने स्टीव स्मिथ के नेतृत्व पर उठाए सवाल

एडिलेड (एजेंसी) । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने एडिलेड ओवल में दूसरे एशेज टेस्ट से पहले स्टीव स्मिथ के कप्तान बनने और इंग्लैंड के जैक लीच को मौका न देने पर सवाल उठाए हैं। स्मिथ ने 2015 में माइकल क्लार्क के बाद ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान के रूप में पदभार संभाला और 2018 तक इस भूमिका में रहे। इसके बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका में एक विवाद के बाद कप्तानी से हटा दिया गया था। कप्तानी से हटाए जाने के बाद, स्मिथ ने पैट कमिंस के उपकप्तान के रूप में वापसी की, जब टिम पेन ने एक विवाद के बाद कप्तानी का पद छोड़ दिया था। वहीं, कमिंस को गुरुवार को मैच शुरू होने से कुछ घंटे पहले एडिलेड टेस्ट से बाहर कर दिया गया, क्योंकि वह एक कोरोना पॉजिटिव के संपर्क में आ गए थे। एथरटन ने

सेन रेडियो के माध्यम से कहा, मुझे लगता है कि एक बार जब कप्तानी के रूप में आपको दंडित जा चुका है, तो दोबारा से कप्तान बनाया जाना मेरे समझ से परे है। हालांकि उन्हें माफ किया जा चुका है, लेकिन वह कप्तान के रूप में नहीं, बल्कि बल्लेबाज के रूप में खेल सकते हैं। ऐसा मुझे एक क्रिकेटर के रूप में लगता है। इंग्लैंड के लिए 115 टेस्ट खेल चुके एथर्टन ने कहा, मैं आमतौर पर कप्तान के रूप में उनकी भूमिका के बारे में सोचता हूं, मुझे उन्हें फिर से मौका दिए जाने से कोई समस्या नहीं है, क्या वह इसके लिए सबसे अच्छे व्यक्ति हैं या फिर वह सिर्फ एक विकल्प हैं। एडिलेड में स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों में बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच को प्लेइंग इलेवन से बाहर करने से एथरटन ने इंग्लैंड टीम पर भी सवाल उठाए हैं।

कप्तानी मसले पर कोहली के बयान पर गांगुली को तस्वीर साफ करनी चाहिये: गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी) । महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि कप्तानी के मसले पर विराट कोहली के विरोधाभासी बयान पर सौरव गांगुली ही तस्वीर साफ कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि बीसीसीआई अध्यक्ष से पूछा जाना चाहिये कि यह विरोधाभास कैसे आया।

कोहली के टी20 कप्तानी छोड़ने के बाद गांगुली ने कहा था कि बीसीसीआई ने इस स्टार बल्लेबाज से फैसले पर पुनर्विचार के लिये कहा था। गांगुली ने हालांकि दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवानगी से पहले प्रेस कांफ्रेंस में इसका खंडन किया। गावस्कर ने 'इंडिया टुडे ' से कहा ,'' कोहली का बयान शायद बीसीसीआई के लिये नहीं है। मुझे लगता है कि उस व्यक्ति से सवाल पूछा जाना चाहिये कि कोहली को ऐसा संदेश कैसे गया।'' उन्होंने कहा ,'' गांगुली बीसीसीआई अध्यक्ष हैं और उनसे पूछा जाना चाहिये कि यह विरोधाभास क्यो है।वह ही इसके बारे में जवाब दे सकेंगे।' कोहली ने यह भी कहा था कि चयन समिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिये टीम के चयन से 90 मिनट पहले उन्हें बताया कि वह वनडे टीम के कप्तान नहीं हैं। गावस्कर ने कहा कि चयन समिति के अध्यक्ष ने कोई गलती नहीं की। गावस्कर ने कहा ,'' यहां क्या विवाद है।चयन समिति के अध्यक्ष ने उन्हें साफ तौर पर बता दिया कि अब वनडे कप्तानी उनके पास नहीं है। इसमें क्या गलत है। चयन समिति को इसका अधिकार है। कप्तान के पास मतदान का अधिकार नहीं होता।'' उन्होंने कहा ,'' ऐसा तो नहीं है ना कि मीडिया से उन्हें पता चला या एक सवारी विमान के कमांडर ने इसकी घोषणा की। उसे चयन समिति के अध्यक्ष ने बताया कि वह अब कप्तान नहीं है। इसमें क्या गलत है। चयन समिति के अध्यक्ष और उनके बीच संवाद हुआ और ऐसा ही होना चाहिये। '' गावस्कर ने कहा कि बीसीसीआई को भविष्य में इस तरह की स्थिति से बचने के लिये स्पष्ट संवाद रखना चाहिये। उन्होंने कहा ,'' स्पष्ट संवाद होना चाहिये ताकि अटकलबाजी नहीं हो। चयन समिति के अध्यक्ष बता सकते हैं कि किसका चयन क्यो हुआ और किसका क्यो नहीं हुआ। कई बार जरूरत नहीं होने पर भी प्रेस विज्ञप्ति जारी की जा सकती है जिसमें सारे कारण बताये गए हों।

लगातार दूसरे सीजन में यूपी योद्धा के कप्तान होंगे नितेश, बोले- इस बार फाइनल में पहुंचने का भरोसा

बैंगलोर (एजेंसी) । प्रो कबड्डी लीग के सातवें सीजन में पहली बार यूपी योद्धा की कप्तानी करने वाले नितीश कुमार लगातार दूसरे सीजन में टीम की कमान संभालेंगे। इस लीग का आठवां सीजन 22 दिसंबर से बैंगलोर में शुरू हो रहा है। कोरोना की वजह से इस बारी लीग के सारे मैच एक ही स्टेडियम में खेले जाएंगे और दर्शकों को स्टेडियम में आकर मैच देखने की अुमति नहीं होगी। नीतेश को एंकल होल्ड में महारत हासिल है और वो अधिकर प्वाइंट इसी तरीके से लेते हैं। उन्होंने पीकेएल के 67 मैचों में 224 अंक बटोरे हैं। वहीं 72.72 मौकों पर वो नॉट आउट रहे हैं। प्रो कबड्डी लीग के सबसे अहम खिलाड़ियों में से एक नितेश ने टूर्नामेंट के आठवें सीजन की शुरुआत से पहले कहा इस साल यूपी योद्धा का कप्तान बनाया जाना मेरे लिए बहुत ही गर्व और सम्मान की बात है। निश्चित रूप से इसकी

वजह से मेरे कंधों पर ज्यादा जिम्मेदारी होगी। हालांकि, मैं अपनी टीम की कप्तानी करने के लिए काफी उत्साहित हूं। नितेश ने कहा कि उनकी टीम का डिफेंस हमेशा ही मजबूत रहा है, लेकिन इस साल प्रदीप नरवाल और जेम्स जैसे खतरनाक रेडर आने से उनकी टीम का बैलेंस और बेहतर हुआ है। उन्हें उम्मीद है कि इस साल यूपी योद्धा कम से कम फाइनल तक का सफर जरूर तय करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि इस सीजन के लिए उनकी टीम मानसिक और शारीरिक रूप से पूरी तरह तैयार है। यूपी की पूरी टीम लंबे समय से साथ में प्रैक्टिस कर रही थी। उन्हें उम्मीद है कि यह भाईचारा और सहजता एक टीम के रूप में उनका प्रदर्शन करने में मदद करेंगे। यूपी योद्धा बंगाल वारियर्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत की शुरुआत करेगा। बंगाल ने पिछले साल बेहतरीन प्रदर्शन किया था और खिताब अपने नाम किया था। ये दोनों टीमें टूर्नामेंट के पहले दिन ही आपस में भिड़ेंगी। हालांकि कोरोना के चलते सभी मैच बायो बबल के अंदर होंगे, ताकि टूर्नामेंट से जुड़े सभी लोग सुरक्षित रहें।

एक्स प्रो बास्केटबॉल लीग चंडीगढ़ में मार्च 2022 से होगा आयोजित

चंडीगढ़ (एजेंसी) । बीएफआई के महासचिव चंद्र मुखी शर्मा ने गुरुवार को कहा भारतीय बास्केटबॉल महासंघ (बीएफआई) और 3एक्स3 प्रो बास्केटबॉल लीग भारतीय उप-महाद्वीप (3बीएल) अगले साल 5 से 27 मार्च तक चंडीगढ़ में 3बीएल सीजन का आयोजन करेंगे। लीग का दूसरा सीजन 2019 में आयोजित किया गया था।उन्होंने कहा, बीएफआई ने भारत में प्रोफेशनल बास्केटबॉल को बढ़ावा देने के लिए 3बीएल को विशेष अधिकार दिए हैं। 3बीएल बास्केटबॉल एथलीटों को अतिरिक्त आय और एक्सपोजर प्रदान करेगा। इससे पहले शर्मा ने ट्वीट किया, भारतीय बास्केटबॉल महासंघ एक बार फिर खिलाड़ियों के लिए खड़ा हुआ है। 3एक्स3 पेशेवर लीग मार्च 2022 में चंडीगढ़ में होगी। हम सभी खिलाड़ियों की इस नए अध्याय में शानदार यात्रा की कामना करते हैं। पिछले सीजन की तरह, 3बीएल सीजन थ्री में 18 फ्रेंचाइजी (12 पुरुष और छह महिलाएं) आपस में भिड़ेंगी। 3एक्स3 बास्केटबॉल का एक रूप है, जो एक बास्केट के साथ हाफ कोर्ट पर थ्री-ए-साइड टीमों द्वारा खेला जाता है। खेल 10 मिनट तक चलता है और 21 अंक पर खेल खत्म हो जाता है। विजेता वह टीम घोषित की जाती है जिसने 10 मिनट के अंत में 21 या उच्चतम स्कोर बनाया है। यह बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भी खेला जाएगा। भारत में 3बीएल लीग एक आधिकारिक लीग बन गई जब बीएफआई ने मई 2021 में इसे मान्यता दी, जिससे राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों के इसमें भाग लेने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

बेटे आर्यन की रिहाई के 46 दिन बाद शाहरुख खान ने दिखाई झलक, बॉडी देख हैरान फैंस

शाहरुख खान के फैंस बड़ी ही बेसब्री से उनकी फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन फिल्म तो क्या, शाहरुख पिछले कुछ वक्त से पब्लिकली भी बेहद कम नजर आ रहे हैं। अक्टूबर में बेटे आर्यन खान के ड्रग्स केस में फंसने के बाद भी शाहरुख मीडिया और कैमरों की नजरों से दूर ही रहे। वह बस उस वक्त नजर आए, जब वह बेटे आर्यन से मिलने आर्थर रोड जेल पहुंचे

थे। तब से शाहरुख पब्लिक जगहों पर बहुत ही कम नजर आते हैं। ऑफ-स्क्रीन ही नहीं बल्कि ऑनस्क्रीन भी शाहरुख ने दूरी बनाए रखी। लेकिन हाल ही शाहरुख, बेटे आर्यन की गिरफ्तारी और रिलीज के बाद पहली बार स्क्रीन पर नजर आए। बुधवार को एक नामी ब्रांड ने अपना ब्रांड एंबेसडर घोषित किया। इस मौके पर शाहरुख ने उस ब्रांड के लिए एक स्पेशल वीडियो मेसेज भेजा। इस वीडियो से शाहरुख की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। तस्वीरों में शाहरुख पहले के मुकाबले काफी तगड़े और हट्टे-कट्टे नजर आ रहे हैं। बता दें कि शाहरुख जल्द ही फिल्म 'पठान' में नजर आएंगे। वह इस फिल्म में अपने किरदार के लिए जी-तोड़ मेहनत कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख घर पर ही जमकर वर्कआउट कर रहे हैं और स्ट्रिक्ट डायट फॉलो कर रहे हैं। शाहरुख 'पठान' की शूटिंग के लिए अक्टूबर में स्पेन जाने वाले थे, लेकिन आर्यन की गिरफ्तारी के कारण शूटिंग को पोस्टपोन कर दिया गया था। कहा जा रहा है कि 'पठान' के अगले शेडयूल में काफी ऐक्शन सीक्वेंस होंगे, जिनके लिए शाहरुख ट्रेनिंग कर रहे हैं। **(एजेंसी)**

छोरी का बनेगा सीक्वल, नुसरत निभाएंगी मुख्य भूमिका

नुसरत भरुचा अभिनीत फिल्म छोरी की सफलता के बाद, निर्माताओं ने इसके सीक्वल के साथ कहानी की फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित अगली कड़ी छोरी 2 शीर्षक से, नुसरत के चरित्र साक्षी की कहानी को उठाएगी, जहां से पहला पार्ट शुरु हुआ था, साथ ही कुछ प्रमुख पात्रों को वापस लाएगी। सीक्वल की घोषणा करते हुए, निर्देशक ने कहा कि मैं छोरी की कहानी को इसके सीक्वल के साथ अगले

स्तर पर ले जाने के लिए रोमांचित हूं। मैंने हमेशा छोरी को एक मल्टीपल फिल्म फ्रैंचाइजी के रूप में देखा है और सीक्वल की कहानी को विकसित करना तभी शुरू कर दिया था, जब हम पहले संस्करण का फिल्मांकन कर रहे थे। फिल्म का निर्माण साइक द्वारा किया जाएगा, जो अबुदंतिया एंटरटेनमेंट का हॉरर वर्टिकल है, क्रिप्ट टीवी और टी-सीरीज के साथ भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विक्रम मल्होत्रा, जैक डेविस और शिखा शर्मा निर्माता रहेंगे। निर्माताओं ने सीक्वल के संबंध में एक संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि छोरी को मिली आलोचनात्मक प्रशंसा और प्रशंसक प्यार हमारे इस विश्वास का एक प्रमाण है कि भारतीय दर्शकों को उच्च गुणवत्ता वाले हॉरर कंटेंटे के लिए एक मजबूत भूख है। हम आशा करते हैं कि हम अधिक रोमांचक और अनूठी कहानियों के साथ उनकी सेवा करना जारी रखेंगे।

विद्या, प्रतीक, इलियाना, सेंथिल राममूर्ति ने अपनी अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग पूरी की

अभिनेता विद्या बालन, प्रतीक गांधी, इलियाना डिक्रूज और भारतीय-अमेरिकी सनसनी सेंथिल राममूर्ति ने अपनी आगामी अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। मुंबई और ऊटी में बड़े पैमाने पर शूट किए जाने के बाद, फिल्म ने अपनी प्रमुख फोटोग्राफी समाप्त कर ली है। फिल्म जल्द ही पोस्ट प्रोडक्शन में चली जाएगी। यह फिल्म, जिसे अंतिम डेट मूवी के रूप में जाना जाता है, एक तेज गति वाली दुनिया में आधुनिक रिश्तों का एक प्रगतिशील, अबाधित रूप पेश करेगी। फिल्म के कलाकारों के पास निर्माण के माध्यम से एक अच्छा समय था, और विद्या और प्रतीक की रैप का जश्न मनाते हुए उत्साह की एक उज्जवल तस्वीर में उत्साह स्पष्ट दिखाई दे रहा है। कलाकारों की चौकड़ी ने इससे पहले पिछले महीने अपना मुंबई शेड्यूल पूरा किया था। यह अप्लॉज एंटरटेनमेंट और इलिप्सिस एंटरटेनमेंट के बैनर तले विज्ञापन फिल्म निर्माता शीर्ष गुहा ठाकुरता द्वारा निर्देशित किया जा रहा है। **(एजेंसी)**

सामंथा की यशोदा में शामिल हुई वरलक्ष्मी सरथकुमार

तमिल अभिनेत्री वरलक्ष्मी सरथकुमार अपनी आगामी फिल्म यशोदा में सामंथा के साथ नजर आने वाली हैं। सामंथा के साथ मुख्य भूमिका के रूप में, यशोदा नामक फिल्म का निर्माण किया जा रहा है, और इसमें वरलक्ष्मी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह पहली बार होगा जब वरलक्ष्मी सरथकुमार सामंथा रूथ प्रभु के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। वरलक्ष्मी बुधवार को यशोदा की टीम में शामिल हो गई है। वरलक्ष्मी सरथकुमार इससे पहले नांदी और क्रैक जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। जानकारी के अनुसार निर्माता मार्च 2022 के अंत तक यशोदा की पूरी शूटिंग को समाप्त करने की योजना बना रहे हैं। निर्देशक जोड़ी हरि और हरीश द्वारा अभिनीत, यह फिल्म एक बेहतरीन मनोरंजक फिल्म है। यशोदा एक साथ कई भाषाओं- तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में रिलीज होगी। हाल ही में, निर्माताओं ने कहा कि वे अगले साल मार्च तक शूटिंग पूरी करने की योजना बना रहे हैं। सामंथा जल्द ही यशोदा के सेट में शामिल होंगी। श्रीदेवी मूवीज बैनर के तहत कृष्णा प्रसाद शिवलेंका द्वारा निर्मित, फिल्म में मणि शर्मा का संगीत है और यह 2022 में रिलीज होने वाली है। **(एजेंसी)**

आयुष्मानः बायोपिक बनी तो नीरज चोपड़ा की भूमिका निभाना पसंद करुंगा

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ओलंपिक में भारत के गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा की बायोपिक बनने की स्थिति में उनकी भूमिका निभाने के इच्छुक हैं। 2020 टोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता था। आयुष्मान कहते हैं मैं लगातार वास्तविक लोगों से प्रेरित होता हूं जो असाधारण चीजें करते हैं।

अभी मैं नीरज चोपड़ा से बेहद प्रेरित हूं। आयुष्मान ने कहा, ओलंपिक में भारत के लिए स्वर्ण जीतने के लिए उन्होंने जो संकल्प और प्रदर्शन किया, उसे सलाम करने की जरूरत है। अगर भविष्य में यह बायोपिक बनी है उसमें वे अपना रोल नहीं निभाना चाहते हैं तो मैं उनकी जगह वो काम करना चाहूंगा। अभिनेता का कहना है कि इस तरह की उपलब्धियों का जश्न मनाने की जरूरत है और ऐसे नायकों के जीवन की कहानियों को देश भर के लोगों को बताने की जरूरत है। **(एजेंसी)**

संजीदा शेख ने हॉट ब्रालेट में कराया बोल्ड फोटोशूट, तस्वीरें देख फैंस ने कहा, सो लवली

संजीदा शेख ने अपने हालिया फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की है। उन्होंने दरअसल 2 सेकंड का एक वीडियो शेयर किया है। इसमें संजीदा शेख के पांच अलग-अलग अंदाज देखें जा सकते हैं। फोटो में संजीदा शेख अलग-अलग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। संजीदा शेख ने तस्वीरों में कलरफुल

ब्रालेट और घाघरा पहन रखा है। इसके अलावा उन्होंने गले में नेकलेस पहन रखा है। उन्होंने नाक में नथनी पहन रखी है और माथे पर बड़ी सी बिंदी लगा रखी है। वह अलग-अलग अंदाज में क्यूट पोज देती नजर आ रही हैं। संजीदा शेख का यह वीडियो वायरल हो गया है। इसे अब तक 43 हजार से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। वहीं वीडियो पर कई लोगों ने कमेंट किया है। संजीदा शेख तस्वीरों में काफी खूबसूरत लग रही है। एक तस्वीर में वह कैमरे की ओर देखकर पोज दे रही हैद्य वहीं एक अन्य तस्वीर में वह कहीं और देख कर पोज दे रही है। एक तस्वीर में वह जीभ निकालकर दांतों के बीच इसे रखकर पोज दे रही है। संजीदा शैख की तस्वीरों पर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा है, वाहद्य वहीं एक फैन ने लिखा है, बहुत बढ़िया। एक अन्य ने लिखा है, गॉर्जियस। वहीं एक अन्य फैन ने लिखा है, आप बहुत ही खूबसूरत लग रही हैं। संजीदा शेख एक्ट्रेस हैद्य उन्होंने कई फिल्मों में काम किया हैद्य वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय है। वह कई शो में काम कर चुकी है।

शो फना-तेरे इश्क में मुख्य भूमिका निभाएंगे रीम समीर शेख और जैन इमाम

रीम समीर शेख और जैन इमाम आगामी फना-तेरे इश्क में शो में मुख्य भूमिका निभाएंगे। यह शो एक रोमांटिक थ्रिलर ड्रामा है। रीम एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी चलाने वाली एक आशावादी लड़की पाखी के चरित्र को चित्रित करेंगी, जबकि दूसरी ओर जैन एक व्यवसायी के रूप में अपनी भूमिका निभाएंगे। अभिनेताओं ने डेली सोप में अपनी भूमिकाओं के बारे में और यह भी बताया कि कहानी अन्य धारावाहिकों से कैसे अलग है। पाखी की भूमिका निभाने के लिए अपने उत्साह को व्यक्त करते हुए रीम ने कहा मैं यह व्यक्त नहीं कर सकता कि मैं पाखी की भूमिका में कितना

रोमांचित हूं! वह एक खुशमिजाज लड़की है जो सभी पर आसानी से भरोसा करती है। मैं ईमानदारी से बोलू तो, स्क्रीन पर वापस आने के लिए मैं छोड़ी घबराई हुई हूं क्योंकि मैं दर्शकों की उम्मीदों को बनाए रखना चाहती हूं और उनके लिए मनोरंजन को दोगुना करना चाहती हूं। अगस्त्य के रूप में कास्ट किए जाने के बारे में बात करते हुए जैन ने कहा टेलीविजन पर हमेशा बहुत अच्छा लगता है, एक छोटे से अंतराल के बाद मैं फना-तेरे इश्क में के साथ अपनी टेलीविजन यात्रा को फिर से शुरू कर रहा हूं और इससे बेहतर और कुछ नहीं है जो मैं मांग सकता था। यह नए जमाने का रोमांटिक थ्रिलर शो है और अगस्त्य का किरदार दर्शकों को हैरान कर देगा। फना- तेरे इश्क में जल्द ही कलर्स पर प्रसारित होगा। **(एजेंसी)**

विजय देवरकोंडा, अनन्या पांडे-स्टारर लाइगर अगस्त 2022 में होगी रिलीज

अभिनेता विजय देवरकोंडा, अनन्या पांडे और माइक टायसन-स्टारर अखिल भारतीय फिल्म लाइगर 25 अगस्त, 2022 को स्क्रीन पर हिट होने के लिए तैयार है। फिल्म के निर्माता करण जौहर ने यह घोषणा इंस्टाग्राम पर की। उन्होंने एक पोस्टर साझा किया, जिसमें लिखा था, लाइगर साला क्रॉसब्रीड। अखिल भारतीय फिल्म अपने खून, पसीने

और मेहनत और मनोरंजन के साथ तैयार है। 25 अगस्त 2022 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। 31 दिसंबर को पागलपन की एक झलक देखें। यह नया साल आग लगा देगा।

करण ने पोस्टर को कैप्शन दिया, द एक्शन, द थ्रिल एंड द मैडनेस - यह टोटल नॉकआउट होने जा रहा है। हैशटैग लाइगर 25 अगस्त, 2022 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आ रही है। लोकप्रिय फिल्म निर्माता पुरी जगन्नाथ द्वारा अभिनीत, लाइगर में विजय देवरकोंडा को एक बॉक्सर की भूमिका निभाते हुए देखा गया है, जिसे पुरी जगन्नाथ, चार्ममे कौर, करण जौहर और अपूर्व मेहता द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित किया गया है। लाइगर तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम समेत कई भाषाओं में रिलीज होगी। **(एजेंसी)**

राखी ने शमिता को ब्रा में छुपाने को कहा सामान, बोलीं-भगवान ने हमें फिक्स्ड तिजोरियां दी हैं

'बिग बॉस 15' के खत्म होने में सिर्फ चंद दिन ही बाकी रह गए हैं और कंटेस्टेंट्स फिनाले में पहुंचने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रहे हैं। हाल ही बिग बॉस ने घर में एक टास्क

करवाया, जिसमें कुछ कंटेस्टेंट्स को चोर बनाया गया। उन्हें म्यूजियम से कुछ चीजें चुरानी थीं। राखी सावंत को इस टास्क की संचालक बनाया गया था। टास्क शुरू होने से पहले राखी, शमिता शेट्टी से कहती हैं कि वह कुछ चीजें छिपाकर रख लें। इस टास्क में शमिता चोर बनी थीं और राखी उनसे कहती हैं कि जब कंटेस्टेंट्स लड़ने में बिजी होंगे, तब वह उन सबका ध्यान भटकाएंगी और उन्हें बिजी रखेंगी। राखी, शमिता की ब्रा की तरफ इशारा करते हुए कहती हैं, 'चोरी करके छुपा लेना।' राखी की बात सुनकर शमिता हैरान रह जाती हैं और पूछती हैं कि आखिर वह सारी चीजों को अपनी ब्रा के अंदर कैसे छिपाएंगी? तब राखी ने कहा, 'भगवान ने कुछ दिया ना दिया हो, हमको फिक्स्ड तिजोरियां दी हैं।' यह सुनकर शमिता हंस पड़ती हैं और बोलती हैं, 'राखी आई लव यू।' बता दें कि राखी सावंत 'बिग बॉस 15' की पहली फाइनलिस्ट बन गई हैं।

हाल ही बिग बॉस ने फाइनलिस्ट के अगले दावेदारों के लिए घर में एक टास्क करवाया। चूंकि कंटेस्टेंट्स ने नियमों का उल्लंघन किया, इसलिए टास्क को रद्द कर दिया गया।

मुश्किल हालात में शूटिंग करते अमिताभ बच्चन का छलका दर्द, लाखों फॉलोअर्स वाली खूबसूरत एक्ट्रेसेज

अमिताभ बच्चन इन दिनों बहुत दुखी हैं और इसकी वजह हैं बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेसेज जिनके सोशल मीडिया में लाखों फॉलोअर्स हैं, मगर फॉलोअर्स बढ़ाने में वो बिग बी की मदद नहीं करतीं। अमिताभ का यह दर्द सोशल मीडिया में छलका है और इस दर्द के साथ बाहर आया है उनका जबरदस्त सेंस ऑफ ह्यूमर। दरअसल, अमिताभ ने अपनी एक अपकमिंग फिल्म की शूटिंग के अपडेट को अपनी एक तस्वीर के साथ साझा किया है, जिस पर परिणीति चोपड़ा ने जवाब दिया है। अमिताभ बच्चन ने एक फोटो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिसमें वो रस्सियों के एक ब्रिज पर भारी बारिश और धुंध के बीच मौसम से जूझते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ बिग बी ने लिखा- एक झूलता हुआ कैंटिलीवर, एक लेन वाला संकरा ब्रिज, 4 तूफानी पंखे, भारी बारिश, धुंध, हिमालय के

कपड़े, भारी बैग पैक और उस पर परफॉर्म करना। दिनभर लगातार चार दिन। विक्की के पिता श्याम का एक्शन। और कोई भी खूबसूरत महिला, जिनके लाखों की संख्या में फॉलोअर्स हैं, कुछ फॉलोअर्स दिलवाने में मेरी मदद नहीं करतीं। इसके बाद बिग बी ने बेबसी जाहिर की। अमिताभ बच्चन की इस पोस्ट पर परिणीति चोपड़ा ने कमेंट किया- बॉम्बे में नेपाल के कपड़े। आपको रोज देखना और यह वाला शूट करते देखना जबरदस्त रहा। इसके साथ परिणीति ने ऊंचाई हैशटैग लिखा है। दरअसल, अमिताभ इस वक्त ऊंचाई की शूटिंग कर रहे हैं और यह तस्वीर उसी के सेट की है। सूरज बड़जात्या निर्देशित ऊंचाई में अमिताभ और परिणीति के अलावा अनुपम खेर और बमन ईरानी भी हैं। अमिताभ की इस पोस्ट पर रोनित रॉय और आहना कुमरा ने भी कमेंट किये हैं। इससे पहले अमिताभ ने शाम कौशल के साथ एक और तस्वीर पोस्ट करके उन्हें विक्की और कटरीना कैफ की शादी की बधाई दी थी। अमिताभ अगले साल रनवे 34, गुडबाय और ब्रह्मास्त्र में भी नजर आएंगे। **(एजेंसी)**

केबीसी 13: नीना गुप्ता ने बताया कैसे बधाई हो की भूमिका पाने के लिए उन्होंने हाउस हेल्पर के कपड़े पहने थे

अभिनेत्री नीना गुप्ता कौन बनेगा करोड़पति 13 के शानदार शुक्रिया एपिसोड में बधाई हो में भूमिका पाने के लिए एक हाउस हेल्पर की सलवार कमीज पहनने की बात का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उन्हें पहली बार में ही बधाई हो की स्क्रिप्ट पसंद आ गई थी, लेकिन उन्होंने निर्देशक के पास कभी कॉल बैक नहीं किया। हालांकि चीजें बदल गई जब उन्हें फिल्म के निर्देशक अमित शर्मा से उनके कार्यालय में मिलने के लिए बुलाया गया। उन्होंने कहा कि अमित ने मुझे एक हफ्ते और दस दिनों के बाद अपने कार्यालय में बुलाया। जब मैं वहां गई, तो मैंने उनके सहायक से पूछा, मुझे क्या पहनना चाहिए ताकि उन्हें लगे कि मैं चरित्र में फिट हूं? मुझे बताया गया था कि यह किरदार एक मध्यमवर्गीय परिवार का है इसलिए मैंने सलवार कमीज पहननी थी। मेरे पास कुछ स्टाइलिश सलवार कमीज थी लेकिन यहां, मुझे सामान्य सलवार कमीज पहननी थी। नीना आगे कहती हैं कि तब मुझे सामान्य कमीज मिली, लेकिन सामान्य सलवार मेरे पास नहीं थी। मैं सोच रही थी कि क्या करूं? मैंने तब अपने घर के रसोइये की सलवार पहनी थी क्योंकि वह सामान्य और साधारण सफेद रंग की सलवार थी।

मैं वहां (अमित शर्मा के कार्यालय में) अपनी चुन्नी और सलवार कमीज पहनकर गई और मैंने उनसे कहा, सर क्या मैं ठीक दिख रही हूं, मैंने अपन घर के हेल्पर का सलवार पहना है। इतना ही नहीं, अभिनेत्री ने पहले न चुने जाने के पीछे की असली वजह का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि मुझे बाद में पता चला कि जब हर कोई बैठकर बात कर रहा था, तो आयुष्मान खुराना ने महसूस किया कि मुझे भूमिका नहीं निभानी चाहिए क्योंकि मैं एक मां की तरह नहीं दिखती हूं। आयुष्मान का कहना था कि मैं बहुत हॉट हूं। उसे मेरी तरफ देखकर मम्मी वाली फीलिंग नहीं आती है। केबीसी 13 में नीना अभिनेता गजराज राव के साथ स्पेशल गेस्ट के तौर पर नजर आने वाली हैं। यह सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा। **(एजेंसी)**

83 के प्रमोशन में छाया दीपिका पादुकोण का लुक, फिल बैकलेस गाउन में मस्तानी को देख उड़े फैंस के होश

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री की डिंपल गर्ल यानी सुपरस्टार दीपिका पादुकोण आज पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना चुकी हैं। दीपिका ने अपने करियर में अबतक न जानें कितनी हिट फिल्में दी हैं। वह न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि अपने स्टाइल के लिए भी जानी जाती हैं। वह कुछ भी पहन लें वह स्टाइल स्टमेंट बन जाता है। दीपिका सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर ही अपनी तस्वीरें पोस्ट करती नजर आती हैं। इसी बीच दीपिका ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वह बेहद हॉट लुक देती नजर आ रही हैं। दीपिका पादुकोण हाल ही में फिल्म 83 के प्रमोशन्स के लिए साउदी अरेबिया के जेडाह पहुंची थीं। इस दौरान दीपिका ने नियॉन पिंक गाउन पहनना था। उनकी इस ड्रेस का स्लीव्ज् स्वान शेप था जो पीछे से काफी डील नेक थी। इस ड्रस में दीपिका बला की खूबसूरत नजर आ रहीं थीं। वहीं ड्रेस के साथ उन्होंने न्यूड मेकअप किया था। बस कानों में उन्होंने डायमंड इयरिंग पहना हुआ था। अपने इस लुक की तस्वीरें दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की है। वहीं फैंस को भी उनका ये लुक काफी पसंद आ रहा है। बता दें कि हाल ही में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। इस वीडियो में वह एयरपोर्ट पर नजर आए थे। रणवीर और दीपिका के इस वीडियो को फोटोग्राफर विरल भयानी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था। वीडियो में देखा जा सकता है कि जैसे ही रणवीर और दीपिका हवाई अड्डे पर पहुंचते हैं, वहां मौजूद पैपराजी उनकी एक झलक को कैमरे में कैद करने के लिए पहुंच जाते हैं। वीडियो में रणवीर पैपराजी से बात चीत के बाद दीपिका को किस कर देते हैं, जिसके बाद एयरपोर्ट की ओर चले जाते हैं। इस दौरान रणवीर ने टाइगर प्रिंट बूलन की स्वेट शर्ट और रेड कलर की पेंट में नजर आ रहे थे।